शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 132 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 8 दिसंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

साहित्यकारों को सरकार देगी साहित्यिक पेंशन पेज 3

अकेले मोदी की ना मानें यह जीत कार्यकर्ताओं की है : पीएम मोदी पेज 4

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में मुकेश अंबानी, सचिन तेंदुलकर ... पेज 5

पंजाब में जल्द खुलेंगे सौ नए आम आदमी क्लीनिक : भगवंत मान पेज 8

असम समझौता मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा

हम अवैध प्रवासियों की असीमित प्रवेश की अनुमति नहीं दे सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 7 दिसंबर को कहा था कि ऐसा *महसूस* है कि बांग्लादेश से अवैध प्रवासियों की *असीमित प्रवेश* न केवल जनसांख्यिकी को बदल देती है, बल्कि भारतीय नागरिकों के लिए संसाधनों पर भी बोझ डालती है। एक तरफ, हमारे पास कोई खुली सीमा नहीं है जिसके माध्यम से बांग्लादेश से कोई भी भारत में कहीं भी आ और बस सके। साथ ही, यदि हम अवैध प्रवासन को रोकने के लिए कार्रवाई नहीं करते हैं, तो यह भारत में इन सभी समस्याओं का कारण बनता है... भारत में यह भावना है कि बुनियादी ढांचा सीमित है, शिक्षा सीमित है, सार्वजनिक अस्पताल सीमित हैं... हम असीमित आमद की अनुमति नहीं दे सकते, संविधान पीठ का नेतृत्व कर रहे भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा। पीठ नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 6ए को चुनौती देने वाले स्वदेशी असमिया समूहों की याचिकाओं की एक श्रृंखला पर सुनवाई कर रही है। समूहों ने तर्क दिया है कि 1985 में असम समझौते पर हस्ताक्षर के तुरंत बाद लाया गया विशेष प्रावधान, *आशा की किरण* बन गया। असम में बसने, भारतीय नागरिकता हासिल करने, स्थानीय लोगों को उनके राजनीतिक और आर्थिक अधिकारों से वंचित करने और असमिया सांस्कृतिक पहचान को नष्ट करने के लिए अवैध रूप से भारत में प्रवेश करना। धारा 6ए ने बांग्लादेश से भारत में आप्रवासन को तीन समयावधियों में विभाजित किया था। 1 जनवरी 1966 से पहले भारत में प्रवेश करने वालों को भारतीय नागरिक माना गया। जो लोग 1 जनवरी, 1966 और 25 मार्च, 1971 के बीच आए, उन्हें भारतीय के रूप में पंजीकृत किया गया, बशर्ते कि वे कुछ शर्तों को पूरा करते हों। 25 मार्च 1971 के बाद जो लोग भारत में आए वे अवैध थे और कानून के अनुसार उन्हें निर्वासित किया जाना था। सुप्रीम कोर्ट ने गृह सचिव को 25 मार्च, 1971 के बाद भारत में अवैध प्रवासियों की अनुमानित आमद, जिसमें असम तक सीमित नहीं है पर एक हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया, अवैध आप्रवासन से निपटने के लिए केंद्र द्वारा उठाए गए कदम और सीमा-बाड़ लगाने की सीमा और समयसीमा पर विवरण। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि भारत एक सत्तावादी देश नहीं है जो सिर्फ अवैध लोगों को उठाएगा और उन्हें निर्वासित करेगा। सीजेआई ने कहा कि भारत ने उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन किया क्योंकि वास्तविक डर था कि निर्दोषों को उठाया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश ने पूछा कि भारत सरकार सीमा को अभेद्य बनाने के लिए कितना निवेश कर रही है? सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कर रही है कि -शेष पृष्ठ दो पर

अगले साल 12 फरवरी से शुरू होगी एचएस की परीक्षा

गुवाहाटी। असम हायर सेकेंडरी एजुकेशन काउंसिल (एएचएसईसी) ने गुरुवार को हायर सेकेंडरी (एचएस) परीक्षा 2024 की तारीखों की घोषणा की। एएचएसईसी के अनुसार, एचएस परीक्षाएं 12 फरवरी से शुरू होंगी और 13 मार्च 2024 को समाप्त होंगी। वहीं प्रैक्टिकल परीक्षा 24 जनवरी से 8 फरवरी 2024 तक आयोजित की जाएगी। इससे पहले नवंबर में, एएचएसईसी ने निर्णय लिया था कि दिसंबर 2023 के महीने के भीतर एचएस द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए प्री-फाइनल टेस्ट परीक्षा आयोजित की जाएगी। अधिसूचना के अनुसार, प्री-फाइनल टेस्ट परीक्षा सभी अनुमति प्राप्त स्कूलों में आयोजित की जाएगी। /इसके अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत मान्यता प्राप्त संस्थान। परिषद ने सभी संस्थानों के प्रमुखों को उक्त परीक्षा आयोजित करने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया, जैसे कि प्री-फाइनल परीक्षा की तैयारी, विषय-वार प्रश्न पत्र तैयार करना, खाली उत्तर पुस्तिकाओं की आपूर्ति, प्रवेश पत्र जारी करना, मूल्यांकन करना। उत्तर स्क्रिप्ट, परिणाम की घोषणा, अंक-पत्र जारी करना आदि।

सरकार राज्य को माफिया मुक्त बनाने के मिशन पर : भाजपा

गुवाहाटी (हि.स.)। डॉ हिमंत विश्व शर्मा की सरकार के तहत असम के शैक्षणिक, सामाजिक-आर्थिक और ढांचागत विकास के साथ-साथ सामाजिक क्षेत्र में भी काफी विकास हुआ है। सरकार की गतिशीलता ने राज्य की कानून व्यवस्था को भी मजबूत किया है, जिससे 1979 के बाद 2022 में अपराधों की संख्या में कमी आई है। प्रदेश भाजपा की प्रवक्ता जानकी खाउंड ने कहा है कहा कि एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार असम अपराधों में नौवें स्थान से गिरकर बीसवें स्थान पर आ गया है। महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में भी असम शीर्ष से खिसक कर सातवें स्थान पर आ गया है। 2021 में असम में एक लाख 33 हजार 239 मामले दर्ज किये गये। जबकि, 2021 की तुलना में 2022 में केवल 68 हजार 937 मामले दर्ज किए गए। इस प्रकार दर्ज मामलों की संख्या में 48 फीसदी की कमी आई। अपराध दर को नियंत्रित करने में यह -शेष पृष्ठ दो पर

भूमि दस्तावेजों जालसाजी की जांच के लिए एसआईटी गठन करेगी सरकार

गुवाहाटी। गुवाहाटी में एक बड़े फर्जी भूमि दस्तावेज रैकेट के हालिया भंडाफोड़ के बाद, असम सरकार ने भूमि दस्तावेज जालसाजी और संबंधित रिकॉर्ड से संबंधित मामलों की गहन जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) स्थापित करने की योजना की घोषणा की है। गुवाहाटी में एक बड़े फर्जी भूमि दस्तावेज रैकेट के हालिया भंडाफोड़ के बाद, असम सरकार ने भूमि दस्तावेज जालसाजी और संबंधित रिकॉर्ड से संबंधित मामलों की गहन जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) स्थापित करने की योजना की घोषणा की है। यह निर्णय किसके जवाब में आया है? जालसाजी मामले के -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी के कारण भाजपा ने तीन राज्यों में जीते चुनाव : खांडू

जोधपुर (हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा कि भाजपा ने तीन राज्यों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों के कारण विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की है। यह बात उन्होंने यहां जोधपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में कही। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू आज इंडिगो की दिल्ली फ्लाइट से जोधपुर पहुंचे। वह अरुणाचल के एक आईएएस की बेटी की शादी में हिस्सा लेने जोधपुर आए। उन्होंने एयरपोर्ट पर मीडिया से बात के दौरान कहा कि राजस्थान सहित तीन राज्यों में भाजपा की जीत प्रधानमंत्री के कार्यों की वजह से है। तीनों बड़े राज्यों में जो विक्ट्री हुई है इससे पता चल रहा है कि प्रधानमंत्री ने जो नौ वर्षों तक काम किया है वह लोगों तक पहुंच रहा है। यह प्रधानमंत्री और भाजपा -शेष पृष्ठ दो पर

पुलिस एनकाउंटर : हत्या आरोपी शंभू काहार घायल

कोकराझाड़ (हि.स./विभास)। कोकराझाड़ पुलिस एनकाउंटर में हत्या का आरोपी शंभू काहार उर्फ शिला गंभीर रूप से घायल हो गया है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि शंभू ने 29 नवंबर के तड़के कृषि विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी तपन चक्रवर्ती (72) और उनकी पत्नी मधुमिता बनर्जी (65) पर हमला किया था। इसके परिणामस्वरूप तपन चक्रवर्ती की मृत्यु हो गई थी। पुलिस ने बीती रात हत्या आरोपी शंभू को आमगुरी इलाके में छिपाए गए एक दाव को बरामद करने के लिए ले जाया गया था। शंभू ने आमगुरी इलाके में छिपाया हुआ दाव दिखाते समय पुलिस कांस्टेबल को धकेल कर भागने की -शेष पृष्ठ दो पर

मेरे नाम के साथ ना लगाएं श्री, आदरणीय और जी जैसे शब्द : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को चुनावी आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासन के लिए लोगों की सबसे पसंदीदा पार्टी बन गई है क्योंकि सत्ता में रहते हुए चुनाव जीतने का उसका रिकॉर्ड कांग्रेस और अन्य दलों के मुकाबले काफी बेहतर है। सूत्रों के अनुसार, भाजपा संसदीय दल की बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने हालिया विधानसभा चुनावों में पार्टी की बड़ी जीत का श्रेय किसी नेता को नहीं, बल्कि *टीम भावना* को दिया और कहा कि तीन राज्यों में जीत के अलावा तेलंगाना और मिजोरम में भी पार्टी की ताकत बढ़ी है। वहीं वीआईपी कल्चर के खिलाफ खड़े पीएम मोदी ने अपनी पार्टी के सांसदों को हिदायत देते हुए कहा कि उन्हें *मोदी जी* की बजाय सिर्फ मोदी बुलाने का आग्रह करते हुए कहा कि जनता उन्हें सिर्फ मोदी के नाम से जानती है, इसलिए उन्हें मोदी जी के नाम से बुलाकर जनता से दूर मत करें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उनके नाम के साथ आदरणीय, *श्री* और *जी* जैसे संबोधन का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने पार्टी के नेताओं से कहा कि वे जनता से संवाद के दौरान ऐसी भाषा का इस्तेमाल करें जो वे (लोग) पसंद करते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि उन्हें *मोदी जी की गारंटी* के बजाय *मोदी की गारंटी* का इस्तेमाल करना चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री प्राह्लाद जोशी ने मोदी को उद्धृत करते हुए संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस ने उन राज्यों में सत्ता में रहने के दौरान 40 बार विधानसभा चुनावों का सामना -शेष पृष्ठ दो पर

नोट गिनते-गिनते मशीनें भी हो गईं खराब

ओडिशा में इनकम टैक्स के छापे में मिला भारी पैसा

भुवनेश्वर। आयकर विभाग ने कथित कर चोरी के आरोप में ओडिशा स्थित एक शराब निर्माण कंपनी के खिलाफ छापे मारे हैं। इस दौरान एजेंसी ने भारी मात्रा में कैश बरामद किया है।अधिकारियों के मुताबिक ओडिशा के बोलांगीर और संबलपुर और झाड़खंड के रांची, लोहरदगा में तलाशी चल रही है। सूत्रों के मुताबिक छापेमारी में बुधवार तक ही 50 करोड़ रुपए के नोटों की गिनती पूरी कर ली गई थी, लेकिन नोटों की संख्या इतनी अधिक होने के कारण मशीनों ने काम करना बंद कर दिया। बौध डिस्टिलरीज के अलावा आयकर -शेष पृष्ठ दो पर

एक ही परिवार के चार लोगों ने की सामूहिक आत्महत्या

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में वाराणसी के दशाश्वमेध थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक आश्रम में एक ही परिवार के चार सदस्यों ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। पुलिस सूत्रों ने बताया कि देवनाथपुरा इलाके में स्थित आंध्रा आश्रम में एक दंपति और उनके दो बेटों ने आत्महत्या कर ली। आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी के रहने वाले 50 वर्षीय कोंड, उनकी पत्नी लवाडिया और उनके दो बेटे राजेश और जय राज ने काशी भवन की तीसरी मंजिल -शेष पृष्ठ दो पर

संविधान के प्रति लोगों को जागरुक कर रही है सरकार : कोविंद

नई दिल्ली (हि.स.)। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि देश के हर नागरिक को संविधान के बारे में पर्याप्त जानकारी होनी चाहिए। वर्तमान सरकार के प्रयासों से लोग संविधान के प्रति जागरुक हो रहे हैं। कोविंद ने गुरुवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) में *नए भारत का सामवेद* पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश के लोग जब संविधान को जानेंगे तो उन्हें यह अहसास होगा कि संविधान की रचना करने वालों ने कैसे समाज के हर व्यक्ति की चिंता की थी। हमारा संविधान जागृत संविधान है। इसमें जरूरी संशोधन की व्यवस्था की गई है। धारा 370 को खत्म किया जाना इसका उदाहरण है। आईजीएनसीए के समवेत सभागार में -शेष पृष्ठ दो पर

जासूसी : छह महीने से लापता पूर्व चीनी विदेश मंत्री की मौत

बीजिंग। चीन में तानाशाही चरम पर है। वहां पर कई अधिकारी और मंत्री गायब हो चुके है। शी को जिस से खतरा मेहसूस होता है वह उन्हें गायब करवा देते हैं। चीन के पूर्व विदेश मंत्री किन गैंग के गायब होने के बाद चीन के पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू के साथ कई और हाई प्रोफाइल ऑफिशियल्स गायब हो चुके हैं। किन गैंग को लेकर कई बार चीनी सरकार पर आरोप लगा कि उन्हें मरवा डाला गया है। किन गैंग पर अमेरिका की जासूसी करने का भी आरोप लगाया गया था। अब यह पुष्टी की जा रही है कि टॉर्चर करके किन गैंग को मार डाला गया है और इसे सुसाइड का मुखौटा पहना दिया गया है। आखिर इनकी मौत कैसे हुई उसे लेकर अभी कुछ भी साफ नहीं है।

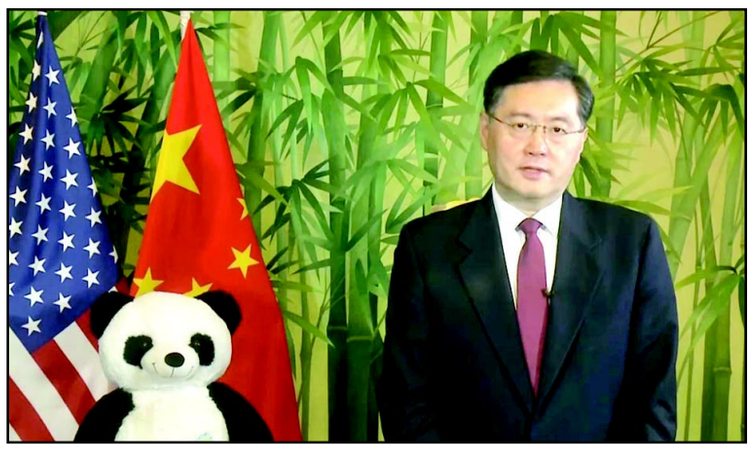

चीन के पूर्व विदेश मंत्री किन गैंग जिन्हें जुलाई में उनके पद से हटा दिया गया था, उनकी कथित तौर पर आत्महत्या या यातना से मृत्यु हो गई है। पोलिटिको की एक रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष चीनी अधिकारियों तक पहुंच रखने वाले दो लोगों ने दावा किया है कि जुलाई के अंत में बीजिंग के एक सैन्य अस्पताल में किन की मृत्यु हो गई। कथित तौर पर यह अस्पताल देश के शीर्ष नेताओं का इलाज करता है। इससे पहले, वॉल स्ट्रीट जर्नल ने बताया था कि संयुक्त राज्य अमेरिका में राजदूत रहने के दौरान किन के विवाहेतर संबंध थे। इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि पूर्व विदेश मंत्री जांच में सहयोग कर रहे थे, जो इस बात पर -शेष पृष्ठ दो पर

गुस्साई पत्नी ने फैलाई बम की अफवाह, जांच में जुटी पुलिस

बेंगलुरु। बेंगलुरु में पति और पत्नी के बीच झगड़ा हुआ, जिसमें पति ने पत्नी का फोन तोड़ दिया। पत्नी इस बात से नाराज हो गई और इसका बदला लेने के लिए पति के मोबाइल नंबर से एक पुलिस अधिकारी को फर्जी बम की धमकी भरा संदेश भेज दिया। इस मामले में पुलिस ने अब 32 वर्षीय महिला (पत्नी) के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, पति को अपनी पत्नी के सोशल मीडिया वाले दोस्तों के बारे में पता चला। इस पर पति ने आपत्ति जताई और पत्नी का फोन तोड़ दिया। इससे महिला नाराज हो -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

जो दूसरों की भलाई करता है, वह अपनी भलाई अपने-आप कर लेता है। भलाई फल में नहीं, अपितु कर्म करने में ही है; क्योंकि शुभ कर्म करने का भाव ही अच्छा पुरस्कार है।

– सेनेका

न्यूज गैलरी

प्रेमिका से मिलने भारत पहुंचा प्रेमी, अब जेल में बिताएगा दो साल

जयपुर। राजस्थान में अनूपगढ़ अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने 23 वर्षीय एक युवक को दो साल की जेल की सजा सुनाई है। मोहम्मद अहमर नामक युवक पाकिस्तान के बहावलपुर का रहने वाला है। अहमर 4 दिसंबर, 2021 को अवैध तरीके से सीमा पार करते हुए श्रीगंगानगर जिले के अनूपगढ़ में पकड़ा गया था। उसने न्यायालय में बयान दिया कि वह भारत में रह रही अपनी महिला मित्र से -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

शपथ से पहले ही तेलंगाना में सीएम आवास के बाहर चला बुलडोजर

हैदरबाद। तेलंगाना को गुरुवार को नया मुख्यमंत्री मिल गया है। कांग्रेस के रेवंत रेड्डी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। रेवंत रेड्डी के इस शपथ के साथ ही दक्षिण भारत के दूसरे राज्य में कांग्रेस की सरकार बन गई। रेवंत रेड्डी ने मुख्यमंत्री बनने से पहले अपना वादा निभाया। शपथ लेने से पहले प्रगति भवन (सीएम आवास) के पास लगी बाड़ को बुलडोजरों की मदद से हटा दिया गया। जनता की पहुंच और यातायात की आवाजाही को आसान बनाने के लिए प्रगति भवन के सामने लगे लोहे के बैरिकेड हटा दिए गए हैं। विधायक दानासारी सीताक्का ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि प्रगति भवन में शेड और ग्रिल को हटा दिया गया। बता दें कि रेवंत रेड्डी ने कहा था कि प्रगति भवन (मुख्यमंत्री आवास) के द्वार जनता के लिए खुले रहेंगे। इसका नाम बदलकर डॉ. बीआर अंबेडकर प्रजा भवन रखा जाएगा। प्रगति भवन के निर्माण पर कुल खर्च लगभग 50 करोड़ रुपए है। 2022 में एक आरटीआई से ये खुलासा हुआ था। प्रगति भवन राज्य के मुख्यमंत्री का आधिकारिक निवास है। के. चंद्रशेखर राव ने मुख्यमंत्री रहते 2016 में शहर के मध्य में यह इमारत बनवाई थी। इसे ऑफिसर्स कॉलोनी में 10 आईएएस अधिकारियों

के क्वार्टर और 24 चपरासी क्वार्टरों को ध्वस्त करने के बाद बनाया गया था। नौ एकड़ भूमि पर बने इस कॉम्प्लेक्स की लागत वित्तीय वर्ष 2016-2017 के दौरान 45,91,00,000 रुपए थी। प्रगति भवन में पांच इमारत हैं। इसमें निवास, मुख्यमंत्री कार्यालय, जनहिता (बैठक कक्ष), पुराना मुख्यमंत्री निवास और कैंप कार्यालय हैं। शपथ ग्रहण समारोह में सोनिया, राहुल और प्रियंका गांधी शामिल हुए। हैदराबाद एयरपोर्ट पर रेवंत रेड्डी खुद सोनिया-राहुल और प्रियंका की अगुवानी करने पहुंचे। तेलंगाना में कांग्रेस की पहली सरकार के शपथ समारोह में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार समेत कई नेता शामिल हुए। महबूबनगर जिले के कोंडारेड्डी पल्ली से आने वाले 54 साल के रेवंत का पूरा नाम अनुमुला रेवंत रेड्डी है। उस्मानिया यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट रेवंत ने राजनीति की शुरुआत भाजपा की स्टूडेंट विंग एबीवीपी से की थी। 2007 में निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर आंध्र प्रदेश विधान परिषद के सदस्य भी चुने गए। 2009 में चंद्रबाबू नायडू के कहने पर तेलुगु देशम पार्टी में शामिल हुए थे। 2017 में टीडीपी का साथ छोड़ कर रेवंत रेड्डी कांग्रेस में शामिल हुए। 2019 में मल्काजगिरी सीट से पहली बार सांसद बने। जून 2021 में कांग्रेस हाईकमान ने उन्हें सीनियर नेता एन। उत्तम रेड्डी की जगह तेलंगाना की कमान सौंपी। बतौर कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने विधानसभा चुनाव में बीआरएस को मात देते हुए पार्टी को तेलंगाना में सत्ता तक पहुंचाने में कामयाब हुए।

दिग्विजय के नेतृत्व में अनेकों ने थामा जेजेपी का दामन

सिरसा (हिंस)। गुरुवार को युवा जेजेपी के जिला उपप्रधान संदीप खैरेकां के प्रयासों से अनेक लोगों ने जेजेपी के प्रधान महासचिव दिग्विजय सिंह चौटाला के नेतृत्व में पार्टी का दामन थामा। गांव छतरियां में आयोजित एक कार्यक्रम में जेजेपी परिवार में शामिल होने वालों में संपत, कमल, पवन, राजू, वेदपाल, महेंद्र, जस्वंत, कृष्ण, विनोद, प्रियांशु, गगन, राकेश सहित धामु परिवार के अनेक लोग शामिल थे। इन सभी को जेजेपी परिवार में पार्टी ध्वज देकर शामिल करते हुए दिग्विजय चौटाला ने उनका अभिनंदन किया। शुक्रवार 8 दिसंबर को डबवाली में पार्टी की होने वाली सिरसा संसदीय क्षेत्र की नवसंकल्प रैली के लिए ज्यादा से ज्यादा लोगों को न्यौता देने का आह्वान किया। सभी ने जेजेपी नेता दिग्विजय सिंह चौटाला को भरोसा दिलाया कि वे पार्टी की नीतियों का ज्यादा से ज्यादा प्रचार कर पार्टी को पहले से भी ज्यादा मजबूत बनाएंगे। इस अवसर पर युवा जेजेपी के जिलाध्यक्ष रणदीप सिंह मटदादू, हलका प्रधान प्रगट सिंह भीमा, बलकरण सिंह भंगु, निर्मल सिंह मलड़ी व संदीप खैरेकां मु य रूप से मौजूद थे।

मौत की सजा पाए पूर्व नौसेनिकों से भारतीय राजदूत ने की मुलाकात

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय राजदूत ने कतर में मौत की सजा पाए 8 पूर्व नौसेनिकों से 03 दिसंबर को मुलाकात की। भारत सरकार पूरे मामले पर बारीकी से नजर रख रही है और उन्हें सभी कानूनी एवं राजनयिक सहायता प्रदान कर रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने गुरुवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में बताया कि आठ भारतीयों के खिलाफ मामले में दो सुनवाई हो चुकी है और मौत की सजा के खिलाफ अपील पहले ही दायर की जा चुकी है। मामला संवेदनशील है। हम हर संभव प्रयास कर रहें हैं। मामले में साझा करने के लिए जो भी होगा उसे बताया जाएगा। पूर्व नौसेनिकों को 26 अक्तूबर को कतर की एक अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी। भारत ने फैसले को चौंकाने वाला बताया था और सभी कानूनी विकल्प तलाशने की प्रतिबद्धता दर्शाई थी। नौसेनिक कतर के सशस्त्र बलों को सेवाएं देने वाली कंपनी अल दहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजीज के कर्मचारी हैं। पिछले साल अगस्त में उन्हें हिरासत में लिया गया था। उनपर जासूसी का आरोप लगाया गया है।

गोगामेडी हत्याकांड में हत्यारों पर पांच लाख रुपए का इनाम घोषित

जयपुर (हिंस)। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा के निर्देश पर राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेडी हत्याकांड के दो आरोपियों पर पांच-पांच लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया है। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय से गुरुवार को आदेश जारी किए गए हैं। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अपराध दिनेश एमएन की ओर से जारी किए गए आदेश के अनुसार आरोपी रोहित सिंह राठौड़ निवासी गांव जूसरिया मकराना जिला नागौर हाल चांद बिहारी जसवन्त नगर जयपुर एवं नितिन फौजी निवासी गांव डूंगराजाट, जिला महेन्द्रगढ़ हरियाणा के विरुद्ध बहुचर्चित सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड का मामला श्यामनगर थाने में दर्ज हुआ है। दोनों आरोपी अपनी उपस्थिति छुपाते हुए फरार चल रहे हैं। इनकी गिरफ्तारी के लिए आस-पास के जिलों व राज्यों में संभावित स्थानों पर तलाश की गई।

इंडिया की अगली मीटिंग के एजंडे में शीर्ष पर होगा सीट बंटवारे का मुद्दा

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) की अगली बैठक के एजंडे में अगले लोकसभा चुनाव के लिए घटक दलों के बीच सीटों के तालमेल का मुद्दा शीर्ष पर होगा। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इंडिया गठबंधन की अगली बैठक 17 से 20 दिसंबर के बीच होगी। सूत्रों के मुताबिक, बैठक की तारीख अभी तय नहीं हुई है, लेकिन बैठक दिसंबर के तीसरे हफ्ते में होगी। इंडिया गठबंधन के कई घटक विभिन्न राज्यों में सीट बंटवारे पर तेजी से निर्णय लेने के लिए दबाव डाल रहे हैं ताकि उम्मीदवारों को प्रचार के लिए पर्याप्त समय मिल सके और जमीनी स्तर पर स्थिति का आकलन किया जा सके। इंडिया के 17 घटक दलों के संसदीय दल के नेताओं ने बुधवार को यहां बैठक की थी जिसमें संसद के वर्तमान शीतकालीन सत्र से जुड़े मुद्दों और 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आगे की रणनीति पर चर्चा की गई। कांग्रेस का कहना है कि गठबंधन के घटक दलों के प्रमुख नेताओं की बैठक की तारीख के बारे में एक-दो दिन में घोषणा की जाएगी। अगले लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का मुकाबला करने के लिए 26 विपक्षी दलों ने इंडिया गठबंधन बनाया है।

शख्स देख आया 3000 साल आगे की दुनिया, सबूत भी पेश किए

नई दिल्ली। अक्सर लोग अपना भविष्य जानने के लिए ज्योतिषियों के पास जाते हैं ताकि अगर उनकी जिंदगी में कोई बुरा वक्त आने वाला है तो उसका समाधान निकाला जा सके। लेकिन साइंस टैक्नालॉजी के इस आधुनिक दौर में खुद को टाइम ट्रैवलर बताने वाले कुछ लोगों का दावा है कि वे सैकड़ों साल आगे की यात्रा कर आए हैं और बता सकते हैं कि भविष्य में दुनिया का रूप कैसा हो जाएगा। मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक ऐसा ही दावा खुद को टाइम ट्रैवलर बताने वाले एडवर्ड नामक शख्स ने किया है जो कि 3000 साल आगे की दुनिया को देख आया है और उसके पास सबूत भी है कि भविष्य में धरती कैसी दिखेगी। उसका यह दावा इन दिनों खूब वायरल भी हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक एडवर्ड का दावा है कि वह 3000 साल पहले की दुनिया देखकर लौटा है। अभी 2023 चल रहा है, लेकिन उसने वर्ष 5000 में धरती कैसी होगी, यह देख लिया है। वह हाथ में

एक तस्वीर लिए दावा कर रहा है कि उसके पास इसके फोटोग्राफिक सबूत भी मौजूद हैं। इस फोटो में एक शहर पानी के अंदर डूबा हुआ नजर आ रहा है। दावा किया जा रहा कि यह शहर अमेरिका का लॉस एंजिल्स है, जो 3,000 साल बाद कुछ पानी में नजर आएगा जबकि कुछ और शहर भी इसी तरह दिखेंगे। हालांकि एडवर्ड ने अपनी असली पहचान नहीं बताई। उसने मीडिया के सामने अपना चेहरा भी नहीं दिखाना चाहता है क्योंकि वह अपनी पहचान उजागर नहीं करना चाहता। उसने दावा किया है कि टाइम ट्रैवल दौरान जब उसे 2024 के एक गुप्त अभियान के तहत इस काम में लगाया गया तो उस वक्त वह एक प्रयोगशाला में काम कर रहा था। लौटते समय उसने यह साक्ष्य इकट्ठा कर लिए और अपने साथ लेकर आ गया। एडवर्ड ने जो तस्वीर शेयर की, माना जा रहा कि आर्मेनिया के एक पार्क की है। उसने बताया, तब मैं एक विशाल लकड़ी के मंच पर खड़ा था तो सारे घर-इमारतें लकड़ी से बने थे, लेकिन पूरा शहर पानी के नीचे था। सिर्फ यही शहर नहीं, बल्कि दुनिया के कई और शहर भी इसी तरह पानी में डूब जाएंगे। एडवर्ड का दावा है कि जब ग्लोबल वार्मिंग के कारण बर्फ की परतें पिघल जाएंगी तो मनुष्य पानी के नीचे रहने को मजबूर हो जाएंगे। इससे पहले नोआ नाम के शख्स ने भी टाइम ट्रैवल को लेकर चौंकाने वाला दावा किया था कि वह 2030 से लौटकर आया है।

पृष्ठ एक का शेष

हम अवैध प्रवासियों ...

हमारी सीमा अभेद्य हो ? हम जानना चाहते हैं कि अवैध आप्रवासन के खिलाफ अब क्या किया जा रहा है, जो न केवल जनसांख्यिकी को बदलने के बारे में है बल्कि उपलब्ध संसाधनों पर भी बोझ है कि । मामले में प्रतिवादी पक्ष की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने संकेत दिया कि धारा 6ए जैसी विधायी नीतियों ने समस्याएं पैदा कीं। उन्होंने कहा कि यह *हम बनाम अन्य* बन जाता है। अदालत ने केंद्र से पूछा कि धारा 6ए, जो अवैध प्रवासियों को भारतीय नागरिकता का लाभ देती है, केवल असम में ही क्यों लागू की गई, पश्चिम बंगाल में क्यों नहीं, जिसकी सीमा का एक बड़ा हिस्सा बांग्लादेश के साथ साझा करता है। आपने असम को क्यों चुना ? क्या आपके पास यह दिखाने के लिए कोई ठोस डेटा है कि पश्चिम बंगाल में अवैध आप्रवासन असम की तुलना में न्यूनतम था, इसलिए आपने पूर्व राज्य को अकेला छोड़ दिया... संभवत: पश्चिम बंगाल में अवैध आप्रवासन की सीमा असम की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण रही होगी, प्रमुख न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने केंद्र और असम राज्य की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को संबोधित किया। अदालत ने सरकार से 25 मार्च, 1971 के बाद सीमा के पश्चिम बंगाल हिस्से में हुए अवैध अप्रवास के बारे में विवरण देने को कहा। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि किसी विदेशी देश से अवैध आप्रवासन के कारण जनसांख्यिकीय परिवर्तन और स्थानीय सांस्कृतिक पहचान के विनाश की शिकायतों की तुलना एक राज्य के लोगों की शिकायतों से नहीं की जा सकती है कि देश के भीतर दूसरे राज्य के प्रवासी कैसे अपनी संस्कृति बदल रहे हैं। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने स्पष्ट किया कि आईटी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अंतर-राज्य प्रवासन हो रहा है। लोग यह नहीं कह सकते कि इसके कारण हमारी संस्कृति बदली जा रही है। भारत एक इकाई है. किसी एक राज्य के लोग यह नहीं कह सकते कि दूसरे राज्य से आने वाले लोगों के कारण हमारी संस्कृति प्रभावित हो रही है।

सरकार राज्य को...

सफलता असम के लिए बिल्कुल गर्व की बात है। प्रवक्ता ने यह भी कहा है कि डॉ हिमंत विश्व शर्मा की सरकार के तहत राज्य में अपराधों के खिलाफ अपनाए गए सख्त विनियमन और प्रशासन की व्यवस्थित निगरानी के कारण अपराध दर को नियंत्रित करने में यह सफलता मिली है। उन्होंने यह भी बताया कि असम से भू-माफिया को खत्म करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम भी काफी सराहनीय हैं। अंत में मुख्यमंत्री ने स्वयं कामरूप (मेट्रो) जिले के जिला आयुक्त कार्यालय का दौरा किया और भूमि से संबंधित दस्तावेजों के रिकॉर्ड की जांच की। मुख्यमंत्री ने हर जिले के जिला आयुक्तों को दखल जमीन और जमीन बिक्री को लेकर फर्जीवाड़े के खिलाफ सख्त कदम उठाने का आदेश दिया है। प्रवक्ता ने कहा कि भूमि बिक्री के दौरान जालसाजी के खिलाफ डॉ हिमंत विश्व शर्मा के कदम, जो दलालों द्वारा आम जनता की मेहनत की कमाई का गबन करते हैं, समाज से ऐसे दलालों के उन्मूलन का एक स्पष्ट संदेश है।

भूमि दस्तावेजों जालसाजी...

संबंध में एक वकील और सरकारी कर्मचारियों सहित छह व्यक्तियों की हाल ही में गिरफ्तारियां की गईं। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने भूमि से संबंधित दस्तावेज रिकॉर्ड रूम का निरीक्षण करने के लिए कामरूप (मेट्रो) जिला आयुक्त कार्यालय का दौरा किया। सीएम ने जिला आयुक्त और सर्कल अधिकारियों को बेईमान तत्वों द्वारा किए जा रहे सभी भूमि संबंधी घोटालों को समाप्त करने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उनके कार्यालयों के भीतर। उन्होंने उन अधिकारियों को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी जो उनके निर्देशों का पालन करने में विफल रहे। सीएम शर्मा ने जमीन दलालों और दलालों के बीच सांठगांठ को तोड़ने की जरूरत पर जोर दिया, जो कुछ सरकारी अधिकारियों के साथ मिलकर वास्तविक मालिकों से जबरदस्ती जमीन हड़प लेते हैं। उन्होंने इस स्थिति को *सरकार पर एक धब्बा* बताया और कहा कि वह इसके लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे।

पुलिस एनकाउंटर : हत्या ...

कोशिश की। पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन जब वह नहीं रुका तो मजबूरन पुलिस ने गोलियां चलाईं। पुलिस की फायरिंग में शंभू के बाएं पैर में गोली लगी। गोली लगने से शंभू गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने तुरंत उसे गिरफ्तार कर इलाज के लिए कोकराझाड़ आरएनबी अस्पताल भर्ती कराया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। उधर आधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि रिटायर इंजीनियर की हत्या के मुख्य आरोपी को पिछले सप्ताह पश्चिम बंगाल के कूच बिहार से गिरफ्तार किया गया था और फिर उसे कोकराझाड़ पुलिस स्टेशन लाया गया था। 29 नवंबर को हुई इस घटना में इंजीनियर की पत्नी भी घायल हो गई थी। बकौल अधिकारी, हत्या के मुख्य आरोपी ने बीती रात अमगुरी के पास एक तलाशी अभियान के दौरान पुलिस हिरासत से भागने की उस वक्त कोशिश की जब वारदात में इस्तेमाल तेज धार हथियार को बरामद करने के लिए इलाके में ले जाया गया था। हालांकि, पुलिस टीम ने आरोपी को रुकने के लिए कहा कि लेकिन वह रुका नहीं। ऐसे में उन्होंने आरोपी के पैर को निशाना बनाते हुए एक राउंड गोली दागी। बता दें कि तलाशी अभियान के दौरान भागने की कोशिश कर रहा हत्या का आरोपी फिलहाल आरबी सिविल अस्पताल में एडमिट है और उसका इलाज चल रहा है।

मेरे नाम के साथ ना...

किया और उनमें से केवल सात में जीत दर्ज कर सकी। मोदी ने कहा कि भाजपा के लिए ये आंकड़े 39 बार में 22 है, यानी सफलता दर 56 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस से बेहतर प्रदर्शन किया है, लेकिन वे भाजपा से बेहतर नहीं कर सके क्योंकि उन्होंने सत्ता में रहते हुए 36 में से 18 बार जीत हासिल की और उनकी सफलता दर 50 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि यह दिखाता है कि भाजपा सरकार चलाने के लिए सबसे पसंदीदा पार्टी है। प्रधानमंत्री ने दोहराया कि उनके लिए चार सबसे बड़ी *जातियां* गरीब, युवा, महिलाएं और किसान हैं और पार्टी नेताओं को उनके विकास के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने सांसदों से *विकसित भारत संकल्प यात्रा* में हिस्सा लेने को कहा जिसका उद्देश्य विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आखिरी व्यक्ति तक पहुंचाना है। इससे पहले, संसदीय दल की बैठक में, हाल में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में पार्टी के शानदार प्रदर्शन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जोरदार स्वागत किया गया। विधानसभा चुनावों में भाजपा ने मध्य प्रदेश में अपनी सत्ता बरकरार रखी, वहीं कांग्रेस को राजस्थान और छत्तीसगढ़ की सत्ता से बाहर कर दिया। तेलंगाना में भी भाजपा ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। संसद भवन परिसर में, इस बैठक में प्रधानमंत्री के पहुंचते ही भाजपा सांसदों ने खड़े होकर तालियां बजाईं और *स्वागत है भाई स्वागत है, मोदी जी का स्वागत है* के नारे लगाए। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच प्रधानमंत्री को माला पहनाकर उनका स्वागत किया। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल सहित कई केंद्रीय मंत्री और पार्टी के सांसद मौजूद थे। भाजपा संसदीय दल की बैठक में पार्टी के सभी लोकसभा सदस्य और राज्यसभा सदस्य शामिल होते हैं। अमूमन यह बैठक सत्र के दौरान प्रत्येक मंगलवार को होती है लेकिन इस सप्ताह मंगलवार को यह बैठक नहीं हो सकी थी। बैठकों में मोदी सहित भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेता संसदीय एजेंडे और पार्टी के संगठनात्मक एवं राजनीतिक अभियानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखते हैं।

मोदी के कारण ...

के कार्यों का रिफलेक्शन है। उन्होंने पूर्वोत्तर के लिए बात करते हुए कहा कि 2014 के बाद पूर्वोत्तर में डबलपमेंट हुआ है। नॉर्थ ईस्ट में हर जगह एयरपोर्ट और रेलवे व हाईवे बन गए है। उन्होंने बताया कि टांस्पोर्ट कम्युनिकेशन में नॉर्थ ईस्ट बॉटम नेक था लेकिन अब डबलपमेंट हो गया है। अब इतिहास की बात है कि पूर्वोत्तर में सुविधाओं का अभाव है। पेमा खांडू अरुणाचल के आईएएस शरद चौहान की बेटी की शादी में हिस्सा लेने जोधपुर पहुंचे। 1994 बैच के आईएएस अधिकारी डॉ. चौहान अरूणाचल प्रदेश सरकार में स्वास्थ्य व परिवार कल्याण विभाग के प्रधान सचिव रहे हैं। वे जोधपुर के सरदार क्लब में अपनी बेटी की शादी कर रहे है। पेमा खांडू शादी में शिरकत के बाद रवाना होंगे।

ओडिशा में इनकम...

विभाग ने झाड़खंड के एक प्रसिद्ध उद्योगपति और कारोबारी रामचंद्र रूंगटा के ठिकानों पर भी रेड मारी है। उनके रामगढ़, रांची और अन्य स्थानों पर स्थित आवास और प्रतिष्ठानों में आयकर विभाग का छापा सुबह से चल रहा है। खबरों की मानें तो रामचंद्र रुंगटा के रामगढ़ और रांची में स्थित कई ठिकानों पर सर्वे चल रहा है। आयकर विभाग की 6 टीमें इन परिसरों की जांच में जुटी हैं। आईटी टीम के साथ सीआईएसएफ के जवान भी शामिल हैं। रामगढ़ जिला के कई स्थानों पर स्थित फैक्ट्री और आवास में जांच चल रही है। बता दें कि बुधवार को कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू के पांच व्यावसायिक और आवासीय स्थान पर इनकम टैक्स की टीम ने छापेमारी की थी। लोहरदगा में साहू परिवार का कोई भी सदस्य मौजूद नहीं है लेकिन मुख्य द्वार को बंद कर एक-एक कागजात की जांच की थी। इनकम टैक्स ओडिशा की टीम ने लोहरदगा के साथ-साथ रांची और ओडिशा के बलांगीर, संबलपुर और कालाहांडी में भी सर्वे शुरू किया है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 2019 में इनकम टैक्स का सर्वे राज्यसभा सांसद के यहां हो चुका है।

एक ही परिवार...

पर अपने कमरे की छत से रस्सी की मदद से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि परिवार तीन दिसंबर को वाराणसी पहुंचा थे और आज उन्हें वापस आंध्र प्रदेश के लिए निकलना था। उन्होंने बुधवार को आश्रम से अपने कमरों से चेकआउट भी किया था। आज सुबह आश्रम के कर्मचारियों ने उनके शव देखे और पुलिस को सूचित किया। पुलिस फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची और सर्च ऑपरेशन जारी रखा। पुलिस आत्महत्या के कारणों की पड़ताल कर रही है। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने चारों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

संविधान के प्रति ...

प्रभात प्रकाशन द्वारा प्रकाशित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संविधान से जुड़े उद्बोधन के संकलन के विषय में आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने बताया कि *नए भारत का सामवेद* नामक पुस्तक प्रधानमंत्री मोदी के संविधान पर दिए गए भाषणों का एक संकलित पुस्तक है। इसमें जो भी कंटेंट है वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वेबसाइट से लिया गया है। इसमें कोई भी संपादन नहीं किया गया है। लोकार्पण अवसर पर केंद्रीय संस्कृति एवं विदेश राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी ने अपने वक्तव्य में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी डॉ. भीमराव अंबेडकर के सपनों को पूरा कर रहे हैं। उन्होंने संविधान को एक किताब से बाहर निकालकर जमीन पर उतारने का काम किया है। आजादी के बाद जो सरकार बनीं उसने बाबा साहेब के सिद्धांतों को दरकिनार कर दिया। कुछ लोग बाबा साहेब के नाम पर मुख्यमंत्री भी बन गए लेकिन वह उनके सिद्धांतों पर चल नहीं सके। लेकिन आज मोदी सरकार बिना भेदभाव किए समाज निर्माण में जुटी है। सरकार के जिम्मेदार लोग अपने कर्तव्यों के पालन में जुटे हैं। यह समझना होगा कि जब हम अपने कर्तव्य का पालन करते हैं तो किसी के अधिकारों की पूर्ति भी होती है। वरिष्ठ पत्रकार व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष रामबहादुर राय ने इस अवसर पर कहा प्रधानमंत्री मोदी ने संविधान और बाबा साहेब के वनवास को खत्म करने का काम किया है। वह एक मननशील प्रधानमंत्री हैं। कोई मननशील प्रधानमंत्री ही संविधान दिवस की घोषणा कर सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2015 में 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। यह कोई छोटी घटना नहीं है। प्रधानमंत्री के प्रयासों से लोगों में संविधान के प्रति जागरूकता बढ़ी है। प्रधानमंत्री मोदी यशस्वी प्रधानमंत्री तो हैं ही, साथ ही वह एक मननशील प्रधानमंत्री भी है।

जासूसी : छह महीने...

केंद्रित था कि क्या मामले या किन के आचरण ने चीन की राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि वरिष्ठ चीनी अधिकारियों को बताया गया कि आंतरिक कम्युनिस्ट पार्टी की जांच में पाया गया कि संयुक्त राज्य अमेरिका में चीन के राजदूत के रूप में अपने पूरे कार्यकाल के दौरान किन इस मामले में संलिप्त थे। दो सूत्रों ने अखबार को बताया कि इस मामले के परिणामस्वरूप संयुक्त राज्य अमेरिका में एक बच्चे का जन्म हुआ। इसके अलावा, जुलाई में, नौकरी में बमुश्किल आधे साल के लिए कर्तव्यों से एक महीने की रहस्यमय अनुपस्थिति के बाद किन को विदेश मंत्री के रूप में अनुभवी राजनयिक वांग यी द्वारा प्रतिस्थापित किया गया था। वह जुलाई 2021 से इस साल जनवरी तक वाशिंगटन में चीन के शीर्ष दूत थे। पूर्व विदेश मंत्री मई में गोवा में हुई एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी शामिल हुए थे। उन्हें अंतिम बार 25 जून को रूसी, श्रीलंका और वियतनामी अफसरों के साथ बैठक में देखे गए थे। इसके बाद से सार्वजनिक कार्यक्रमों में नहीं दिखे। ईंट का जवाब पत्थर से देने वाले कूटनीतिज्ञ के रूप में मशहूर क्विन गेंग दिसंबर 2022 में चीन के विदेश मंत्री बने थे। गेंग ने 10 साल तक विदेश मंत्री रहे वांग यी का स्थान लिया था। हालांकि ऐसा माना जाता है कि उन्होंने चीन के अपनाए गए *वुल्फ वॉरियर* वाले डिप्लोमेटिक स्टाइल से खुद को अलग कर लिया था। इसकी वजह कम्युनिस्ट सरकार के नेतृत्व से उनकी नाराजगी है।

गुस्साई पत्नी ने ...

गई और उसने बदला लेने की ठानी। महिला ने ये बात बिहार के रहने वाले पुरुष मित्र को बताई, तो महिला के मित्र ने एक अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर महिला के पति को फंसाने की योजना बनाई। इसी बीच महिला को अपने पति का फोन मिला तो उसके दोस्त ने महिला को एक बम की धमकी भरा संदेश भेजने की योजना बताई, जिसके बाद महिला ने ऐसा ही किया। महिला ने अपने दोस्त के कहने पर तीन दिसंबर को अपने पति के फोन से एक पुलिस अधिकारी को बम की झूठी धमकी भेज दी, जिसमें दावा किया गया कि शहर में कई सारे आरडीएक्स बम धमाके किए जाएंगे। इसके बाद पत्नी ने अपने पति के नंबर से मैसेज हिस्ट्री को डिलीट कर दी, ताकि पति को पता नहीं चल सके। इस मामले में पुलिस ने पत्नी को हिरासत में लिया और पूछताछ में महिला ने पूरी बात दी। महिला ने कबूल किया कि उसने अपने पति से उसका फोन तोड़ने का बदला लेने के लिए धमकी भरा संदेश भेजा था। इस मामले में पुलिस ने महिला और उसके दोस्तों पर आईपीसी के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज है। पुलिस ने बताया कि आगे की जांच चल रही है।

प्रेमिका से मिलने ...

मिलने के लिए सीमा पार कर के आया था। अहमर ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की शेरपुरा पोस्ट से भारत में घुसने का प्रयास किया था। बीएसएफ के जवानों ने उसे पकड़ कर अनूपगढ़ पुलिस के हवाले कर दिया था। पूछताछ के बाद उसे 5 जनवरी, 2022 को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया था। तब से वह जेल में बंद था। बुधवार को पुलिस ने उसे अनूपगढ़ अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सोनिया पूर्वा के सामने पेश किया गया। मजिस्ट्रेट ने उसे दो साल की जेल और 11 हजार रुपए की जुर्माने की सजा सुनाई। अहमर ने न्यायालय में बताया कि वह पाकिस्तान में मजदूरी करता था। इंटरनेट मीडिया पर उसकी भारत की एक लड़की से दोस्ती हुई। वह उस लड़की से प्यार करने लगा और दोनों के बीच इंटरनेट मीडिया पर बातचीत होती थी। उसपर प्यार का जुनून इतना सवार हो गया कि वह अवैध तरीके से सीमा पार कर भारत में आ रहा था कि बीएसएफ के जवानों ने पकड़ लिया। उसके पास पुलिस और बीएसएफ की जांच में ट्रैकिंग बैग, मोबाइल फोन और 220 यूएई करेंसी मिली थी, लेकिन अहमर के पास कोई संदिग्ध सामग्री नहीं मिली थी।

साहित्यकारों को सरकार देगी साहित्यिक पेंशन

गुवाहाटी (हिंस)। असमिया भाषा के विख्यात साहित्यकार डॉ. होमेन बरगोहाईं की 92वीं जयंती के उपलक्ष्य पर असम सरकार द्वारा आज राज्य के 23 साहित्यकारों को साहित्यिक पेंशन देने की घोषणा की गई। राजधानी दिसपुर जनता भवन स्थित लोक सेवा भवन में एक समारोह के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने इस आशय की घोषणा की। उन्होंने कहा कि डॉ. होमेन बरगोहाईं के साहित्यिक अवदानों और उनके द्वारा कलम से असम को समृद्ध बनाने के कार्यों को जीवंत बनाए रखने के लिए सरकार ने साहित्यिक पेंशन देने की घोषणा की है। यह पेंशन राज्य के अलग-अलग जिले के 23 साहित्यकारों को आज प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले असम में सिर्फ असमिया भाषा में साहित्यिक रचना करने वाले साहित्यकारों को साहित्यिक पेंशन की सुविधा दी जाती थी। लेकिन, इस सरकार ने सभी जनजातीय भाषाओं में साहित्य की रचना करने वाले साहित्यकारों को साहित्यिक पेंशन देने के लिए आगे बढ़ी है। उन्होंने कहा कि असम विभिन्न जाति-जनजाति से समृद्ध राज्य है। यहां जनजातियों के साहित्य को समाहित किए बिना वृहत्तर असमिया साहित्य की कल्पना नहीं की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा विभाग इस दिशा में कार्य कर रहा है कि अलग-अलग जनजातीय भाषाओं को शिक्षा का माध्यम बनाया जाए। इस वर्ष से यह योजना शुरू की जाएगी। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने इस पूरे संदर्भ में विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला।

गुवाहाटी के तीन प्रतिष्ठानों पर आयकर का छापा

गुवाहाटी (हिंस)। आयकर विभाग ने आज गुवाहाटी में तीन कारोबारियों के घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर छापे मारे। आयकर विभाग ने कारोबारी कैलाश काबरा, रोहित देवरा और विजय जसरासरिया के घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की। आयकर विभाग ने कर चोरी के खिलाफ यह अभियान चलाया है।

नगांव में एक युवक का शव बरामद

नगांव (हिंस)। नगांव में एक युवक का शव बरामद किया गया। पुलिस ने आज बताया कि यह शव नगांव रेंगबेंग के पास एक छोटे से खेत में मिला है। मिली जानकारी के अनुसार शव की पहचान जमुनामुख डेकेरुवा के नूरुल अमीन बशर के रूप में हुई है। मृतक के परिवार के सदस्यों को संदेह है कि कुछ बदमाशों ने उसकी हत्या कर दी और उसे फेंक दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

लिंग आधारित हिंसा उन्मूलन पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के वेस्ट सियांग जिला के महिला एवं बाल विकास विभाग, आलो ने आज आलो में *नई चेतना* के हिस्से के रूप में लिंग आधारित हिंसा के उन्मूलन और महिलाओं और लड़कियों के अधिकार और अधिकार के बारे में जागरूकता बढ़ाने के संबंध में कार्यक्रम आयोजित किया वेस्ट सियांग जिले के केंद्र प्रशासक (ओसीएस) लियुम पाडु ने घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम, 2013, घरेलू घटना रिपोर्ट (वन स्टॉप सेंटर), आपातकालीन प्रतिक्रिया, महिला हेल्पलाइन (112), लिंग संसाधन केंद्र के बीच संबंध स्थापित करना विषयों पर लोगों को जागरुक किया गया। डेगे कामकी, संरक्षण अधिकारी (डीसीपीयू) ने यौन अपराध से बच्चों की रोकथाम अधिनियम 2012 और पीड़ित मुआवजे आदि के साथ सीआरपीसी के तहत विशेष अधिकारों, बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 और चाइल्ड लाइन (1098) पर जागरूकता प्रदान कि हैं। डैगबॉम रीबा, जिला समन्वयक (एमएसके) हब फॉर एम्पावरमेंट, शक्ति शेडन, सखी निवास पर जानकारी दी। कार्यक्रम में एनजीओ, एपीडब्ल्यूडब्ल्यूएस, पर्यवेक्षक, ग्राम सेविका, आईसीडीएस परियोजना, वेस्ट सियांग जिला, आलो से लगभग 60 सदस्यों ने भाग लिया।

गुवाहाटी में भूकंप के झटके, किसी प्रकार का नुकसान नहीं

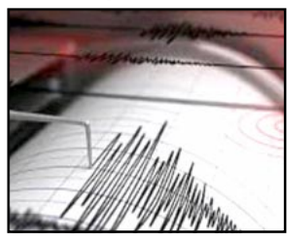

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में गुरुवार तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, सुबह 5.42 बजे 3.5 रिक्टर तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता काफी कम होने के कारण कोई नुकसान नहीं हुआ। एनसीएस की रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप का केंद्र गुवाहाटी के उत्तर-पूर्व की ओर से 63 किलोमीटर दूर स्थित है। भूकंप 26.63 अक्षांश और 92.08 देशांतर पर स्थित 5 किमी की गहराई में था।

असम राजभवन में मनाया गया सशस्त्र सेना झंडा दिवस

गुवाहाटी (हिंस)। आज प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी असम राजभवन में सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया गया। यह दिवस सशस्त्र बलों के उन कर्मियों को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया गया था, जो देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं और हमारे देश की क्षेत्रीय अखंडता को संरक्षित करते हैं। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने वीर नारियों, विकलांग सैनिकों, पूर्व सैनिकों और सेवारत सशस्त्र बल कर्मियों की सभा को संबोधित करते हुए हमारे बहादुर सैनिकों और पूर्व सैनिकों की वीरता और बलिदान की प्रशंसा की। उन्होंने सभी पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के कल्याण और पुनर्वास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की। राज्यपाल ने इच्छा व्यक्त की कि कृतज्ञ राष्ट्र के नागरिक के रूप में हमें उन बहादुर दिलों के परिवारों और आश्रितों की व्यापक देखभाल करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए, जिन्होंने हमारी मातृभूमि की सेवा में अपना जीवन लगा दिया। इस अवसर पर राज्यपाल ने एक दीवार और एक टेबल कैलेंडर जारी किया, जो राज्य में पूर्व सैनिक समुदाय के कल्याण, भलाई और पुनर्वास को प्रदर्शित करने वाले सैनिक कल्याण निदेशालय, असम की गतिविधियों पर प्रकाश डालता है।

श्री तोलियासर भैरव भक्त मंडल का 12वां वार्षिकोत्सव संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। श्री तोलियासर भैरव भक्त मंडल के तत्त्वावधान में श्री कालभैरव का जन्मोत्सव मंगलवार को विभिन्न कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मनाया गया। फैंसी बाजार के एमएस रोड स्थित तेरापंथ धर्मस्थल में इस अवसर पर काशी के राजा काशी के कोतवाल श्री कालभैरव का भव्य दरबार बैठाया गया, जिसमें फूलो द्वारा अलौकिक श्रृंगार किया गया। श्री कालभैरव के 12वां वार्षिक उत्सव का शुभारंभ भैरव बाबा की पूजा अर्चना व ज्योत प्रज्वलित कर की गई। तत्पश्चात भजन-कीर्तन के कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर आमंत्रित कलाकार विष्णु भोपा द्वारा बीण पर बाबा की प्रस्तुति दी गई। वहीं गायक ललित गुलगुलिया व स्थानीय गायकों ने भी अपने अपने भजनों के पुष्प दरबार में अर्पित किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्तों ने कालभैरव के दरबार में हाजिरी लगाई। समिति की ओर से कालभैरव को प्रसाद चढ़ाया गया। कार्यक्रम का समापन कालभैरव बाबा की महाआरती व प्रसाद वितरण के साथ हुआ। जन्मोत्सव को सफल बनाने में श्री तोलियासर भैरव भक्त मंडल के सभी सदस्यों का भरपुर सहयोग रहा।

पत्रकार पेंशन, मीडिया फेलोशिप सहित एककालीन राहत योजना को लेकर मुख्यमंत्री को सौंपे ज्ञापन

नागरबेड़ा (विभास)। असम प्रेस कॉरेस्पोंडेंट यूनियन (एएपीकेयू) ने आज राज्य के मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन सौंपकर राज्य में पत्रकार पेंशन, मीडिया फैलोशिप और पत्रकारों के लिए एकमुश्त राहत योजना को फिर से लागू करने की मांग की। केंद्रीय कमेटी की ओर से अध्यक्ष स्वपन कुमार राभा, कार्यकारी अध्यक्ष मौसमज्योति बैश्य, सचिव शरत शेनसोया और कामरूप जिला कमेटी की ओर से अध्यक्ष हाछानुल अहमद, सचिव निरेन चंद्र माली, सचिव द्वारा हस्ताक्षरित ज्ञापन में आपकू ने उल्लेख किया है कि राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने पत्रकारों के लिए पत्रकार पेंशन, मीडिया फैलोशिप और पत्रकारों को एकमुश्त सहायता आदि योजनाओं का लागु किया था। लेकिन दुर्भाग्य से, पत्रकारों की ये कल्याणकारी योजनाएं जो विभिन्न झटकों के साथ-साथ भयानक कोविड महामारी के दौरान अपने जीवन को महत्वहीन बनाकर सेवा कर रही हैं, उन्हें चालू वर्ष में लागू नहीं किया गया है। इसलिए, अपकु के केंद्रीय समिति के साथ-साथ जिला समिति ने पत्रकारों के कल्याण के लिए इन योजनाओं को फिर से लागू करने की व्यवस्था करने के लिए असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को आज उनके कार्यालय में अलग-अलग दो ज्ञापन सौंपे।

आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर कामाख्या धाम की मिट्टी व जल एकत्रित किए गए

गुवाहाटी। आज विश्व हिंदू परिषद के तत्वावधान में आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में मां कामाक्या धाम की पवित्र मिट्टी एवं जल को कलश में ग्रहण किया गया। इस कलश में मां कामाख्या धाम, महाबाहु ब्रह्मपुत्र एवं वशिष्ठ गंगा की मिट्टी एवं जल को अयोध्या भेजा जाएगा। कामाख्या देवालय के प्रमुख कविंद्र शर्मा सहित दोनों ने यह कलश विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं को सुबह 7 बजे सौंपा। इस शुभ अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के अखिल भारतीय पूर्णकालीन प्रमुख वाई राघवभलू, क्षेत्रीय सगठन मंत्री दिनेश तिवारी, गुवाहाटी विभाग के सचिव चंदन राभा, गुवाहाटी महानगर समिति के सेवा प्रमुख राजेश जैन, जीतू मनी कलिता, सुश्री अनुराधा जैन, दिनेश मित्तल सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। हर्ष की बात है कि कामाख्या देवालय के प्रमुख कविंद्र शर्मा दोले को अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। उनके साथ कई सत्राधिकार प्रमुख भी जाएंगे। यह जानकारी विश्व हिंदू परिषद के विष्णुपुर प्रखंड के सेवा प्रमुख नरेश कुमार भरतीया द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई।

मणिपुर पुलिस ने 347 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के इंफाल वेस्ट, थौबल, इंफाल ईस्ट तथा काकचिंग जिलों में कानून उल्लंघन के सिलसिले में 347 लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ एनएच -37 पर 378 तथा एनएच -2 पर 285 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 141 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई है।

कराईटारी वीसीडीसी के अंतर्गत विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम थानांतर्गत कराईटारी वीसीडीसी के अंतर्गत सांदलाटारी मे विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यकर्म का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कराईटारी वीसीडीसी चेयरमैन मोनोवार हुसैन की अध्ययता मे शुरू हुई। इस कार्यक्रम मे पीएमवाई, मनरेगा, कृषि, आयुष्मान कार्ड, अरुणोदय, उज्ज्वला योजना जैसे आदि योजनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही यह योजना मिलने वाले हिताधिकारियों से उनका वक्तव्य लिया गया। उक्त कार्यक्रम के दौरान भारी संख्या में कराईटारी वीसीडीसी के लोग उपस्थित थे। इसके अलावा कार्यक्रम में दोतमा ब्लॉक के असिस्टेंट इंजीनियर अर्चना रांगमय, कराइटरी के सीएचओ परिमल चंद्र राय, जीएस दोतमा ब्लॉक टिकाराम नार्जारी, एईए पोचागढ़ अर्जुन ब्रह्म, सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। इन सभी अतिथियों को असामिया गमछा से स्वागत किया गया। अंत में कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का स्वास्थ्य जांच की गई।

सड़क हादसे में महिला की मौत

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में सड़क हादसे में एक महिला की मौत को लेकर पूरे इलाके में उत्तेजना फैल गई है। पुलिस ने आज बताया कि शहर के वशिष्ठ में यह सड़क हादसा उस समय हुआ जब डंपर (एएस-01एलसी-3955) की चपेट में आ गई। हालांकि, अब तक मृतक महिला की पहचान नहीं हो सकी है। दुर्घटना करने वाले डंपर को चालक सहित पकड़कर वशिष्ठ थाने की पुलिस के हवाले कर दिया गया है। दूसरी ओर, पुलिस और एंबुलेंस को दुर्घटना के बारे में सूचित किया गया था।

ग्वालपाड़ा में ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिले के लखीपुर के सरालझार गांव में नशे के खिलाफ पुलिस की छापेमारी में एक सौ कंटेनर में भरा ड्रग्स जब्त किया गया। पुलिस ने आज बताया कि ड्रग्स के साथ तस्कर मोनिरुल इस्लाम को गिरफ्तार किया गया है। यह अभियान जिले के धूमेरघाट और जलेश्वर थाना पुलिस द्वारा चलाया गया। इस सिलसिले में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

साइकिल से बारह ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर लौटे विवेक साहनी का भव्य स्वागत

नगांव (निसं)। भगवान के प्रति मन में आस्था और विश्वास हो तो भक्तों के लिए कोई भी कार्य कठिन नहीं होता। ऐसा ही कुछ संकल्प व विश्वास ले कर साइकिल से बारह ज्योतिर्लिंग की यात्रा कर लौटे हैबरगांव चांदमारी निवासी 30 वर्षिय विवेक साहनी का नगांव में भव्य स्वागत किया गया। शहर की धार्मिक व सामाजिक संस्था सूर्य षष्ठी समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष श्याम बाबू साह और महासचिव अर्जुन कुमार महतो के तत्वावधान में युवा कार्यकर्ताओं ने आज प्रतिकूल मौसम में भी विवेक के हौसले को सलाम किया और उसे बेबेजिया में जापी और गामोछा से अभिनंदन कर एक मोटरसाइकिल रैली के माध्यम से नगांव शहर तक अगवानी की। विवेक ने गत 15 अगस्त को शहर के श्री कृष्णाश्रम शिव मंदिर से भगवान भोलेनाथ की पूजाअर्चना करने के बाद हर हर भोलेनाथ का जयकारा लगाते हुए बारह ज्योतिर्लिंग के दर्शन हेतु साइकिल से रवाना हुआ था .इस दौरान भारी तादाद में लोग उसे कुछ दूर छोड़ने हेतु बेबेजिया तक गए। यात्रा शुरू करने से पहले विभिन्न संगठनों के लोगों ने इस लंबी यात्रा है की शुभकामनाएं देते हुए असमिया गामोछा से स्वागत किया था। विवेक साहनी ने लगभग 9300 किलोमीटर की लंबी यात्रा करीब 108 दिन में पूरी करके लौटा। वह रोजाना करीब 120 किलोमीटर साइकिल चलाता था। युवक का भोले नाथ के प्रति आस्था का युवा समाज में एक सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। उल्लेखनीय है कि हालही में नगांव के फोटोग्राफर पप्पू पटेल ने भी केदारनाथ की कठिन पैदल यात्रा कर नगांव में काफी प्रशंसा बटोरी थी। जागरुक लोगों का कहना है कि भाजपा के शासन काल में युवाओं का समाज में धर्म के प्रति ऐसी आस्था जगना एक भक्ति भाव को प्रेरित करता है। विवेक नगांव के पत्रकार वैद्यनाथ साहनी और सुनिता साहनी का पुत्र है।

अकेले मोदी की ना मानें यह जीत कार्यकर्ताओं की है : पीएम मोदी

-भाजपा संसदीय दल की बैठक में मोदी का हुआ गर्मजोशी से स्वागत

नई दिल्ली, (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिंदी हार्टलैंड के तीन राज्यों में मिली जीत को कार्यकर्ताओं को समर्पित किया है। पीएम मोदी ने कहा है कि पार्टी को जो तीन राज्यों में जीत मिली है, वह कार्यकर्ताओं को समर्पित है। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को बीजेपी की संसदीय बैठक में ये बातें कहीं। तीन राज्यों में मिली जीत के बाद हो रही इस बैठक में पीएम मोदी का जोरदार स्वागत हुआ। बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत पार्टी के तमाम बड़े नेता इस बैठक में मौजूद रहे। बीजेपी नेताओं और कार्यकताओं को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि ये जीत कार्यकर्ताओं को समर्पित है। राज्य के तमाम कार्यकर्ताओं ने आहुति दी है। सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाया गया है। संसदीय बैठक में पीएम मोदी ने विकसित भारत अभियान की भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि महिलाओं को ड्रोन देने का जो फैसला किया गया है, उसका फायदा महिलाओं को मिलना चाहिए। पीएम मोदी ने ये भी बताया कि सरकार में रहते हुए जीत का परसेंटेज काफी बेहतर रहा है।

मुझे ना कहें मोदी जी: पीएम - दरअसल, पीएम मोदी जैसे ही संसदीय दल की बैठक में हिस्सा लेने के पहुंचे। वैसे ही बीजपी सांसदों ने 'मोदी जी का स्वागत है' का नारा लगाना शुरू कर दिया है। ताड़ियों की गड़गड़ाहट से पूरा हॉल भी गूंज उठा। इसके बाद जब पीएम मोदी को नेताओं को संबोधित करने का मौका मिला, तो उन्होंने अपने स्वागत को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि हमें जो जीत मिली है, ये किसी एक व्यक्ति की जीत नहीं है, बल्कि संगठन की जीत है। मुझे मोदी जी बुलाकर जनता से दूर नहीं किया जाए। मैं सिर्फ मोदी हूं।

जीत के लिए होनी चाहिए सभी की जय-जयकार: पीएम मोदी - प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तीन राज्यों में मिली जीत टीम स्प्रिट की जीत है। ये जीत सभी लोगों के प्रयास की वजह से मिली है। इसमें सिर्फ किसी एक व्यक्ति की मेहनत नहीं है। सभी की मेहनत की वजह से ही हमें ये जीत मिली है। इसलिए सभी की जय-जयकार होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें जातियों में नहीं बांटा जाना चाहिए। हमारी जाति युवा है, हमारी जाति महिला की है, हमारी गरीब की है, हमारी जाति किसान की है।

विश्वकर्मा योजना को जन-जन पहुंचाने का निर्देश - संसदीय दल की बैठक में बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा की तीनों राज्यों में बड़ी सफलता मिली है। यह सभी कार्यकर्ताओं की जीत है, इसे अकेले मोदी की जीत न माने. विश्वकर्मा योजना पर जोर देते हुए उन्होंने कहा की सभी सांसद इसे जन-जन तक पहुंचाने के लिए कम करें। साथ ही कहा कि जो केंद्रीय योजनाएं हैं उसे लेकर आम जनों तक सभी सांसद जाएं, संकल्प यात्रा सफल हो इसके लिए सभी सांसद अपने-अपने क्षेत्र में कार्यकर्ताओं के साथ संपर्क करें और खुद भी मैदान में उतरें।

पीएम ने चक्रवात प्रभावितों के लिए प्रकट की संवेदनाएं - संसदीय कार्य मंत्री और बीजेपी नेता प्रह्लाद जोशी ने बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस की. इसमें उन्होंने बताया कि संसदीय बैठक की शुरूआत में पीएम मोदी ने मिचौंग चक्रवात की वजह से प्रभावित होने वाले लोगों को लेकर संवेदनाएं प्रकट कीं। उन्होंने उन सभी लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की, जिन्हें चक्रवात और फिर बाढ़ की वजह से परेशानी उठानी पड़ी है।

चक्रवात मिचौंग की वजह से चेन्नई में जबरदस्त बारिश हुई है, जिसने बाढ़ जैसे हालात पैदा कर दिए हैं। प्रह्लाद जोशी ने बताया कि तीन राज्यों में मिली जीत के अलावा मिजोरम और तेलंगाना में बीजेपी की ताकत बढ़ी है। उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान पीएम ने एक दिलचस्प आंकड़ा रखा। इस देश में कांग्रेस को सरकार में रहते हुए 40 बार चुनाव का सामना करना पड़ा है। इसमें से सिर्फ 7 बार ही कांग्रेस पार्टी राज्यों में जीत पाई है। वहीं, बीजेपी को 39 बार चुनाव का सामना करना पड़ा है, जिसमें से 22 बार हम सफल रहे हैं। बीजेपी का जीत प्रतिशत 56 फीसदी रहा है।

दिशा सालियन मौत मामले में आदित्य ठाकरे की जांच करेगी एसआईटी, राजनीति गरमाई

-फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मैनेजर थीं दिशा सालियन

मुंबई, (हि.स.)। महाराष्ट्र के गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बहुचर्चित दिशा सालियन मौत मामले में पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे की भूमिका की जांच करने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित कर करने का आदेश दिया है। गुरुवार शाम तक जांच के लिए अतिरिक्त पुलिस आयुक्त की अध्यक्षता में एसआईटी समिति गठित की जा सकती है। इस आदेश के बाद राज्य में राजनीति गरमा गई है। इससे आदित्य ठाकरे की मुश्किलें भी बढ़ सकती हैं। शिवसेना उद्धव ठाकरे समूह के नेता सुनील प्रभू ने गुरुवार को पत्रकारों को बताया कि राज्य सरकार यह सब सिर्फ राजनीतिक द्वेष की वजह से आदित्य ठाकरे की एसआईटी से जांच की जा रही है, जबकि इस मामले में कुछ निकलने वाला नहीं है। सुनील प्रभू ने कहा कि राज्य सरकार को ड्रग माफिया ललित पाटिल को अस्पताल से फरार में मदद करने वालों की छानबीन करनी चाहिए और आम नागरिकों को बताना चाहिए कि इसके लिए कौन वर्तमान मंत्री जिम्मेदार है। इस मामले में मुंबई भाजपा अध्यक्ष आशीष शेलार ने कहा कि दिशा सालियन मौत मामले में आदित्य ठाकरे का नाम लिया गया, इससे इस मामले को लेकर भ्रम का माहौल बन गया है। एसआईटी जांच के बाद दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। इसलिए इस जांच का स्वागत पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को भी करना चाहिए। भाजपा नेता प्रवीण दरेकर ने कहा कि इस मामले की छानबीन में बहुत देरी हुई है। अगर मामले की छानबीन भले ही देरी से हो रही है तो इसका स्वागत किया जाना चाहिए। इससे सच जनता के सामने आ जाएगा। मुख्यमंत्री शिंदे समूह के प्रवक्ता भरत गोगावले ने कहा कि उन्हें इस मामले की कोई जानकारी नहीं है, लेकिन अगर आरोप लगाया जा रहा है तो जांच होनी चाहिए। अगर शख्स निर्दोष है तो इसमें घबराने जैसी कोई बात नहीं है। दरअसल, फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मैनेजर दिशा सालियान की 8 जून, 2020 को मौत हो गई थी। इसके बाद 14 जून 2020 को फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की भी बांद्रा स्थित आवास पर मौत हो गई थी। इसके बाद केंद्रीय मंत्री नारायण राणे और उनके बेटे विधायक नीतेश राणे ने दिशा सालियन की मौत मामले की एसआईटी से जांच कराने की मांग की थी। पिछले वर्ष दिसंबर महीने में नागपुर में आयोजित शीतकालीन सत्र में गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मामले की एसआईटी जांच की घोषणा की थी। इस घोषणा को एक साल बीत जाने पर गृहमंत्री ने गृहविभाग को मामले की छानबीन के एसआईटी समिति गठित करने का आदेश दिया गया है।

दिल्ली मेट्रो स्टेशनों पर रसाई से जुड़ी खादय सामग्री बेचेगी मोदी सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली मेट्रो से हर रोज लोग बड़ी संख्या में यात्रा करते हैं। इसके बाद में डीएमआरसी यात्रियों के सफर को सुविधाजनक बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। इसमें केंद्र सरकार भी समय-समय पर अपना योगदान देती रहती है। इसी कड़ी में अब केंद्र सरकार, दिल्ली मेट्रो के साथ मिलकर यात्रियों के लिए रसोई की आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराने की एक अनूठी सुविधा पेश करने वाली है। एक रिपोर्ट में बताया गया कि केंद्र सरकार इस महीने राजधानी के प्रमुख मेट्रो स्टेशनों पर रिटेल स्टोर खोलकर उपभोक्ताओं को रियायती कीमतों पर प्याज, दाल और आटा जैसी रसोई की जरूरी चीजें उपलब्ध कराएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, अगर दिल्ली मेट्रो में यह प्रोजेक्ट सफल रहा, तब इस मुंबई, चेन्नई और बेंगलूरु जैसे अन्य शहरों तक ले जाया जाएगा, जहां मेट्रो रेल नेटवर्क है। खाद्य आवश्यक वस्तुओं में गेहूं, चावल, दालें, चीनी, प्याज की बढ़ी कीमतें केंद्र सरकार के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। 2024 के लोकसभा चुनावों में यह एक बड़ा मुद्दा बन सकता है। कहावत है कि दिल का रास्ता पेट से होकर जाता है। इसके बाद इस कदम के माध्यम से मोदी सरकार की नजर मतदाताओं का दिल जीतने पर होगी। पहला रिटेल स्टोर सेंट्रल दिल्ली के राजीव चौक मेट्रो स्टेशन पर खोला जाएगा, ताकि वहां आने वाले लोगों की भारी भीड़ का फायदा उठाया जा सके। इसका स्वामित्व और संचालन नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनसीसीएफ) के पास होगा। बता दें कि एनसीसीएफ एक संगठन है, जो सरकार की ओर से कृषि वस्तुओं जैसे खाद्यान्न, दालें, मसाले, तेल के बीज, फार्मास्युटिकल आइटम और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं की खरीद करता है और उपभोक्ताओं को उचित दरों पर यह वस्तुएं बेचता भी है। एनसीसीएफ दिल्ली के मेट्रो स्टेशनों पर 15-20 स्टोर खोलने पर विचार कर रहा है। वर्तमान में, यह सब्सिडी वाले खाद्य पदार्थ बेचने के लिए शहरों में मोबाइल वैन चलाता है। लेकिन इस कार्यक्रम की पहुंच सीमित है। आसमान और कम बारिश के कारण, खुदरा महंगाई जुलाई में 15 महीने के उच्चतम स्तर 7.44 प्रतिशत पर थी, खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति बढ़कर 11.5 प्रतिशत हो गई,जो साढ़े तीन साल में सबसे अधिक है। खाद्य मुद्रास्फीति, गेहूं के निर्यात पर रोक लगाने, चीनी, प्याज और चावल के शिपमेंट को प्रतिबंधित करना, दालें आयात करना, और अपने स्वयं के स्टॉक से गेहूं, चावल और प्याज जैसी सब्जियां बेचने जैसे केंद्र के प्रयासों के बाद से धीमी हो गई है। लेकिन अक्टूबर में यह अब भी 6.61 प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया कि मेट्रो स्टेशनों पर इन स्टोरों को खोलकर, मोदी सरकार बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं तक पहुंचने और उन्हें दी जा रही सब्सिडी का लाभ उठाने में मदद करने का इरादा रखती है।

प्रियंका गांधी ने गाजा में बमबारी की निंदा की

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने गाजा में निर्दयी बमबारी की निंदा की और कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के सदस्य के रूप में यह भारत का कर्तव्य है कि जो सही है वह उसके लिए खड़ा हो। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि गाजा पर निर्दयी बमबारी युद्धविराम से पहले की तुलना में और भी अधिक बर्बरता के साथ जारी है। खाद्य आपूर्ति दुर्लभ है, चिकित्सा सुविधाएं नष्ट हो गई हैं और बुनियादी सुविधाएं बंद कर दी गई हैं, 16 हजार निर्दोष नागरिक मारे गए हैं, जिनमें लगभग 10 हजार बच्चे, 60 से अधिक पत्रकार और सैकड़ों चिकित्सा कर्मचारी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि एक पूरे देश का सफाया हो रहा है। प्रियंका ने सवाल किया, ये हममें से बाकी लोगों की तरह ही सपने और उम्मीदें रखने वाले लोग हैं। हमारी आंखों के सामने उन्हें बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया जा रहा है। हमारी मानवता कहां है? उन्होंने कहा कि भारत हमेशा अंतर्राष्ट्रीय मंच पर जो उचित है उस-के लिए खड़ा रहा है। हमने दक्षिण अफ्रीका के रंगभेदी शासन के खिलाफ प्रतिबंधों के लिए लड़ाई लड़ी, स्वतंत्रता के लिए उनके लंबे संघर्ष की शुरूआत से फिलिस्तीन में अपने भाइयों और बहनों का समर्थन किया और अब हम पीछे खड़े रहते हैं और कुछ नहीं करते हैं क्योंकि 1 नरसंहार होता है जो पृथ्वी से उनका चेहरा मिटा देता है?

केंद्र ने चेन्नई के लिए बाढ़ प्रबंधन योजना को दी मंजूरी, 561 करोड़ होंगे खर्च

नई दिल्ली, (हि.स.)। चक्रवाती तूफान मिचौंग के कारण चेन्नई में बाढ़ जैसे हालात हैं। इसी बीच केंद्र सरकार ने चेन्नई के लिए देश की पहली बाढ़ प्रबंधन योजना को मंजूरी दी है। इस पर 561.29 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जिसमें से 500 करोड़ रुपये केंद्र सरकार देगी। गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर बताया कि आगे बढ़कर समस्याओं का समाधान करने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अप्रोच के तहत योजना को मंजूरी दी गई है। राष्ट्रीय आपदा शमन कोष के तहत चेन्नई बेसिन परियोजना के लिए एकीकृत शहरी बाढ़ प्रबंधन गतिविधियां संचालित की जाएंगी। शाह ने लिखा, चेन्नई भीषण बाढ़ का सामना कर रहा है। पिछले आठ वर्षों में यह तीसरी बाढ़ है। महानगरीय शहरों में अत्यधिक वर्षा होने के कारण अचानक बाढ़ आने की घटनाएं बढ़ रही हैं। यह शमन परियोजना चेन्नई को बाढ़ प्रतिरोधी बनाने में मदद करेगी। यह शहरी बाढ़ शमन प्रयासों की श्रृंखला में पहला है और शहरी बाढ़ प्रबंधन के लिए एक व्यापक ढांचा विकसित करने में मदद करेगा।

राज कुंद्रा को राहत, पोर्नोग्राफी मामले में ईडी को नहीं मिला कोई ठोस सबूत

मुंबई, (ईएमएस)। साल 2021 में प्रोड्यूसर राज कुंद्रा पर अश्लील फिल्में और पोर्नोग्राफी बनाने का आरोप लगा था. इस मामले में उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था. वह कई दिनों तक जेल में भी रहे. राज कुंद्रा का पोर्नोग्राफी मामला काफी चर्चित रहा था. चर्चा थी कि शिल्पा शेट्टी और उनके रिश्ते में भी कड़वाहट आ गई है. लेकिन अब राज कुंद्रा मामले में एक बड़ी खबर ये सामने आई है कि बहुत जल्द उन्हें ईडी से क्लिट चिट मिलेगी. गौरतलब हो कि जुलाई 2021 में उन्हें अश्लील पोर्नोग्राफी के एक मामले में मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया था. बाद में उन पर मनी लॉन्ड्रिंग का भी आरोप लगाया गया जिसकी अभी भी जांच और कार्रवाई चल रही है। हाल ही में सामने आई जानकारी के मुताबिक ईडी को पोर्नोग्राफी मामले में राज कुंद्रा का कोई सीधा कनेक्शन नहीं मिला है. सूत्रों के मुताबिक, ईडी फिलहाल राज कुंद्रा के मनी लॉन्ड्रिंग केस पर फोकस कर रही है. इंग्लैंड स्थित कंपनी केनरिन, जो मनी लॉन्ड्रिंग में फंसी अन्य शेल कंपनियों से जुड़ी है, जांच में यह पता चला है कि राज कुंद्रा के बहनोई प्रदीप बख्शी केनरिन कंपनी के मालिक हैं। साथ ही हॉटशॉट ऐप का आधिकारिक प्रमोटर भी। ईडी सूत्रों के मुताबिक, आर्म्स प्राइम मीडिया लिमिटेड के सीईओ सौरभ कुशवाह ने कंपनी में निवेश के लिए जनवरी 2019 में राज कुंद्रा से संपर्क किया था. उनका रिश्ता उसी साल दिसंबर तक जारी रहा। ऐप बनाने के बाद हॉटशॉट को केनरिन को 25,000 डॉलर में बेच दिया गया। ईडी उनके बैंक लेनदेन की जांच कर रही है। राज कुंद्रा को भारतीय दंड संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत अपराध करने के बाद 19 जुलाई 2021 को गिरफ्तार किया गया था। मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट एस.बी.भाजीपाले ने 50,000 रुपये के निजी मुचलके पर जमानत अर्जी मंजूर कर ली। सरकारी वकील ने उनकी अर्जी का विरोध किया था. पुलिस ने आरोप पत्र में दावा किया था कि राज कुंद्रा मुख्य सूत्रधार थे. उनपर मुख्य आरोप यह था कि उन्होंने युवतियों का अश्लील वीडियो बनाकर और उन्हें बेचकर उनका यौन शोषण किया था। जमानत मिलने के बाद राज कुंद्रा काले हेलमेट में नजर आ रहे हैं। ऐसे में कई लोग उन्हें ट्रोल करते हैं. कई लोगों ने कहा कि अब चेहरा छुपाने का समय आ गया है. कुछ दिनों पहले उनके केस पर आधारित फिल्म यूटी 69 भी काफी चर्चा में रही थी.

मनीष सिसोदिया की पुनर्विचार याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 11 दिसंबर को करेगा विचार

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के आबकारी घोटाला मामले में आरोपित पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत नहीं देने के खिलाफ दायर पुनर्विचार याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 11 दिसंबर को सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट तय करेगा कि इस याचिका को सुना जाए या नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने 30 अक्टूबर को अपने फैसले में सिसोदिया को जमानत देने से इनकार करते हुए कहा था कि अगर 6 से 8 महीने में मुकदमा खत्म न हो तो सिसोदिया दोबारा जमानत के लिए आवेदन कर सकते हैं। सिसोदिया को सीबीआई ने 26 फरवरी को गिरफ्तार किया था। 25 अप्रैल को सीबीआई ने इस मामले में पूरक चार्जशीट दाखिल की थी। सीबीआई ने इस मामले में सिसोदिया को भी आरोपित बनाया था। पूरक चार्जशीट में सिसोदिया के अलावा जिन लोगों को आरोपित बनाया गया उनमें बुची बाबू, अर्जुन पांडेय और अमनदीप ढल शामिल हैं। बुची बाबू तेलंगाना के निवर्तमान मुख्यमंत्री केसी राव की बेटी के कविता के सीए रह चुके हैं।

विश्व शांति के लिए दुबई के स्टेडियम में सार्वजनिक ध्यान कार्यक्रम का आयोजन करेंगे श्री श्री रविशंकर

- आज 15,000 प्रतिभागी इस समारोह में करेंगे शिरकत

दुबई, (हि.स.)। आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर ने बुधवार को कहा कि वह खाड़ी सहयोग परिषद के देशों के 15,000 से अधिक प्रतिभागियों के साथ विश्व शांति के लिए शुक्रवार को दुबई में एक सार्वजनिक ध्यान कार्यक्रम का आयोजन करेंगे। यह कार्यक्रम दुबई के अल नस्र क्लब-अल मकतूम स्टेडियम में आयोजित होगा। ह्यआर्ट ऑफ लिविंगह्न के संस्थापक रविशंकर को शांति स्थापना, आपदा राहत कार्य, गरीबी उन्मूलन और जलवायु कार्रवाई के जरिये उनके योगदान के बारे में भाषण देने के लिए कॉप 28 में आमंत्रित किया गया है। रविशंकर ने कहा कि वह खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के 15,000 से अधिक प्रतिभागियों के साथ विश्व शांति के लिए एक सार्वजनिक कार्यक्रम का आयोजन करेंगे। दुनिया भर के लाखों लोग इस कार्यक्रम में ऑनलाइन माध्यम से भी जुड़ेंगे। आध्यात्मिक गुरु लोगों को आंतरिक शांति के अनुभव से अवगत कराएंगे जिसके बारे में उनका दावा है कि यह विश्वव्यापी सद्भाव की दिशा में पहला कदम है।

सोनिया, राहुल और खरगे की मौजूदगी में रेवंत रेड्डी ने ली सीएम पद की शपथ

मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने उप मुख्यमंत्री बने

हैदराबाद (ईएमएस)। तेलंगाना विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत के बाद कांग्रेस नेता अनुमुला रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के रूप में गुरुवार को शपथ ली, जबकि वरिष्ठ नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने उप मुख्यमंत्री बनाया गया। राज्यपाल तमिलिसाई सौंदर्यराजन ने सार्वजनिक कार्यक्रम में रेड्डी, विक्रमार्क और 10 मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। 54 वर्षीय नेता ने अपने समर्थकों के जोरदार जयकारों के बीच भारत के सबसे युवा राज्य के दूसरे मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। दलित नेता विक्रमार्क ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। दो महिलाओं सहित 10 मंत्रियों ने भी शपथ ली। रेवंत रेड्डी दोपहर 1:04 बजे शपथ लेने वाले थे, लेकिन शपथ ग्रहण में 15 मिनट की देरी हुई। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने वाले कई वीआईपी स्टेडियम के आसपास ट्रैफिक जाम में फंस गए थे। रेवंत रेड्डी सजी हुई खुली गाड़ी में खड़े होकर कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के साथ स्टेडियम पहुंचे। एन. उत्तम कुमार रेड्डी, दामोदर राजनरसिम्हा, कोमाटी रेड्डी वेंकट रेड्डी, डी. श्रीधर बाबू, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, पोन्नम प्रभाकर, कोंडा सुरेखा, दानसारी अनसूया सीताक्का, तुम्मला नागेश्वर राव, जुपल्ली कृष्णा राव और अन्य नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण के बाद रेड्डी ने सोनिया गांधी के पास जाकर उनके पैर छुए। उन्होंने अपनी पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों को कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से मिलवाया। शपथ ग्रहण में एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, के.सी. वेणुगोपाल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और अन्य शीर्ष कांग्रेस नेता शामिल हुए। 4 दिसंबर को नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक में खड़गे को सीएलपी नेता का नाम तय करने के लिए अधिकृत किया गया था।

छात्रों की नींद पूरी नहीं होने से महाराष्ट्र के राज्यपाल चिंतित कहा- समय में करें बदलाव

मुंबई (ईएमएस)। सुबह सात बजे से लगने वाले स्कूल के छात्रों को पांच बजे जागना होता है। तैयारी करके स्कूल की बस पकड़ते हैं और लंबे समय तक बस में ही घूमते रहते हैं। फिर रात में होमवर्क करना होता है। देर से सोने और सुबह जल्दी उठने के कारण नींद भी पूरी नहीं हो पाती है। इस तरह की समस्याओं का समाधान निकालने की काफी समय से मांग उठती रही है लेकिन गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया है। इस समस्या पर महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस ने भी चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा है कि छात्रों की कई बार नींद पूरी नहीं हो पाती है। राज्यपाल रमेश बैस ने राजभवन में स्कूल शिक्षा विभाग की विभिन्न पहलों के शुभारंभ के मौके पर छात्रों की नींद पूरी नहीं होने पर चिंता जताई है। इसे लेकर उन्होंने स्कूल के समय में बदलाव का सुझाव दिया है। राज्यपाल ने राज्य शिक्षा विभाग के एक कार्यक्रम में चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हाल के दिनों में लोगों के नींद लेने के समय में परिवर्तित हुआ है। उन्होंने कहा कि एक लोकप्रिय कहावत है कि जल्दी सोना और जल्दी उठना, किसी व्यक्ति को बुद्धिमान बनाता है। राज्यपाल ने आगे कहा कि इन दिनों बच्चे आधी रात तक जागते हैं और उन्हें स्कूल के लिए जल्दी उठना पड़ता है, जिससे उनकी नींद पूरी नहीं हो पाती है। राज्यपाल ने कहा,मैं अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह करूंगा कि विद्यार्थी सुबह पर्याप्त नींद ले सकें, उन्हें स्कूल का समय बदलने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने स्कूलों और शिक्षा अधिकारियों से इस पहलू पर ध्यान देने के अलावा पुस्तक-रहित स्कूलों, ई-कक्षाओं को बढ़ावा देने और छात्र समुदाय पर शिक्षा के बोझ को कम करने के लिए उनकी गुणवत्ता के मुताबिक स्कूलों की रैंकिंग करने का आह्वान किया। राज्यपाल रमेश बैस ने राजभवन में स्कूल शिक्षा विभाग की विभिन्न पहलों के शुभारंभ के मौके पर ये बातें कहीं। उन्होंने जब ये बातें कहीं तो कार्यक्रम में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, मंत्री दीपक केसरकर, मंगल प्रभात लोढ़ा और गिरीश महाजन के अलावा प्रमुख सचिव शिक्षा रणजीत सिंह देयोल भी मौजूद थे। बृहन्मुंबई नगर निगम की ओर से संचालित नए स्कूल भवनों का उद्घाटन करते हुए राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने संयुक्त रूप से माई स्कूल, ब्यूटीफुल स्कूल, स्टोरी-टेलिंग सैटरडे, एंजॉयेबल रीडिंग, एडॉप्ट स्कूल एक्टिविटी, माई स्कूल, माई बैकयार्ड और क्लीननेस मॉनिटर जैसी पहल की शुरूआत की। इसके अलावा राज्यपाल ने इस बात पर भी दुख जताया कि राज्य में सैकड़ों पब्लिक लाइब्रेरी हैं, लेकिन ज्यादातर पुराने हैं, इसलिए उन सभी को पुनर्जीवित करने और परिसर में कंप्यूटर और इंटरनेट प्रदान करके लाइब्रेरी एडॉप्शन शुरू करने की जरूरत है। उन्होंने आग्रह किया कि यह आवश्यक था, क्योंकि छात्र न सिर्फ किताबों के जरिए बल्कि इंटरनेट, सोशल मीडिया और अन्य स्त्रोतों से भी अपना ज्ञान प्राप्त करते हैं, जो उनके आईक्यू लेवल को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

महिला सुरक्षा में नाकाम भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार : कुमारी सैलजा

-राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार में सतासीन लोग बराबर के भागीदार

चंडीगढ़ (ईएमएस)। पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने आरोप लगाया कि भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार में भ्रष्टाचार नए रिकॉर्ड बना रही है। महिलाओं व बच्चियों की सुरक्षा के खिलाफ बढ़ रही दुष्कर्म समेत आपराधिक घटनाएं इसका प्रमाण है। सैलजा ने कहा कि भ्रष्टाचार आरोपियों को पकडने के मामले में हरियाणा देश में छठे नंबर पर है। अगर भ्रष्टाचार कम होता तो भ्रष्टाचारियों को पकडने की घटनाएं बढने की बजाय कम होती। राज्य सरकार मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो एनसीआरबी ने साल 2022 में घटे अपराधों को लेकर रिपोर्ट जारी की है। इसमें हरियाणा में बढ़ती घटनाएं हर किसी को चौंका सकती हैं। इस रिपोर्ट के अध्ययन से साफ है कि प्रदेश में कानून का राज नहीं है, बल्कि यहां पर अपराधियों को खौफ लोगों के बीच बढ़ रहा है। खास तौर पर ऐसे अपराध में बढ़ोतरी हो रही है, जिससे हर आम आदमी सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को लेकर भयभीत होने लगता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक ही साल में कर्मचारियों व अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के 246 मामले दर्ज होने से पता चलता है कि प्रदेश में भ्रष्टाचार किस स्तर पर पहुंच चुका है। भाजपा के साल 2014 में सत्ता संभालने के बाद से तमाम महकमों में रिश्वत के बढ़ते रेट भी इस बात का सबूत हैं। मुख्यमंत्री के गृह जिले करनाल से ही बार-बार भ्रष्टाचार के मामले सामने आने से साफ है कि इनका कनेक्शन सत्ता में बैठे लोगों तक जिसमें वे बराबर के भागीदार हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि रिपोर्ट बताती है कि प्रदेश में साल 2022 के दौरान महिलाओं से दुष्कर्म के मामले बढ़े और पुलिस थानों में 1787 मामले रिपोर्ट हुए। इससे साफ है कि हर रोज औसतन 5 महिलाओं की अस्मत से खेला गया। दिनदहाड़े वारदातों के मामले में महाराष्ट्र के बाद हरियाणा देश में दूसरे नंबर पर है। इस मामले में यह यूपी से भी आगे निकल चुका है। इससे साफ है कि पुलिस का कोई भय बदमाशों में नहीं है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रदेश से साल भर के दौरान 2640 बच्चे लापता हुए। इनमें से 49 प्रतिशत लड़कियों को पुलिस खोज ही नहीं पाई। वहीं, साइबर क्राइम की घटनाओं में हो रही बढ़ोतरी का कारण हरियाणा सरकार के खुद के पोर्टल बने हैं। जमीनों के इंतकाल व रजिस्ट्री के पोर्टल से लोगों से फिंगर प्रिंट उठ-ाकर उनके बैंक खाते साफ करने के मामले प्रदेश में सामने आ चुके हैं। साथ ही बिजली उपभोक्तओं का डाटा लीक होने और फिर उनके बैंक खाते खाली करने के मामले किसी से छिपे नहीं हैं।

अस्पतालों के खिलाफ आंदोलन को तेज करेंगे सपा विधायक अतुल प्रधान

मेरठ, (हि.स.)। निजी अस्पतालों में उपचार के नाम पर मरीजों के उत्पीड़न के विरोध में सपा विधायक अतुल प्रधान का आंदोलन तेज होता जा रहा है। विधायक ने गुरुवार को आंदोलन को लेकर बड़ा निर्णय लेंगे। उधर न्यूटिमा अस्पताल को सीलिंग के खिलाफ हाईकोर्ट से स्टे नहीं मिल पाया। अब मेरठ विकास प्राधिकरण न्यूटिमा अस्पताल के आवेदन पर सुनवाई करेगा। न्यूटिमा अस्पताल में हंगामे के बाद से ही निजी डॉक्टरों और सरधना के सपा विधायक अतुल प्रधान के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। सपा विधायक चार दिन से कलेक्ट्रेट पर आमरण अनशन पर बैठे हैं। रात में भी विधायक अपने समर्थकों के साथ धरना स्थल पर ही रहते हैं। अपने आंदोलन को तेज करने के लिए गुरुवार को विधायक महापंचायत का ऐलान करेंगे। इसके साथ ही अपनी संपत्ति का ब्यौरा भी धरना स्थल पर देंगे। शाम को कैंडल मार्च निकाला जाएगा। उधर न्यूटिमा अस्पताल को स्वीकृत नक्शे से अलग निर्माण को मेरठ विकास प्राधिकरण द्वारा सील करने के विरोध में हाईकोर्ट से स्टे नहीं मिल पाया। अस्पताल की याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। हाईकोर्ट ने मेरठ विकास प्राधिकरण को अस्पताल के आवेदन को एक बार फिर से सुनने का आदेश दिया है। प्राधिकरण ने भी न्यूटिमा अस्पताल की याचिका पर हाईकोर्ट में अपना पक्ष रखा। न्यूटिमा अस्पताल के प्रबंधक डॉ. संदीप गर्ग के अनुसार, हाईकोर्ट के निर्णय का अवलोकन कराया जा रहा है।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में मुकेश अंबानी, सचिन तेंदुलकर और रामायण के राम-सीता होंगे शामिल

अयोध्या (ईएमएस)। आने वाली 22 जनवरी को वो समय आ रहा है जिसका करीब 5 सौ सालों से इंतजार किया जा रहा था। भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्री मोदी पहली आरती करेंगे। इस मौके पर उद्योगपति मुकेश अंबानी,क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और रामायण के राम (अरुण गोविल) और सीता (दीपिका चिखालिया) विशेष रुप से मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 22 जनवरी, 2024 को प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए पहले ही आमंत्रित किया जा चुका है। ट्रस्ट ने 3000 वीवीआईपी सहित 7,000 लोगों को आमंत्रण भेजा है। कार्यक्रम में 1992 में मारे गए कारसेवकों के परिवारों को भी आमंत्रित किया जाएगा। आमंत्रित वीवीआईपी लोगों में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत, योग गुरु राम देव, उद्योगपति रतन टाटा, उद्योगपति गौतम अडाणी भी शामिल हैं। ट्रस्ट ने देशभर से 4000 संतों को भी आमंत्रित किया है जो राम जन्मभूमि परिसर में मौजूद रहेंगे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, फिल्म स्टार अमिताभ बच्चन और उद्योगपति मुकेश अंबानी सहित करीब सात हजार लोगों को राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए आमंत्रित किया है। ट्रस्ट के सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। दूरदर्शन पर प्रसारित धारावाहिक ह्यरामायण में भगवान राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल (भगवान राम) और देवी सीता की भूमिका निभाने वाली दीपिका चिखलिया को भी इस आयोजन में शामिल होने के लिए आमंत्रण भेजा गया है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा, प्राण प्रतिष्ठा समारोह में 50 देशों से एक-एक प्रतिनिधि बुलाने का प्रयास है। आंदोलन के दौरान जान गंवाने वाले 50 कारसेवक परिवारों के लोगों को भी आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों, वैज्ञानिकों, लेखकों और कवियों को भी आमंत्रण पत्र भेजा गया हैं। राय ने बताया कि इसके अलावा संतों, पुजारियों, शंकराचार्यों, धार्मिक नेताओं, पूर्व नौकरशाहों, सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों, वकीलों, संगीतकारों और पद्म श्री और पद्म भूषण से सम्मानित हस्तियों को भी आमंत्रित किया गया है। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के प्रवक्ता शरद शर्मा ने कहा, हमने उन पत्रकारों को भी आमंत्रित किया है, जिन्होंने अपने समाचार पत्रों, लेखों और रिपोर्टिंग के माध्यम से हमारे राम मंदिर आंदोलन का समर्थन किया था, उनके (पत्रकारों के) बिना, राम मंदिर का यह संघर्ष अधूरा था। शर्मा ने बताया कि वीवीआईपी को बार कोड पास के जरिए प्रवेश मिलेगा। आमंत्रित 7000 लोगों में से लगभग 4,000 देश भर से आए धार्मिक नेता होंगे। बाकी 3000 विभिन्न क्षेत्रों के वीवीआईपी होंगे। समारोह से पहले आमंत्रित लोगों के साथ एक लिंक साझा किया जाएगा।एक बार जब वे लिंक के साथ पंजीकृत हो जाएंगे, तो कोड उत्पन्न होगा जो प्रवेश पास के रूप में कार्य करेगा। निमंत्रण पत्र में लिखा है, आपको विदित ही हैं कि लंबे संघर्ष के पश्चात, श्री राम जन्मभूमि पर मंदिर का निर्माण कार्य प्रगति पर है। पौष शुक्ल द्वादशी विक्रम संवत 2080, सोमवार (22 जनवरी 2024)को गर्भगृह में रामलला के नूतन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। हमारी प्रबल इच्छा है कि आप इस पुनीत अवसर पर अयोध्या में उपस्थित रहकर प्राण-प्रतिष्ठा के साक्षी बनें और इस महान ऐतिहासिक दिन की गरिमा को बढ़ाएं। निमंत्रण पर राम मंदिर ट्रस्ट के सचिव चंपत राय के हस्ताक्षर हैं। राय ने कहा, राम मंदिर में रामलला पांच साल के बालक के रूप में विराजमान होंगे। इसके लिए दो चट्टानों से तीन मूर्तियां बनाई जा रही हैं जिनमें से एक चट्टान कर्नाटक से दूसरी राजस्थान से लाई गई है। उन्होंने कहा, मूर्तियां 90 प्रतिशत तैयार हैं और उन्हें अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्राण-प्रतिष्ठा के लिए सबसे आकर्षक मूर्ति का चयन किया जाएगा।

जयाप्रदा पर अभद्र टिप्पणी मामले में सुनवाई टली, अब 13 दिसंबर को होगी सुनवाई

-वर्ष 2019 लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद मुरादाबाद में आयोजित सम्मान समारोह में सपा नेताओं पर पूर्व सांसद जयाप्रदा पर अभद्र टिप्पणी का है आरोप

मुरादाबाद, (हि.स.)। पूर्व सांसद एवं फिल्म अभिनेत्री जयाप्रदा के खिलाफ अभद्र टिप्पणी मामले में जयाप्रदा के अस्वस्थ होने के कारण बुधवार को सुनवाई टल गई। मामले में अब अगली सुनवाई 13 दिसंबर को सुनवाई होगी। वर्ष 2019 लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद मुरादाबाद के थाना कटघर क्षेत्र के मुस्लिम डिग्री कालेज में आयोजित सम्मान समारोह में रामपुर के पूर्व कैबिनेट मंत्री व पूर्व सांसद आजम खां, मुरादाबाद लोकसभा के सपा सांसद डा. एसटी हसन समेत अन्य सपा नेता शामिल हुए थे। आरोप है कि कार्यक्रम के दौरान रामपुर के पूर्व सांसद जयाप्रदा पर अभद्र टिप्पणी की गई थी। इस मामले में रामपुर निवासी मुस्तफा हुसैन ने पूर्व मंत्री आजम खां, डा. एसटी हसन, अब्दुल्ला आजम, फिरोज खां, आयोजक मोहम्मद आरिफ, रामपुर के पूर्व चेयरमैन अजहर खां के खिलाफ केस दर्ज कराया गया था। विशेष लोक अभियोजक मोहन लाल विश्नोई ने बताया कि बुधवार को मुकदमे की सुनवाई लघु वाद न्यायाधीश मनिंदर सिंह की अदालत में की जानी थी लेकिन जयाप्रदा के अधिवक्ता अभी स्पष्ट नगर ने उनके अस्वस्थ होने का प्रमाण पत्र दिया जिसके चलते आज सुनवाई टल गई। मामले में अगली सुनवाई 6 दिसंबर को होगी।

समाजवादी पार्टी ने पिछड़ों का हक लूटा: ओम प्रकाश राजभर

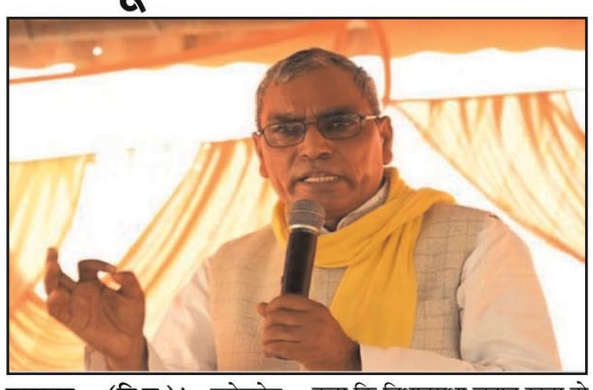

लखनऊ, (हि.स.)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी ने पिछड़ों का हक लूटा है। सत्ता में रहते हुए इन लोगों ने पिछड़ों का भला नहीं किया। अब जब विपक्ष में हैं तो उन्हें पिछड़ों की चिंता सता रही है। ओम प्रकाश राजभर ने गुरूवार को लखनऊ में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि विधानसभा चुनाव खत्म हो चुके हैं। जिसका इंतजार था उत्तर प्रदेश में मंत्रिमंडल का विस्तार जल्द होगा। राजभर के इस बयान को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिल्ली दौरे को लेकर देखा जा रहा है। योगी आदित्यनाथ का आज दिल्ली दौरा है और वह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात करेंगे।

तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय के वीसी प्रो. रघुवीर सिंह हायर एजुकेशन लीडर अवार्ड से सम्मानित

मुरादाबाद, (हि.स.)। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी मुरादाबाद के वीसी प्रो. रघुवीर सिंह हायर एजुकेशन लीडर ऑफ द ईयर-2023 के अवार्ड से नवाजे गए हैं। प्रो. सिंह को यह अवार्ड एजुकेशन सेक्टर में उनके एक्सट्राओरडिनरी कंट्रीब्यूशन-विशेष योगदान के लिए मिला है। ब्रेनवंडर्स की ओर से जयपुर के होटल क्लार्क्स में आयोजित 9वीं एडुलीडर्स समिट में यह अवार्ड ब्रेनवंडर्स के फाउंडर एवम् सीईओ मनीष नायडू और माइंड सेज इंटरनेशनल की फाउंडर एलिजाबेथ टेलर ने संयुक्त रूप से प्रो. सिंह को ट्राफी और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। समिट में देश की 100 से अधिक यूनिवर्सिटीज के नामचीन शिक्षाविदों ने शिरकत की। टीएमयू कुलाधिपति सुरेश जैन, जीवीसी मनीष जैन और एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर अक्षत जैन ने वीसी प्रो. रघुवीर सिंह को ट्राफी और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। समिट में देश की 100 से अधिक यूनिवर्सिटीज के नामचीन शिक्षाविदों ने शिरकत की। टीएमयू कुलाधिपति सुरेश जैन, जीवीसी मनीष जैन और एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर अक्षत जैन ने वीसी प्रो. रघुवीर सिंह को हायर एजुकेशन सेक्टर का ऊजार्वान व्यक्तित्व का धनी बताते हुए कहा कि प्रो. सिंह की लीडरशिप में तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी नित नई बुलंदियों को छुएगी। समिट में वीसी प्रो. सिंह रोल ऑफ एआई इन हायर एजुकेशन पर व्याख्यान देते हुए कहा कि एआई टेक्नोलॉजी का चमत्कार है, लेकिन यह एक दोधारी तलवार की मानिंद है। टेक्नोलॉजी ने हमारी लिविंग, वर्किंग, एजुकेशन, इंफॉर्मेशन सरीखी रिसीविंग और लर्निंग के तौर-तरीकों को बदल दिया है। इसीलिए एआई का प्रयोग करते समय सावधानी बरतने की दरकार है।

हाई कोर्ट ने मधु कोड़ा सहित अन्य के मामले में सीबीआई, ईडी और राज्य सरकार से मांगा जवाब

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट में गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा एवं उनके सहयोगियों के खिलाफ ईडी और सीबीआई में चल रहे केस के त्वरित निष्पादन को लेकर दुर्गा मुंडा की जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। मामले में याचिकाकर्ता की ओर से हस्तक्षेप याचिका (आईए) दायर कर मधु कोड़ा, बंधु तिर्की, भानु प्रताप शाही, कमलेश सिंह, विनोद कुमार सिन्हा, शौभिक चट्टोपाध्याय एवं संजय चौधरी को मामले में प्रतिवादी बनाने एवं उनके खिलाफ दर्ज केस के जल्द निष्पादन का आग्रह किया गया। सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से अधिवक्ता एके दास ने कोर्ट को बताया गया कि शौभिक चट्टोपाध्याय एवं संजय चौधरी अभी तक फरार चल रहे हैं। चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले में याचिकाकर्ता के आईए के आलोक में ईडी, सीबीआई, राज्य सरकार समेत अन्य प्रतिवादियों को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अभिषेक कुमार गुप्ता ने पैरवी की।

पूर्व की सुनवाई में कोर्ट ने याचिकाकर्ता को आईए दायर कर उन सारे जनप्रतिनिधियों एवं अन्य का नाम मांगा था, जिनके खिलाफ वे ईडी और सीबीआई में चल रहे केस का जल्द निष्पादन चाहते हैं। कोर्ट के आदेश के आलोक में याचिकाकर्ता की ओर से मधुकोड़ा सहित सात लोगों के नाम कोर्ट के समक्ष आईए के माध्यम से प्रस्तुत किया है। याचिकाकर्ता का कहना था की सुप्रीम कोर्ट ने भी जनप्रतिनिधियों के मामले की सुनवाई त्वरित गति से करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता की ओर से दायरे याचिका में पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा एवं उनके सहयोगी तत्कालीन मंत्रियों एवं अन्य के द्वारा सरकारी पैसे की लूट की गई थी। इनके खिलाफ सीबीआई और ईडी ने प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान किया है।

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में छापेमारी, नहीं मिले आपत्तिजनक सामान

रांची, (हि.स.)। धनबाद जेल में गैंगस्टर अमन सिंह की गोली मारकर हत्या के बाद राज्य के सभी जेलों में औचक निरीक्षण की कार्रवाई चल रही है। इसी कड़ी में गुरुवार सुबह करीब पांच बजे डीसी के निर्देश पर रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में छापेमारी की गई। यह छापेमारी करीब आठ बजे तक चली। जेल के अंदर प्रत्येक वार्ड एवं सेल की गहन तलाशी ली गई। छापेमारी का नेतृत्व डीडीसी दिनेश कुमार यादव ने किया। इस दौरान जेल में मौजूद अस्पताल की भी गहन जांच की गई। साथ ही महिला पुलिसकर्मियों ने प्रत्येक महिला वार्ड की भी तलाशी ली। छापेमारी दल ने महिला कैदी वार्ड के अलावा जेल के हॉस्पिटल को भी खंगाला। रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि छापेमारी के दौरान किसी भी तरह का कोई आपत्तिजनक सामान नहीं मिला है। हर वार्ड को बारीकी से खंगाला गया है। टीम में रांची सिटी एसपी राजकुमार मेहता, एसडीएम, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर भी शामिल थे। उल्लेखनीय है कि रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में कई कुख्यात अपराधियों और नक्सलियों के अलावा हाई प्रोफाइल कैदी भी बंद हैं। कई पावर ब्रोकर और जमीन के कारोबारी भी बंद हैं। पिछले दिनों इसी जेल के अधीक्षक और जेलर की कार्यशैली पर ईडी द्वारा सवाल उठाए जाने के बाद दोनों का तबादला कर दिया गया था।

अपनी कमियों का ठीकरा केंद्र सरकार पर फोड़ते हैं हेमंत सोरेन : बाबूलाल मरांडी

दुमका,(हि.स.)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने दुमका दौरे के दौरान कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी कमियों का ठीकरा केंद्र सरकार पर फोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हर जगह जाकर यह कहते हैं कि केंद्र सरकार ने हमारा एक लाख करोड़ से अधिक बकाया रखा है और जब उसे मांगते हैं तो ईडी-सीबीआई को पीछे लगा दिया जाता है। बाबूलाल मरांडी गुरुवार को दुमका परिसदन में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। बाबूलाल ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री से मांग करता हूं कि वे बकाया राशि का ब्रेकअप दें कि कितना बाकी है, किस मद का है और कब का है। सिर्फ बकाया-बकाया न चिल्लाएं। उन्हें लूटने और अपनी तिजोरी भरने के लिए रुपये नहीं दिए जा सकते। मरांडी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने गलत तरीके से अकूत संपत्ति अर्जित की है। इस मामले में ईडी द्वारा उन्हें बुलाया जाता है तो वे ईडी का सामना करने के बजाय अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। भागते फिर रहे हैं। कभी हाई कोर्ट जाते हैं तो कभी सुप्रीम कोर्ट ताकि इसे रुकवा सकें। उन्हें ईडी के सामने जाना चाहिए और सब कुछ बताना चाहिए लेकिन ऐसा वे नहीं कर सकते। क्योंकि, उन्होंने काफी गड़बड़ियां कर रखी हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पिछले दो दिनों से वे पाकुड़ में आदिवासी अधिकार रैली कर रहे थे। कुछ दिन पूर्व यह कार्यक्रम साहिबगंज में भी हुआ था। दोनों जगह भाजपा के इस कार्यक्रम में आदिवासियों की भीड़ उमड़ी, उससे यह पता चल रहा है कि आदिवासी समाज का रुझान भाजपा की ओर है। वह समझ चुके हैं कि भाजपा ही उनका हित चाहती है जबकि और दल सिर्फ उनका इस्तेमाल करते हैं। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा की लोकप्रियता को देखते हुए जिस तरह विपक्षी दलों ने गठबंधन बनाया है, उसमें सभी अपनी स्वार्थ सिद्धि को लेकर हैं।

चिकित्सकों ने निकाली साइकिल रैली, दिया स्वस्थ रहने का संदेश

भागलपुर, (हि.स.)। भागलपुर में चिकित्सकों ने गुरुवार को लोगों को स्वस्थ रहने के लिए जागरूक करने को लेकर साइकिल रैली का आयोजन किया। भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के 33वें बापीकौन अधिवेशन के पूर्व भागलपुर के चिकित्सकों ने साइकिल रैली निकालकर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। रैली मेडिकल कॉलेज परिसर से निकलकर तिलकामांझी चौक होते हुए पूरे शहरी क्षेत्र का भ्रमण करते हुए वापस मेडिकल कॉलेज पहुंचकर संपन्न हुई। इसके पूर्व साइकिल रैली को भागलपुर क्षेत्र के डीआईजी विवेकानंद ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान डीआईजी, डॉक्टर और शिक्षाविद मौजूद रहे।

कृषि भवन में दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषि यंत्रीकरण मेला शुरू

भागलपुर, (हि.स.)। जिले के कृषि भवन में दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषि यांत्रिकरण मेला का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन गुरुवार को भागलपुर के जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन और जिला कृषि पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। उल्लेखनीय है कि यांत्रीकरण मेले में किसानों के लिए कम दामों पर फसल कटाई और बुआई के लिए आधुनिक मशीनें उपलब्ध करायी गयी है। वहीं मेले में किसानों के लिए खेती से जुड़ी सभी प्रकार की जानकारी भी उपलब्ध करायी जा रही है। दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषि यंत्रीकरण मेला में जिले के अलग-अलग हिस्सों से काफी संख्या में किसान पहुंच रहे हैं। इस दौरान जिलाधिकारी ने किसने से आधुनिक यंत्रों का उपयोग करते हुए खेती करने का अपील करते हुए कहा कि जिस भी किसान का चयन लॉटरी सिस्टम से यंत्र खरीदने में हुआ है। वह 19 दिसंबर तक अपने-अपने यंत्र अवश्य खरीद लें। नहीं तो उसे दूसरे किसानों को दे दिया जाएगा। इस दौरान जिलाधिकारी ने मेले में लगे विभिन्न स्टालों का भी निरीक्षण किया।

पटना समेत कई जिलों में मिचौंग तूफान के असर से बारिश

पटना, (हि.स.)। मिचौंग तूफान के चलते बिहार का मौसम बदल गया है। पटना सुपौल, अररिया, किशनगंज, मधेपुरा, सहरसा, पूर्णिया, कटिहार, बक्सर, भोजपुर, रोहतास, भभुआ, अरवल, औरंगाबाद, गया, नालंदा, नवादा, शेखपुरा, दरभंगा , बेगूसराय, लखीसराय, जहानाबाद, भागलपुर, बांका, जमुई, मुंगेर और खगड़िया में गुरुवार को एक या दो जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार बारिश की वजह से तीन दिन के बाद राज्य का न्यूनतम पारा 2-3 डिग्री गिर सकता है। पटना मौसम विभाग के पूवार्नुमान के मुताबिक 9 दिसम्बर से बिहार का मौसम तेजी से बदल सकता है। अभी जो न्यूनतम तापमान 16 से 18 डिग्री के आसपास है, वो गिरकर 12 से 14 डिग्री सेल्सियस तक आ सकता है। इसके बाद 10 दिसम्बर को तापमान में और गिरावट की आशंका है और प्रदेश का न्यूनतम तापमान 10 से 12 डिग्री सेल्सियस तक आ सकता है।

मायागंज अस्पताल में मेडिकल छात्रों का धरना प्रदर्शन फिर से हुआ शुरू

भागलपुर, (हि.स.)। मेडिकल छात्रा राजीव रंजन के आत्महत्या मामले को लेकर जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय के एमबीबीएस छात्रों का धरना प्रदर्शन गुरुवार से पुनः शुरू हो गया है। हालांकि इन्होंने मरीज के इलाज को किसी भी तरह से बाधित नहीं किया है लेकिन छात्रों का प्रदर्शन ओपीडी के सामने फिर से प्रारंभ हो गया है। प्रदर्शन कर रहे मेडिकल के छात्रों ने बताया कि हम लोगों से जिला प्रशासन और कॉलेज प्रबंधन के अधिकारियों से वार्ता हुई थी। उसमें एक विशेष कमिटी का गठन किया गया है। तीन दोनों का समय हम लोगों से लिया गया था लेकिन ना ही जिला प्रशासन इस पर कोई लिखित आदेश जारी किया है और ना ही अस्पताल प्रबंधन ने। हम लोग पांच सूत्री मांगों के समर्थन में आंदोलन कर रहे हैं। अब तक हमलोगों की एक भी मांग पूरी नहीं हुई है। ऐसे में अब हम लोग कमेटी की रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। अगर हमारे हित में यह जांच रिपोर्ट नहीं आई तो आगे की रणनीति तय कर हम लोग फिर से उग्र आंदोलन के लिए बाध्य हो जाएंगे। उल्लेखनीय हो कि बीते शनिवार को मेडिकल छात्र राजीव रंजन ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली थी।

कर्नाटक के खाद्य प्रसंस्करण फैक्ट्री में मृतक मजदूरों का शव आते ही मचा कोहराम

बेगूसराय, (हि.स.)। कर्नाटक के विजयपुरा जिले के अलियाबाद औद्योगिक क्षेत्र में राजगुरु इंडस्ट्रीज के अनाज गोदाम में मक्का से भरे ड्रायल के नीचे दब कर मरे बेगूसराय के तीन मजदूरों का शव देर रात गांव आते ही कोहराम मच गया है। परिजनों के करुण क्रंदन से हर कोई गमगीन है। मृतक गढ़पुरा प्रखंड क्षेत्र के सोनमा निवासी स्व. बिंदेश्वरी मुखिया के पुत्र शंभू मुखिया एवं पुलकित मुखिया के पुत्र दुलारचंद मुखिया तथा बखरी के विजयलख निवासी लड्डू लाल मुखिया के पुत्र कृष्ण कुमार का शव देर रात करीब एक बजे सरकारी एंबुलेंस से घर लाया गया। इसके बाद गुरुवार को तीनों शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि बखरी अनुमंडल क्षेत्र से 40-50 लोग नवम्बर महीने में मजदूरी करने के लिए कर्नाटक गए थे। वहां विभिन्न फैक्ट्री में काम करने लगे। इसमें से 12-15 मजदूर राजगुरु फूड्स इंडस्ट्रीज में काम करने लगे। चार दिसम्बर की शाम कुछ मजदूर अंदर में ड्रायल से मक्का निकाल कर बोरा सिलाई करके गाड़ी पर लोड कर बाहर भेज रहे थे। उसी समय ड्रायल गिरने लगा तथा अंदर काम कर रहे सभी मजदूर मक्का एवं मक्का से भरे बोरा के नीचे दबने लगे। जिसमें बेगूसराय के सोनमा निवासी शंभू मुखिया एवं दुलारचंद मुखिया तथा विजयलख निवासी कृष्ण कुमार सहित सात मजदूरों की मौत हो गई। जबकि, राम लखन मुखिया, रंजीत मुखिया, संतोष मुखिया, विकेश मुखिया, विकेश सदा एवं मुकेश मुखिया सहित अन्य घायल हो गए थे।

संपादकीया

चुनाव के निगम

समाज में लोकतांत्रिक मूल्य और समुदाय में प्रदेश की छवि को निहारने के लिए स्थनीय निकाय अपने चुनावों के मार्फत मूल्यांकन करते रहते हैं और इसी कड़ी में नगर निगम मेयरों की नुमाइश में सियासी संस्कृति की घुसपैठ देखी जा सकती है। दरअसल जिस बिसात तक मेयर चुनने की तफतीश ले आए हैं, वहां मुद्दे नहीं मंडी के हिसाब से बिकने की नौबत आन खड़ी हुई है। आखिर जनता के पास अब तो इतना कौशल भी नहीं बचा कि वह योग्यता व दक्षता के आधार पर अपने लिए पार्षद चुन सके, तो मेयर चुनना उसके लिए एक अद्भुत लाटरी सरीखा हो गया। पार्षदों की संख्या में मेयर की बाजी अब विधायक के मत से दखलंदाजी हो गई या यही करिश्मा निगम को महज एक चुनाव बना रहा है। धर्मशाला नगर निगम में मेयर को तलाशती आंखें जब खुलती हैं, तो कांग्रेस के हाथ यह पद लग जाता है। पालमपुर अपने चिन्हित इरादों को कांग्रेस के सुपुर्द कर देता है, तो मंडी में भाजपा की वकालत पसर जाती है। अब शीर्षासन पर खड़ा सोलन नगर निगम कसरतें कर रहा है। कभी सूचना पर धुंध, तो कभी कोरम के दरवाजे छोटे पड़ जाते हैं। मेयर का चुनाव न हुआ सियासी जलजला हो गया। सोमवार की चुनावी प्रक्रिया अनुपस्थित हो गई, तो अब कोई चिडिया फिर खेत चुगने आएगी या पार्टियों के बाराती दूल्हा सजाएंगे। कांग्रेस अपने बहुमत के वजूद में आत्मविश्वास ढो पाती है या सात पार्षदों पर टिकी भाजपा की किश्ती में सपने ढोने का कोई बहाना मिल जाएगा। गुरुवार पुनः ताजपोशी एक मेयर की, न जाने कौन सी कहानी लिखेगी, वैसे मेहरबां तेरे कूचे आ के खड़े हैं-हैं नगर निगम के रथ पर बैठे विधायक भी। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डा. राजीव बिंदल गंभीरता से कटाक्ष करते हैं कि इतनी ही जरूरत है तो मेयर का पद विधायक को ही दे दिया जाए। बहरहाल हिमाचल का नागरिक समाज न तो गांव में खुद को बदल पा रहा है और न ही शहरी परिदृश्य में कुछ बदलाव का एहसास कर पा रहा है। सियासत तो उसी सूरत में ढोल बजाती हुई निकल जाएगी, लेकिन शहर को समझने के लिए 'मेयर' का पद मजाक बन गया। हो सकता है और जैसी कि उम्मीद है वर्तमान सरकार भी कुछ और नगर निगम चुन लेगी, लेकिन क्या शहरी रूपरेखा में हिमाचल के पर्वतीय शहर जीना सीख लेंगे। पार्षद को ही मेयर बनाने की बाजी सियासी तौर पर एक कुशल अभिनय हो सकती है, लेकिन इससे शहरी उत्थान का विजन पैदा नहीं होगा। उदाहरण के लिए हमीरपुर में प्रस्तावित नगर निगम की सीमा लगभग दो दर्जन गांवों में घुसेगी, लेकिन इसके बदले मिलेंगे पंद्रह पार्षद और एक मेयर। क्या गांव को नई भूमिका में मेयर समझ पाएगा या दो दर्जन पंचायत प्रधान खोकर शहर का प्रबंधन बदल जाएगा। अंततः शहरी मॉडल को स्थापित करने के लिए दूरदृष्टि, संकल्प, कुशल प्रबंधन व नागरिक आचरण की जरूरत है। दिल्ली में शहरी मसलों पर हुए 'पर्वत मंथन' से यह तो स्पष्ट हुआ है कि कुछ अलग मानदंड से हिमालयी राज्यों के शहरीकरण को संबोधित करने की आवश्यकता है। पर्वतीय राज्यों में भी अब शहरी विकास की होड़ एक ओर नागरिक सुविधाओं की मांग कर रही है, जबकि दूसरी ओर शहर को व्यवस्थित करने के लिए अतिरिक्त संसाधनों की अपेक्षा रखती है। पर्वतीय शहर के खाके में पर्यावरणीय खतरे व समाधान के बीच सामंजस्य व अस्तित्व के लिए वनापत्तियों में कुछ छूट चाहिए। हिमाचल जैसे प्रदेश की संरचना में पर्यटन की अहमियत, शहरीकरण की हैसियत तथा जीवन शैली की कैफियत को समझते हुए टीसीपी कानून को सशक्त करना होगा। यह असाधारण प्रक्रिया के तहत होगा और इसके लिए शहरी मानसिकता में बदलाव की जरूरत है। कम से कम पांच नगर निगमों की परिपाटी में इतना तो परिवर्तन लाया जाए कि नागरिक समाज राजनीति से ऊपर उठकर ऐसे पार्षदों का चयन करे जो भविष्य के लिए काम कर सकें। कम से कम मेयर चुनावों ने यह बता दिया है कि नगर निगमों के भीतर भी सियासत के बेकार संदूक भरे हैं, जबकि पर्वतीय शहरीकरण को संबोधित करने के लिए खास विजन के लोग ही आगे आने चाहिएं। यदि मेयर के प्रत्यक्ष चुनाव हों, तो शहरी व्यवस्था में गुणात्मक सुधार लाने की दृष्टि से लोग ऐसे उम्मीदवार को ही बढ़त देंगे जो प्रशासनिक अनुभव तथा उच्चकोटि के आचरण से प्रभावित कर पाएगा।

धर्मशाला नगर निगम में मेयर को तलाशती आंखें जब खुलती हैं, तो कांग्रेस के हाथ यह पद लग जाता है। पालमपुर अपने चिन्हित इरादों को कांग्रेस के सुपुर्द कर देता है, तो मंडी में भाजपा की वकालत पसर जाती है। अब शीर्षासन पर खड़ा सोलन नगर निगम कसरतें कर रहा है। कभी सूचना पर धुंध, तो कभी कोरम के दरवाजे छोटे पड़ जाते हैं। मेयर का चुनाव न हुआ सियासी जलजला हो गया। सोमवार की चुनावी प्रक्रिया अनुपस्थित हो गई, तो अब कोई चिडिया फिर खेत चुगने आएगी या पार्टियों के बाराती दूल्हा सजाएंगे। कांग्रेस अपने बहुमत के वजूद में आत्मविश्वास ढो पाती है या सात पार्षदों पर टिकी भाजपा की किश्ती में सपने ढोने का कोई बहाना मिल जाएगा। गुरुवार पुन : ताजपोशी एक मेयर की, न जाने कौन सी कहानी लिखेगी, वैसे मेहरबां तेरे कूचे आ के खड़े हैं–हैं नगर निगम के रथ पर बैठे विधायक भी। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डा. राजीव बिंदल गंभीरता से कटाक्ष करते हैं कि इतनी ही जरूरत है तो मेयर का पद विधायक को ही दे दिया जाए। बहरहाल हिमाचल का नागरिक समाज न तो गांव में खुद को बदल पा रहा है और न ही शहरी परिदृश्य में कुछ बदलाव का एहसास कर पा रहा है।

राजनीतिक दलों एवं उनके नेताओं की बौखलाहट बढ़ती जा रही है

हिंदी पट्टी के राज्यों को 'गौमूत्र राज्य' की संज्ञा देना राजनीतिक बौखलाहट है

ललित गर्ग

तीन राज्यों- राजस्थान, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक एवं शानदार जीत से इंडिया गठबंधन के विभिन्न राजनीतिक दलों एवं उनके नेताओं की बौखलाहट बढ़ती जा रही है। इसी बौखलाहट का नतीजा है तमिलनाडु की सत्ताधारी दल डीएमके पार्टी के सांसद डीएनवी सेंथिलकुमार के द्वारा संसद में हिंदी पट्टी के राज्यों को 'गौमूत्र राज्य' की संज्ञा देना। उनके ऐसा बोलते ही संसद से लेकर बाहर के राजनीतिक गलियारों में हंगामा खड़ा हो गया। भाजपा ने सेंथिलकुमार के इस बयान का विरोध किया तो सांसद ने माफी मांग ली और लोकसभा की कार्यवाही से उनका बयान अब हटा दिया गया है। साथ ही कांग्रेस ने भी उनके इस बयान से पल्ला झाड़ लिया है। राजनीतिक स्वार्थों एवं संकीर्णताओं के चलते भारत की हजारों साल पुरानी संस्कृति एवं परम्परा को धुंधलाने एवं झुठलाने के ये षड्यंत्र राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता की बड़ी बाधा है। गाय न केवल भारत की सनातन परम्परा बल्कि आम जनजीवन में आस्था का सर्वोच्च केन्द्र है। भारतीय गोवंश को माता का दर्जा दिया गया है इसलिए उन्हें 'गौमाता' कहते है, हमारे शास्त्रों में गाय को पूजनीय बताया गया है। हमारी माताएं बहनें रोटी बनाती हैं तो सबसे पहली रोटी गाय को ही देती हैं। गाय का दूध अमृत तुल्य होता है। न केवल गाय का दूध बल्कि समस्त गौ-उत्पाद भी अमूल्य है। इन दिव्य अमृत पंचगव्य का उपयोग यज्ञ, आध्यात्मिक अनुष्ठानों, बीमारी से निजात पाने और संपूर्ण मानवता के कल्याण के लिए किया जाता है। इसलिये गौमाता को आधार बनाकर भाजपा की जीत पर हमला करने की यह कुचेष्टा न केवल मानसिक दिवालियापन है बल्कि इससे भारत की जनभावनाएं आहत एवं लहूलुहान हुई है। गौमाता पर की गयी यह टिप्पणी एक सम्पूर्ण परम्परा एवं संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्टा है। ऐसी कुचेष्टाएं एवं साजिशें पूर्व में भी हुई हैं। तब भी गौमाता की तरह ही सनातन धर्म पर आपत्तिजनक बयानों से देश को तोड़ने का षड्यंत्र हुआ। तब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने विवादास्पद बयान में सनातन धर्म की तुलना डेंगी, मच्छर, मलेरिया और कोविड से करते हुए असंख्य सनातनधर्मियों की आस्था पर कुठाराघात किया था। उनकी ही पार्टी डीएमके के सांसद ए. राजा ने तो हदें ही लांघते हुए हिंदू धर्म को 'न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए अभिशाप तक कह दिया था।' इन डीएमके नेताओं के बयानों से जब विवाद संभला नहीं तो उन्होंने सफाई दी, माफी मांग ली। अपनी कही बातों से किनारा पाने की इस बार भी पूर्व की तरह चेष्टा हुई, ये स्थितियां भारतीय राजनीति की विडम्बना

एवं विसंगति है। कांग्रेस की हार का कारण ऐसी विसंगतियां ही बनती रही हैं। प्रश्न है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी क्या उत्तर भारतीयों के खिलाफ अपने सहयोगी दल के अपमानजनक बयानों से सहमत हैं? तीन राज्यों में से दो राज्यों- राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ में ही इन चुनावों से पहले उसी की सरकारें थीं। क्या हिन्दी राज्यों का अपमान एवं तिरस्कार करते हुए कांग्रेस आगे बढ़ने की सोच भी सकती है? कांग्रेस कब तक देश को विघटित करने की राजनीति करती रहेगी? क्योंकि कांग्रेस के दबदबे वाली इंडिया गठबंधन में भी डीएमके एक अहम साझेदार है। उत्तर भारत मे 'गौमाता' पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी से कांग्रेस को किनारा करना, उसकी सूझबूझ एवं विवेक से ज्यादा विवशता है। यही कारण है महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री मिलिंद देवड़ा ने इस टिप्पणी पर नाराजगी जताई और इसे अफसोसजनक बताया। उन्होंने खुद को सनातनी कहा है। कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने भी कहा कि डीएमके की राजनीति अलग है। कांग्रेस उनकी राजनीति से सहमत नहीं है। कांग्रेस 'सनातन धर्म' और 'गौमाता' में भी विश्वास करती है।' क्या कांग्रेस का यह विश्वास सच्चा विश्वास है या वोट हासिल करने का हथियार मात्र है। इंडिया गठबंधन से जुड़े एक खास दल ने सनातनी परंपरा एवं हिन्दू भाषी राज्यों का बहुत बड़ा निरादर किया है। सनातनी परंपरा, सनातनियों एवं हिन्दू राज्यों का इस तरह का अपमान देश कैसे बर्दाश्त करेगा? निश्चित ही देश की आस्था के साथ खिलवाड़ करने वाले दलों एवं नेताओं को जनता मुंहतोड़ जवाब देती है और देती रहेगी। आखिर सवाल यह भी है कि हिंदी या हिंदी भाषी राज्यों के विरोध में डीएमके पार्टी एवं उसके नेता किस हद तक गिरेंगे। हिंदी भाषी राज्यों को लेकर मन में यह दुराग्रह से आखिर क्या हासिल होने वाला है। इससे फायदे की जगह नुकसान ही होता है। डीएमके नेता सीधे-सीधे हिंदी भाषी प्रांतों में रहने वाले लोगों का अपमान कर रहे हैं। भाजपा की जीत जनभावनाओं की जीत है और जीत का यह विजय रथ हिन्दी भाषी राज्यों के साथ-साथ दक्षिण भारत में भी विजय-पताका फहराते हुए आगे बढ़ रहा है। तेलगांना में भाजपा एक सीट से 8 तक आगे बढ़ी है, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में भाजपा अपने होने का अहसास करा रही है, कोई आश्चर्य नहीं कि वहां पैर जमाते हुए भाजपा की सरकारें भी बनने लगें। कर्नाटक में तो उसने लम्बे समय तक शासन किया है। तीन राज्यों की ऐतिहासिक जीत से भाजपा का मनोबल जहां बढ़ा है वहीं इंडिया गठबंधन एवं कांग्रेस का मनोबल गिरा है। भाजपा एवं मोदी की सोच, नीतियां, योजनाएं एवं दृष्टिकोण की जीत पर विपक्षी दलों की ये ओछी प्रतिक्रियाएं उसे अधिक बलशाली ही बनायेगी। आदिवासी विकास का संकल्प, महिलाओं की भूमिका और 33 प्रतिशत आरक्षण का आश्वासन, समान नागरिक संहिता, सांस्कृतिक मूल्यों का विकास, युवाओं के लिये रोजगार, विश्वगुरु बनाने की कार्ययोजना, देश की सुरक्षा एवं साख जैसे गंभीर मुद्दों पर सार्थक उपक्रम का मोदी ही दम रखते जान पड़ते हैं। देश को आगे बढ़ाना है तो तुष्टीकरण, धर्म एवं संस्कृति को आहत करने की विकृत मानसिकता और भ्रष्टाचार से मुक्त होना आवश्यक है। मोदी ही गारण्टी की गारण्टी है, लेकिन इसमें अहंकार नहीं है, मोदी ने अपनी जगह पार्टी एवं देश की जनता को ही प्रमुखता दी, देश की जनता को हमेशा आगे रखा है। उन्होंने चुनावी सभाओं में साफ कहा कि पार्टी का चेहरा कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि कमल का फूल है, साफ-सुथरी नीतियां हैं, देश को सशक्त बनाने का संकल्प है। निश्चित ही इस बार के चुनाव परिणाम सनातन भारत को मजबूती देने वाले हैं, सनातन का अर्थ सच्चा भारत, सच्ची मानवीयता एवं उदात्त जीवन मूल्य। यही कारण है कि इसी सनातन के शिखर गौमाता को आधार बनाकर डीएमके पार्टी ने अपनी बौखलाहट को उजागर कर राजनीतिक अपरिपक्वता को दर्शाया है। भारतीय न्याय व्यवस्था ने भी समय-समय पर ऐसे विवादास्पद एवं आपत्तिजनक मामलों में कहा है कि जब धर्म एवं आस्था को लेकर कोई टिप्पणी की जाती है तो उसमें ध्यान रखना चाहिए कि उससे किसी की भावनाएं आहत नहीं होनी चाहिए। संविधान में बोलने की आजादी मिली हुई है लेकिन बोलने की आजादी नफरत में नहीं बदलनी चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता घृणित भाषण नहीं हो सकती। यदि इसे नजरंदाज किया जाता है तो किसी भी बहस की दिशा पटरी से उतर जाएगी और इसके पीछे का उद्देश्य अपना महत्व खो देगा। अभियव्यक्ति की स्वतंत्रता निष्पक्ष और स्वस्थ सार्वजनिक बहसों को प्रोत्साहित करती है तो इससे समाज को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। गौमाता एवं सनातन धर्म पर विवाद निरर्थक है।

भाजपा ने सेंथिलकुमार के इस बयान का विरोध किया तो सांसद ने माफी मांग ली और लोकसभा की कार्यवाही से उनका बयान अब हटा दिया गया है। साथ ही कांग्रेस ने भी उनके इस बयान से पल्ला झाड़ लिया है। राजनीतिक स्वार्थों एवं संकीर्णताओं के चलते भारत की हजारों साल पुरानी संस्कृति एवं परम्परा को धुंधलाने एवं झुठलाने के ये षड्यंत्र राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता की बड़ी बाधा है। गाय न केवल भारत की सनातन परम्परा बल्कि आम जनजीवन में आस्था का सर्वोच्च केन्द्र है।

दृष्टि कोण

जनसंख्या : समस्या अथवा वरदान

जनसंख्या के लिहाज से भारतवर्ष विश्व का दूसरा सबसे बड़ा देश है। आबादी के आकार की बात करें तो हमारा देश अमरीका, इंडोनेशिया, ब्राजील, पाकिस्तान, बांग्लादेश और जापान की सम्मिलित आबादी के बराबर है और पिछले 10 वर्षों में हमारे देश की जनसंख्या में एक पूरे देश ब्राजील की जनसंख्या और जुड़ गई है। जनसंख्या बढने का मतलब है कि हमें ज्यादा लोगों के शिक्षा के साधन, रोजगार, खाना और रहने के लिए मकान चाहिएं। हमारे देश में बहुत सी समस्याएं हैं, जनसंख्या की समस्या उनमें से बहुतों का मूल है, पर यह भी सच है कि ज्यादा आबादी के कारण आज हम लाभ की स्थिति में भी हैं। भारतवर्ष में 15 वर्ष से 59 वर्ष के लोगों की वृद्धि का अनुपात आबादी की वृद्धि के अनुपात से अधिक है और यह स्थिति 2030 तक बने रहने की उम्मीद है। यह वह आबादी है जो काम में लगी है अथवा काम में लगाई जा सकती है। ऐसी जनसंख्या वाला भारत एकमात्र विकासशील देश है। आज हमारे सामने सवाल

यह है कि जनसंख्या के इस वर्ग को काम में लगाकर हम इसे अपने लिए वरदान बना लेंगे या फिर राजनेताओं की थोथी बयानबाजी और अपनी खुद की लापरवाही, अकर्मण्यता तथा अज्ञान के कारण बढ़ती आबादी को अपने लिए अभिशाप बना लेंगे तथा वर्तमान से भी ज्यादा गरीबी तथा साधनहीनता की स्थिति में पहुंच जाएंगे। हमारे सामने यह एक बड़ी चुनौती है, और यही एक बड़ा अवसर भी है। फ्रेंच पोलिटिकल साइंटिस्ट क्रिस्टोफर ज़ैरफरेलो दक्षिण-पश्चिम एशिया मामलों के विशेषज्ञ हैं और भारत-पाकिस्तान पर उनकी खास पकड़ है। उनकी संपादित पुस्तक 'इंडिया सिंस 1950 : सोसाइटी, पॉलिटिक्स, इकोनोमी एंड कल्चर' में भारत का राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक विश्लेषण किया गया है। इसी पुस्तक के अध्याय 'इंडिया 2025' के अनुसार भारतवर्ष उभरती अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक संभावनाओं वाला देश है। यहां न सिर्फ राजनीतिक स्थिरता है, बल्कि यहां लोकतंत्र के साथ बाजार आधारित अर्थव्यवस्था भी है। हालांकि भारत की विकास दर यदा-कदा ही दोहरे अंक तक पहुंच सकी है, लेकिन पिछले दस वर्षों से यह 7-8 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। जीडीपी के लिहाज से 2025 तक हमारा देश अमरीका और चीन के बाद तीसरा सबसे बड़ा देश बन जाएगा। बचत और निवेश की अच्छी दर का भी भारत को लाभ मिलेगा और सन 2030 तक देश की उत्पादकता भी बढ़ती रहने के संकेत हैं। विद्वानों का मानना है कि उत्पादकता बढने के पांच मुख्य कारण हैं। एक, अर्थव्यवस्था में कृषि की जगह उद्योग और सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी में बढ़ोत्तरी, दो विश्व अर्थव्यवस्था में भारतीय कंपनियों की बढ़ती हिस्सेदारी, तीन बैंकिंग सेक्टर का आधुनिकीकरण, चार आईटी टूल्स का बढ़ता इस्तेमाल और पांच, संचार व परिवहन के साधनों का विकास। क्या भारतीय अर्थव्यवस्था इसी रफ्तार से आगे बढ़ सकती है? अगर हां, तो आने वाले वर्षों में इसके क्या सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक परिणाम होंगे? एक चुनौती तो स्पष्ट रूप से बढ़ती असमानता है। यह असमानता सिर्फ सामाजिक स्तर पर नहीं, बल्कि भौगोलिक स्तर पर भी है। ग्रामीण भारत आगे नहीं बढ़ रहा है। इससे ग्रामवासियों में शहरी मध्यवर्ग के मुकाबले गहरी हताशा पैठ सकती है और यह असंतोष माओवादियों अथवा ऐसे ही अन्य संगठनों के पक्ष में जा सकता है। हमारी चुनौती यह है कि आबादी को हम बोझ न बनने दें, बल्कि उसे परिसंपत्ति में परिवर्तित कर दें। माना जाता है कि भारत की आबादी इक्कीसवीं सदी के मध्य तक चीन को पार कर डेढ़ अरब हो जाएगी।

कुछ अलग

ईवीएम और 'गौमूत्र' राजनीति

ये कुंठित और घिसे-पिटे आरोप हैं। चुनावी जनादेश के बाद मतदान की ईवीएम को कोसना विपक्ष की फितरत रही है। उसके आरोप रहे हैं कि ईवीएम में चिप का इस्तेमाल किया जाता है, लिहाजा उसे 'हैक' किया जा सकता है। ऐसी दलीलें दी जाती रही हैं मानो देश भर की ईवीएम में भाजपा घुस कर बैठी है और वह जनादेश को पलट देती है। यह हमारे लोकतंत्र और करोड़ों मतदाताओं का अपमान भी है। दिसंबर, 1998 में 'जनप्रतिनिधित्व कानून' में संशोधन किया गया था और बैलेट पेपर के स्थान पर ईवीएम के जरिए मतदान करने की व्यवस्था लागू की गई थी। उसके बाद 2004 का लोकसभा चुनाव सबसे महत्वपूर्ण था, जिसमें करीब 17.5 लाख ईवीएम का इस्तेमाल किया गया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के 'भारत उदय' नारे के बावजूद भाजपा चुनाव हार गई और कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष का गठबंधन बना-यूपीए। मई, 2014 तक उसने दो सत्ता-काल देखे। उस दौरान ईवीएम से ही मतदान कराए गए। कहीं विपक्ष जीता, तो कहीं भाजपा की सत्ता आई। आज भी देश के 18 राज्यों में भाजपा-एनडीए और 13 राज्यों में कांग्रेस, वाममोर्चा और साथी दलों की सरकारें हैं। हाल ही में तेलंगाना में कांग्रेस को जनादेश ईवीएम के जरिए ही प्राप्त हुआ है। राज्य के नए, कांग्रेसी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी बने हैं। इसके पहले कर्नाटक और हिमाचल में कांग्रेस जीती थी और वहां उसकी सरकारें काम कर रही हैं। जिन राज्यों-मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान-में कांग्रेस अब पराजित हुई है, वहां 2018 में उसे ही, ईवीएम के जरिए, जनादेश हासिल हुए थे। अब कांग्रेस नेताओं के अलावा, सपा, बसपा और नेशनल कॉन्फ्रेंस आदि विपक्षी दलों ने भी ईवीएम में 'भाजपा के भूत' होने की कुंठित दलीलें दी हैं। विरोध सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है, बल्कि द्रमुक सांसद सेंथिल कुमार ने लोकसभा में ही बयान देकर जनादेश को 'उत्तर बनाम दक्षिण' करने की मंशा जाहिर की है। उन्होंने कहा कि भाजपा हिंदी पट्टी के 'गौमूत्र' वाले राज्यों में ही चुनाव जीतती है। हालांकि इस कथन को लोकसभा की कार्यवाही के रिकॉर्ड से बाहर कर दिया गया है, लेकिन यह अपमान कौन सहेगा? द्रमुक के नेताओं ने ही 'सनातन' के समूल नाश की बात कही थी और उसकी तुलना एड्स और कोढ़ जैसी बीमारियों से की थी। क्या ऐसी गालियां देना राजनीति के लिए जरूरी है? द्रमुक विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का ही घटक-दल है। कांग्रेस के कई नेताओं ने द्रमुक सांसद के ऐसे बयान की भत्र्सना की है। माफी मांगने के आग्रह भी किए गए। अंततः सांसद को माफी मांगनी पड़ी, लेकिन ऐसा भाजपा-विरोध देश की 'विविधता में एकता' संस्कृति का अपमान और उल्लंघन है। सवाल है कि क्या ऐसी विभाजक राजनीति के जरिए ही 2024 का आम चुनाव जीता जा सकता है? क्या यह विभाजनकारी मानसिकता ही विपक्ष का नया राजनीतिक एजेंडा है? क्या देश में गौ, गंगा, गायत्री, गीता का अपमान बर्दाश्त किया जा सकता है? लोकतंत्र में जनादेश ही अंतिम निर्णय है। वह जनता का निर्णायक रुख है। उसी के आधार पर देश में, राज्यों में, उत्तर-दक्षिण-पूर्व-पश्चिम में सत्ताएं तय होती रही हैं। जहां तक ईवीएम का प्रश्न है, तो उससे जुड़े विवाद सर्वोच्च अदालत तक जा चुके हैं। चुनाव आयोग ने भी सर्वदलीय निमंत्रण दिया था और मशीन में गड़बड़ी निकालने की चुनौती दी थी। उसे विपक्ष ने स्वीकार क्यों नहीं किया? अब भी संशय में डूबा विपक्ष या उनका कोई भी प्रतिनिधि उचित मंच में ईवीएम को चुनौती दे सकता है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है, लिहाजा विपक्ष की गुत्थियों को सुलझाया जाएगा।

देश दुनीया से

सोशल मीडिया में अश्लीलता का दुष्प्रभाव

भारतीय संस्कृति में सदाचरण, चरित्र निर्माण, विनम्रता, प्रेम, दया, त्याग और आदर-सम्मान जैसे सद्गुणों को प्रमुखता दी जाती रही है। इसके बावजूद हमें कुपथगामी एवं दुराचारी लोगों के किस्सों की कथाएं आए दिन प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में पढने, देखने और सुनने को मिलती रहती हैं, जिससे कहीं न कहीं यह भावना बलवती होती है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था में संस्कारों, आदर्शों, मूल्यों और नैतिक आचरण को लेकर भरपूर मार्गदर्शन होने के बावजूद क्यों समाज के कुछ लोग पथभ्रष्ट होकर गलत कार्यों में संलग्न रहकर सामाजिक ताने-बाने को दूषित करने का प्रयास करते हैं? यह सच है कि इंटरनेट, गूगल और सोशल मीडिया के लाभों को आज नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। आप यूट्यूब और गूगल सर्च इंजन से कैसी भी जानकारी तत्काल हासिल कर अपनी ज्ञान सुधा तृप्त कर सकते हैं। लेकिन इन्हीं माध्यमों पर उपलब्ध अश्लील सामग्री का आप क्या करेंगे? फेसबुक की वीडियो वाली रील्स सेक्शन में गंदे और अश्लील वीडियो की भरमार है, उस पर तुरंत रोक लगनी चाहिए। सोशल मीडिया ने इसके उपयोगकर्ताओं को एक प्लटेफार्म उपलब्ध करवाया है। इस माध्यम द्वारा आप लेखन कार्य, पारिवारिक गतिविधियों, अपनी उपलब्धियों, विशेष पारिवारिक समारोह के चित्रों/वीडियो को व्यक्तिगत रूप से सांझा कर सकते हैं और सार्वजनिक रूप से आम लोगों तक पहुंचा सकते हैं। लेकिन सिक्के के दो पहलुओं की माफिक आजकल इंटरनेट और सोशल मीडिया के अच्छे बुरे दोनों रूपों के इस्तेमाल को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। इन प्लेटफॉम्र्स को जहां आप अपनी रुचियों के परिमार्जन और आपसी मेल मिलाप आदि के दृष्टिकोण से सदुपयोग कर सकते हैं तो वहीं कुछ दुष्ट प्रवृत्ति के लोग इन प्लेटफॉम्र्स को रुपया कमाने और हमारी युवा शक्ति को बिगाड़ कर सामाजिक माहौल को दूषित करने में दिन-रात लगे हुए हैं। लिहाजा इन माध्यमों पर परोसी जा रही अश्लीलता पर कानूनी तौर पर रोक लगाना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है। सबसे पहले 1997 में पहला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सिक्सडिग्री लॉन्च किया गया था। इसकी स्थापना एंड्रयू वेनरिच ने की थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक बीते एक साल में इंटरनेट यूजर्स की संख्या 7.6 फीसदी बढ़ी है और यह 4.72 अरब तक पहुंच गई है। भारत में फेसबुक पर एक महीने में लगभग 200 करोड़, यूट्यूब पर 100 करोड़, इंस्टाग्राम पर 70 करोड़, रेड्डिट के 25 करोड़, पिनट्रेस्ट के 15 करोड़, आस्क एफएम के 16 करोड़ उपयोगकर्ताओं सहित करोड़ों भारतीय अन्य सोशल मीडिया साइट्स पर विजिट्स करते हैं। आज दुनिया की कुल आबादी के 60 प्रतिशत से अधिक के बराबर जनता सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रही है। आज की तारीख में गलत सूचनाएं और उम्र छुपा कर 9-10 साल के छोटे-छोटे बच्चों ने भी फेसबुक पर अपने अकाउंट खोल रखे हैं और धड़ल्ले से सोशल मीडिया का उपयोग कर रहे हैं। ऑनलाइन शिक्षण के नाम पर बच्चों को स्मार्टफोन देना या उपलब्ध करवाना और उसे हर वक्त डाटा उपलब्ध करवाना मां-बाप की मजबूरी बन चुकी है। अब अभिभावक शिक्षित हो या अशिक्षित, प्रत्येक क्षण अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखने से रहे, ऐसे में भारत में बढ़ता स्मार्टफोन्स का बाजार मां-बाप के समक्ष नई चुनौतियां भी खड़ी कर रहा है। ऊपर से फेसबुक, यूट्यूब और पोर्न साइट्स पर परोसी जा रही अश्लीलता से परिस्थितियां गंभीर होती जा रही हैं। जितने ज्यादा मोबाइल यूजर्स होंगे, उतना ही डाटा का इस्तेमाल बढ़ेगा और टेली कंपनियों के वारे न्यारे होंगे। इसलिए उनकी तरफ से हमारी किशोरवय एवं युवापीढ़ी गलत दिशा में जाती है तो भाड़ में जाए, उन्हें तो अपनी मोटी कमाई से मतलब है। इन सोशल नेटवर्किंग साइट्स के कुछ लाभ भी हैं तो कुछ हानियां भी हैं। जैसे सोशल मीडिया के इस्तेमाल से आप अकेलेपन का शिकार होने से बचते हैं। सोशल नेटवर्किंग साइट्स से आप हमेशा व्यस्त रह सकते हैं। सोशल नेटवर्किंग साइट्स आपके बिजनेस को भी फायदा पहुंचा सकती हैं और इन्हीं साइट्स पर आपको ठगा भी जा सकता है। वस्तुतः सोशल नेटवर्किंग एक प्रकार की लत है और आप इसके आदी होते चले जाते हैं। कई बार सोशल नेटवर्किंग साइट्स से आपका डाटा और फोटो भी चोरी कर लिए जाता है जिसका प्रयोग गलत कार्यों के लिए किया जा सकता है। सोशल नेटवर्किंग का इस्तेमाल करते समय आपको कुछ सावधानियां बरतनी चाहिएं, जैसे सोशल साइट्स पर हमेशा अपनी पूरी जानकारी अपलोड न करें। सोशल साइट्स के द्वारा बने दोस्तों को आप अपनी पर्सनल जानकारी न दें। यह बात हमेशा ध्यान रखें कि सोशल नेटवर्किंग साइट्स नए लोगों से मिलने और उनसे जुडऩे का बस एक माध्यम भर है, अतएव इसे आप अपनी जिंदगी का हिस्सा न बनाएं। वर्तमान समय में ट्विटर, इंस्टाग्राम, फेसबुक, लिंक्डइन, स्नैपचैट, व्हाट्सएप और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म व्यापक रूप से सूचना के स्रोत के रूप में उपयोग किए जाते हैं।

आप यूट्यूब और गूगल सर्च इंजन से कैसी भी जानकारी तत्काल हासिल कर अपनी ज्ञान सुधा तृप्त कर सकते हैं। लेकिन इन्हीं माध्यमों पर उपलब्ध अश्लील सामग्री का आप क्या करेंगे? फेसबुक की वीडियो वाली रील्स सेक्शन में गंदे और अश्लील वीडियो की भरमार है, उस पर तुरंत रोक लगनी चाहिए। सोशल मीडिया ने इसके उपयोगकर्ताओं को एक प्लटेफार्म उपलब्ध करवाया है। इस माध्यम द्वारा आप लेखन कार्य, पारिवारिक गतिविधियों, अपनी उपलब्धियों, विशेष पारिवारिक समारोह के चित्रों/वीडियो को व्यक्तिगत रूप से सांझा कर सकते हैं और सार्वजनिक रूप से आम लोगों तक पहुंचा सकते हैं।

आप का नजरीया

नया युग है कि प्रवंचना युग?

आजकल इस देश की धरा वीरों से वंचित हो गई लगती है। लेकिन आजकल कुछ नए वीरों का पैदा हो जाना एक ऐसे बदलाव की ओर इशारा कर रहा है, कि जिसके कारण यह ऊर्जाहीन होती धरा सनसनीखेज खबरों से भर जाती है। गोदी मीडिया को पुचकार मिलती है। पहले वीरता के अभाव ने पूरे देश में अवसाद और बेचारगी को जन्म दे दिया था। अब लोग मास्क, नकाब पहनने की बात बहुत पीछे छोड़ आए हैं। वायरस के भय से कमरों में बंद होकर जीने की मजबूरी खत्म हुई। फिर भी बेकारी बढ़ रही है, महंगाई ने बंटाधार करना शुरू कर दिया। एक समय लगा था महामारी की विदाई बेला में लोग भी सच, हक और ईमानदारी के लिए अपनी खोई हुई वीरता को पुनः प्राप्त कर लेंगे। अपनी नागरिकता के अधिकार के साथ समय की सरकार से काम देने के अधिकार की मांग करेंगे। मृत्यु भय से छुटकारा पाना शुरू करने के बाद उत्पादन न होने पर भी चोर बाजारियों द्वारा पैदा की गई महंगाई का मुंह नोच लेंगे, और भ्रष्टाचार को आज के समाज से बहिष्कृत करके नैतिकता और आदर्शों को जिंदा करने की वीरता दिखाएंगे। लेकिन गंभीरता से समाज टटोला तो पाया कि ऐसा नया समाज बना सकने वालों की वीरता कब से दिवंगत हो गई। अब काम का अधिकार मांगने वाले राहतों, रियायतों और सस्ती साझी रसोइयों से निबटा दिए गए हैं। जरूरत महामारी से खंडित हो गए समाज को श्रम वीरता का अर्थ बड़बोलापन हो गया। जो जितनी दूर की हांक सके, उतना ही बड़ा इस देश का नवनिर्माता। यूं दया धर्म का मूल है, दोहराने वाले बहुत से वाक्यवीर पैदा हो गए। कार्य संस्कृति की जगह राहत और रियायत उद्घोषक संस्कृति ने कुछ इस प्रकार जन्म लिया, कि पेट भरने के लिए भूखे, बेकार और बीमारी से उठे लोगों की कतारें दानवीरों के मुफ्त और रियायती जलपान गृहों के बाहर लगनी शुरू हो गईं। देश की सरकार की ओर किसी नयी कार्य संस्कृति की रूपरेखा के लिए देखा जा सकता है। महामारी का दबाव हटने के साथ इस नए सामान्य होते माहौल में उससे यह उम्मीद रखना बेजा भी नहीं था, लेकिन कार्य संस्कृति के साथ उद्यम और मेहनत की परेशानी जुड़ी होती है। इसके नतीजे भी हथेली पर सरसों जमने की तरह तत्काल नहीं आते। इसलिए ऐसा कंटकपूर्ण राह अपनाने के स्थान पर अब सरकारी दरीचों से घोषणावीरों की जमात पैदा हो गयी। अब सत्ता के मीनारों पर तो हर कोई कब्जा करना चाहता है। जो वहां जम कर बैठे हैं, वे सत्ता पक्ष हैं, जिसका लक्ष्य है जब तक जीवन, तब तक भोगो। और जब जीवन क्षीण हो, झुठलाने लगे तो अपनी कुर्सियों के सर्वाधिकार नाती-पोतों के नाम सुरक्षित करवा जाओ। लेकिन बाहर सडक़ पर ट्रैफिक जाम लगा मोर्चाबंद होता विपक्ष भी तो है। वह सत्ता पर पुश्तैनी अधिकार मानने वाले इन महामानवों के नीचे से कुर्सी खींचने की फिराक में लगा रहता है। आजकल मुकाबला, संघर्ष की वीरता, महंगाई नियंत्रण, भ्रष्टाचार उन्मूलन या बेकार कांपते हाथों को काम देने में नहीं दिखाई जाती, बल्कि घोषणा संस्कृति का अभिषेक करते हुए और भी शेखचिल्ली होने में दिखाई जाती है।

दक्षिणी गाजा शहर में घुसी इजराइली सेना, मृतकों घायलों के भरे अस्पताल; यूएन चीफ ने उठाया बड़ा कदम

यरूशलम/तेल अवीव ।

इजराइली सैनिक दक्षिणी गाजा के खान यूनिस शहर के बीचोंबीच पहुंचे और हमास के साथ आमने-सामने की जंग लड़ी। सुरक्षित क्षेत्र न होने के बावजूद फलस्तीनी नागरिकों को अन्यत्र भागने को मजबूर होना पड़ा। सात अक्तूबर से जारी दो माह का यह संघर्ष सबसे भारी चरण में पहुंच गया। यहां इजराइली जंगी विमानों ने घनी आबादी वाले तटीय क्षेत्र के लक्ष्यों पर ताबड़तोड़ बमबारी की। इस लड़ाई का असर यह हुआ कि अस्पताल मृतकों और घायलों से भर गए हैं। इनमें अधिकांश महिलाएं और बच्चे हैं। फलस्तीनी डॉक्टरों ने कहा, अस्पतालों में मेडिकल आपूर्ति खत्म हो रही है। आम नागरिक शरण तलाश रहे हैं लेकिन उन्हें सड़कों पर ही रहना पड़ रहा है। इजराइली सेना टैंकों के साथ दक्षिणी शहर की तरफ बढ़ी और खान यूनिस शहर को घेरकर गोलीबारी शुरू कर दी। उसने एक स्कूल के पास एक आतंकी सेल सहित सैकड़ों ठिकानों पर हमला बोला। हमास की सशस्त्र शाखा, अल-कसम ब्रिगेड ने कहा कि लड़ाई काफी भीषण थी और इसमें अज्ञात संख्या में लोग मारे गए व घायल हुए हैं। उसने कहा, इजराइली टैंक खान यूनिस शरणार्थी शिविर के किनारे पर तैनात थे। गाजा में संघर्ष के बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बड़ा कदम उठाते हुए यूएन चार्टर के अनुच्छेद 99 को लागू किया और औपचारिक रूप से गाजा में स्थिति को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भेजा है। यूएन चीफ ने सुरक्षा परिषद से गाजा में मानवीय संकट को रोकने का आग्रह किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, गुटेरेस ने यूएनएससी के अध्यक्ष को एक पत्र भेजा है, जिसमें उन्होंने कहा है कि संघर्ष ने इजराइल और अधिकृत फलस्तीनी क्षेत्र में भयावह मानवीय पीड़ा और मानव विनाश पैदा किया है। साथ ही संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने गाजा के नागरिकों की दुर्दशा पर प्रकाश डाला है, जो गंभीर खतरे का सामना कर रहे हैं। गुटेरेस ने आरोप लगाया है कि गाजा में नागरिकों के लिए कोई प्रभावी सुरक्षा नहीं है और कोई सुरक्षित नहीं है। बमबारी में एक घर से भागे फलस्तीनी नागरिक हमदी तनीरा बोले, मैं भाग्यशाली था जो भाग आया। उस घर में 20 बच्चों समेत 30 लोग सो रहे थे। उनमें कोई भी शायद ही बचा हो। एक अन्य जीवित बचे अमल मेहदी ने कहा, यह एक चमत्कार था कि हमें मलबे से निकाला गया। नासिर अस्पताल के डॉ. अल-अहद ने कहा, मैंने ऐसा दृश्य कभी नहीं देखा, लाशें रखने की जगह नहीं है, इलाज मुश्किल है। ताजा संघर्ष में दक्षिणी गाजा में सहायता आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है।

न्यूज ब्रीफ

यूनेस्को ने गरबा को सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता दी

जिनेवा। यूनेस्को ने गुजरात के नृत्य गरबा को मानवता की एक अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएचएच) घोषित किया है। गरबा आईसीएचएच सूची के साथ-साथ नवरोज़ में भारत के 12 लोगों में शामिल हो गया है, जिसे अन्य देशों के साथ साझा किया जाता है। भारत की सूची में वैदिक मंत्रोच्चार की परंपरा, छाऊ नृत्य, केरल का मुडियेट्टु नृत्य नाटक, रामलीला प्रदर्शन, लद्दाख का बौद्ध मंत्रोच्चार और दुर्गा पूजा शामिल हैं। समिति ने ढाका में रिक्शा और रिक्शा पेंटिंग को भी मान्यता दी। अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए यूनेस्को की अंतर सरकारी समिति ने बोत्सवाना के कसाने में अपनी बैठक में गरबा को अपनी आईसीएचएच सूची में शामिल करने का निर्णय लिया। यूनेस्को ने कहा कि बढ़ते वैश्वीकरण के सामने सांस्कृतिक विविधता बनाए रखने में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत एक महत्वपूर्ण कारक है और विभिन्न समुदायों की ओर से इसकी समझ अंतर-सांस्कृतिक संवाद और जीवन के अन्य तरीकों के लिए पारस्परिक सम्मान में मदद करती है। इसमें कहा गया है कि दशकों से गरबा भारत और दुनिया भर में भारतीय प्रवासियों के बीच गुजराती संस्कृति का एक अभिन्न, बहुसंख्यक घटक रहा है। यूनेस्को ने कहा कि नवरात्रि उत्सव के नौ दिनों के दौरान गरबा किया जाता है जो स्त्री ऊर्जा या शक्ति की पूजा के लिए समर्पित है। इसमें कहा गया, इस स्त्री ऊर्जा की दृश्य अभिव्यक्ति गरबा नृत्य के माध्यम से व्यक्त की जाती है। यूनेस्को ने कहा, एक धार्मिक अनुष्ठान होने के अलावा, गरबा सामाजिक-आर्थिक, लिंग और कठोर संप्रदाय संरचनाओं को कमजोर करके सामाजिक समानता को बढ़ावा देता है। यह विविध और हाशिए पर रहने वाले समुदायों द्वारा समावेशी और भागीदारीपूर्ण बना हुआ है, जिससे सामुदायिक बंधन मजबूत हो रहे हैं। नई दिल्ली में यूनेस्को के क्षेत्रीय कार्यालय के निदेशक टिम कर्टिस ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि यह इस परंपरा की व्यवहार्यता सुनिश्चित करने में मदद करेगा और समुदाय, विशेष रूप से युवाओं को गरबा से जुड़े ज्ञान, कौशल और मौखिक परंपराओं को जारी रखने के लिए प्रेरित करेगा।

यमन के हूती समूह ने दक्षिणी इजराइल पर दागी कई बैलिस्टिक मिसाइल, सैन्य चौकियों को बनाया निशाना

दुबई । दक्षिण गाजा में इजराइली सेना की कार्वाई के बीच यमन के हूती समूह ने दक्षिणी इजराइल के इलियट शहर में सैन्य चौकियों पर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागने का दावा किया है। समूह के सैन्य प्रवक्ता ने एक बयान में दक्षिणी इजराइल पर मिसाइल हमले की जानकारी दी। इससे पहले अमेरिका ने हूती समूह द्वारा नियंत्रित यमन के एक हिस्से से आए ड्रोन को मार गिराया था।
सात अक्तूबर को इजराइल और फलस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिकी नौसेना ने छठी बार दक्षिणी लाल सागर में ड्रोन पर गोलीबारी की है। हूती समूह लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बना रहा है। समूह ने एक बयान में कहा कि वह इजराइल के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को जारी रखेगा और फलस्तीनियों के समर्थन में इजराइल के जहाजों को अरब और लाल सागर में जाने से रोकेगा। ईरान समर्थित हूती समूह गाजा में युद्ध का सामना कर रहे फलस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए लाल सागर में इजराइल और यहूदी देश से जुड़े जहाजों पर मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा है। ब्रिटेन की समुद्री व्यापार संचालन (यूकेएमटीओ) एजेंसी और ब्रिटिश समुद्री सुरक्षा कंपनी एंब्रे ने यमन के बंदरगाह के पश्चिम में लाल सागर के ऊपर एक संदिग्ध ड्रोन से जुड़ी एक घटना की सूचना दी थी।

पाक में सुरक्षित नहीं राजनीतिक दल के प्रमुख! : गिरफ्तारी के बाद से लापता पीटीएम चीफ पश्तीन, कोर्ट में पेशी तक नहीं

इस्लामाबाद । पश्तून तहफ्फुज मूवमेंट (पीटीएम) के प्रमुख मंजूर पश्तीन को सोमवार को गिरफ्तार किए जाने के बाद अभी भी अदालत में पेश नहीं किया गया है। ऐसे में आरोप लगाया जा रहा है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों ने उन्हें गायब कर दिया है। पाकिस्तान नेशनल असेंबली के पूर्व सदस्य मोहसिन दावर ने कहा कि यह बहुत चिंताजनक है कि पश्तीन को चार दिसंबर को गिरफ्तार किए जाने के बाद से किसी भी अदालत में पेश नहीं किया गया है। उन्हें जबरन गायब कर दिया गया है। खुलेआम और बेशर्मी से कानून का उल्लंघन किया जा रहा है। उन्होंने पश्तीन को तुरंत अदालत में पेश करने की मांग की। चमन के उपायुक्त राजा अतहर अब्बास ने बताया कि पीटीएम नेता को उनके वाहन से पुलिस की गोलीबारी के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। इस बयान से करीब चार घंटे पहले पीटीएम ने आरोप लगाया था कि पश्तीन के वाहन पर कानून प्रवर्तन एजेंसियों (एलईए) ने उस समय गोलीबारी की जब वह चमन से तुरबत जा रहे थे।

इजरायली महिलाओं के साथ हो रहे दुष्कर्म पर भड़के नेतन्याहू बोले- अब चुप क्यों है दुनिया

तेल अवीव।

हमास और इजरायल के बीच चल रही जंग के दौरान महिलाओं को निशाना बनाया जा रहा है। उनके साथ जुल्म हो रहे है और दुष्कर्म किया जा रहा है। इस अत्याचार का शिकार इजरायली महिलाएं हो रही हैं। अब मानवाधिकार संगठन और आतंकियों की पैरवी करने वाले चुप क्यों हैं। ये सवाल इजरायल के पीएम नेतन्याहू ने अंतरराष्ट्रीय संगठनों निशाना साधते हुए किए है। पीएम नेतन्याहू ने महिलाओं पर हमास आतंकियों के किए जुल्म पर चुप्पी साधने के लिए महिला संगठनों और संयुक्त राष्ट्र की कड़ी आलोचना की है।

नेतन्याहू ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया कि मैं महिला अधिकार संगठनों, मानवाधिकार संगठनों से कहता हूं, आपने इजराइली महिलाओं के बलात्कार, भयानक अत्याचार, यौन उत्पीड़न के बारे में सुना है, लेकिन आप कहां हैं मैं सभी नेताओं, सरकारों, देशों से अपेक्षा करता हूं कि वे इस अत्याचार के खिलाफ बोलें। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दुनिया भर के महिला अधिकार संगठनों को संबोधित करते हुए उन पर हमास आतंकवादियों द्वारा महिलाओं के कथित यौन उत्पीड़न पर आंखें मूंदने का आरोप लगाया। 7 अक्टूबर को इपराइल में एक आउटडोर संगीत समारोह पर हमास के हमले के दौरान एक गड्ढे में छिपे एक व्यक्ति ने कहा कि उसने पास में किसी को चिल्लाते हुए सुना कि उसके साथ बलात्कार किया जा रहा है। साथ ही एक इजराइली अधिकार समूह के पहले आकलन से पता चलता है कि यौन हमला हमास और अन्य गाजा आतंकवादियों द्वारा किए गए अत्याचार से भरे क्रोध का हिस्सा था, जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकांश नागरिक थे, और उस दिन 240 से अधिक बंधक बना लिए गए थे। जबकि जांचकर्ता अभी भी यौन हमलों के दायरे को निर्धारित करने की कोशिश कर रहे हैं, इज़राइल की सरकार अंतरराष्ट्रीय समुदाय, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र पर इज़राइली पीड़ितों के दर्द को नजरअंदाज करने का आरोप लगा रही है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संवाददाता सम्मेलन में अपनी बात पर जोर देने के लिए अंग्रेजी का सहारा लिया। उन्होंने कहा कि मैं महिला अधिकार संगठनों, मानवाधिकार संगठनों से कहता हूं, आपने इजराइली महिलाओं के बलात्कार, भयानक अत्याचार, यौन उत्पीड़न के बारे में सुना है लेकिन आप कहां हैं अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यौन हिंसा की रिपोर्टों को भयावह कहा और दुनिया से अकल्पनीय क्रूरता की निंदा करने का आग्रह किया। बता दें कि दक्षिणी इजराइल में संगीत समारोह, कृषक समुदायों और सेना चौकियों पर हमास के हमलों के दो महीने बाद, पुलिस अभी भी टुकड़ों को एक साथ रखने के लिए संघर्ष कर रही है।हमलों के तुरंत बाद शवों की पहचान करने को प्राथमिकता दी गई, न कि सबूत सुरक्षित रखने को। पुलिस का कहना है कि वे अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए हमास हमलावरों के शरीर के कैमरों, सोशल मीडिया और सुरक्षा कैमरों से जब्त किए गए 60,000 वीडियो के साथ-साथ 1,000 गवाहियों की जांच कर रहे हैं। बलात्कार से बचे लोगों को ढूंढना मुश्किल हो गया है, कई पीड़ितों को उनके हमलावरों ने मार डाला है। ग्रुप फिजिशियन्स फॉर ह्यूमन राइट्स इज़राइल, जिसके पास गाजा में इजराइल की लंबे समय से नाकाबंदी के तहत पीड़ित फिलिस्तीनी नागरिकों की वकालत करने का रिकॉर्ड है, ने नवंबर में एक प्रारंभिक मूल्यांकन प्रकाशित किया था। वहीं हमास ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है कि उसके बंदूकधारियों ने यौन उत्पीड़न किया है। हालांकि एक युद्ध चिकित्सक ने बताया कि जब वह हमला किए गए समुदायों में से एक में पहुंचा तो उसे आधा दर्जन महिलाओं और पुरुषों के शव मिले, जिनमें यौन उत्पीड़न के संभावित लक्षण थे। ओपन-सोर्स जानकारी और साक्षात्कारों के आधार पर, ह्यूमन राइट्स इज़राइल के चिकित्सक संगीत समारोह, गाजा पट्टी के आसपास के घरों और एक इजराइली सैन्य अड्डे पर हमास द्वारा हमला किए गए घटनाओं के दस्तावेजों की रिपोर्ट तैयार की है। इसमें कहा गया है, 'यह और अधिक स्पष्ट होता जा रहा है कि महिलाओं, पुरुषों और बच्चों के खिलाफ होने वाली हिंसा में व्यापक यौन और लिंग आधारित अपराध भी शामिल हैं। नेतन्याहू और उनके युद्ध मंत्रिमंडल के सदस्यों ने हाल ही में रिहा हुए बंधकों और गाजा में अभी भी बंधकों के परिवार के सदस्यों के साथ एक तनावपूर्ण और भावनात्मक बैठक की। प्रतिभागियों ने कहा कि हाल ही में रिहा किए गए कुछ बंधकों ने गाजा में अपने समय के दौरान यौन शोषण की गवाही साझा की। अलग से, रिहा किए गए 110 बंधकों में से कुछ का इलाज करने वाले एक डॉक्टर ने एपी को बताया कि मुक्त किए गए लोगों में से कम से कम 10 पुरुषों और महिलाओं का यौन उत्पीड़न या दुर्व्यवहार किया गया था, लेकिन उन्होंने अधिक विवरण नहीं दिया। उन्होंने बंधकों की पहचान गुप्त रखने की शर्त पर यह बात कही। इजराइली सेना के अनुसार, 15 महिलाओं सहित 138 बंधक अभी भी गाजा में हमास और अन्य आतंकवादी समूहों द्वारा रखे गए हैं। सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल रिचर्ड हेचट ने कहा कि सेना महिला बंधकों के खिलाफ यौन हिंसा को लेकर पूरी तरह से चिंतित है।

सीआईए के साथ मिलकर भाई के खिलाफ लड़ी लड़ाई, फिदेल कास्त्रो की बहन जौनिता का निधन

वॉशिंगटन ।

क्यूबा के पूर्व शासक और धुर वामपंथी नेता फिदेल कास्त्रो की बहन जौनिता कास्त्रो का 90 साल की उम्र में निधन हो गया है। जौनिता बीते कई दशकों से अमेरिका के फ्लोरिडा में रह रहीं थी। जौनिता कास्त्रो की किताब फिदेल एंड राउल, माई ब्रदर्स, द सीक्रेट हिस्ट्री की सह-लेखिका मारिया एंटोनिएटा कॉलिंस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है। कोलिंस ने लिखा कि जीवन और मौत के रास्ते पर जौनिता कास्त्रो हम सबसे आगे थीं। शानदार महिला और कमाल की योद्धा, जो क्यूबा से बहुत प्यार करती थीं और उसके लिए लड़ीं।

भाई के खिलाफ दिया अमेरिका का साथ

जौनिता ने अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के साथ मिलकर अपने ही भाई फिदेल और राउल कास्त्रो के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। जौनिता ने अपनी किताब में लिखा है कि वह वामपंथी विरोधी थी और साल 1961 में बे ऑफ पिग्स हमले के बाद वह सीआईए के साथ मिल गईं थी। बता दें कि बे ऑफ पिग्स के हमले में सीआईए ने क्यूबा में लोकतंत्र के समर्थकों के साथ मिलकर फिदेल कास्त्रों की सरकार के खिलाफ हमले किए थे लेकिन उनकी कोशिश बेकार रही थी और फिदेल कास्त्रो ने इस हमले को नाकाम कर दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जौनिता पहले अपने भाई फिदेल कास्त्रो की समर्थक थी लेकिन जब फिदेल ने क्यूबा के तानाशाह फुलजेनिको बतिस्ता को सत्ता से बाहर कर खुद सत्ता कब्जाई और वामपंथी सरकार बनाई तो जौनिता, फिदेल के विरोध में उतर आईं। दरअसल जौनिता लोकतंत्र समर्थक थीं और उन्हें तानाशाही शासन पसंद नहीं था। जौनिता की किताब के अनुसार, क्यूबा में तत्कालीन ब्राजीली राजदूत की पत्नी के कहने पर साल 1961 में वह मैक्सिको सिटी में सीआईए एजेंट्स से पहली बार मिली थीं। इसके बाद वह क्यूबा में सीआईए की मदद करती रहीं।

1984 से अमेरिका की नागरिक

साल 1963 में जब जौनिता की मां का निधन हो गया तो वह क्यूबा छोड़कर अमेरिका आ गईं। उसके बाद से ही वह अमेरिका के मियामी में रह रहीं थी। साल 1984 में जौनिता को अमेरिका की नागरिकता मिली। फिदेल कास्त्रो ने साल 2008 तक क्यूबा पर राज किया।

अमेरिका सेना ने ऑस्प्रे एयरक्राफ्ट की उड़ानों पर लगाई रोक, हालिया हादसों के बाद लिया फैसला

वॉशिंगटन ।

अमेरिकी सेना ने एलान किया है कि उसने अपने ऑस्प्रे वी-22 हेलीकॉप्टर्स की पूरी फ्लीट को ग्राउडेंड रखने का फैसला किया है। इसका मतलब है कि ऑस्प्रे वी-22 हेलीकॉप्टर्स की उड़ानों पर रोक लगा दी है। बता दें कि एक हफ्ते पहले ही जापान के तट पर ऑस्प्रे एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया था, जिसमें एयर फोर्स ऑपरेशंस कमांड सर्विस के आठ सदस्यों की मौत हो गई थी।

जापान हादसे की जांच के बाद फैसला

जापान के तट पर हुए हादसे के बाद हुई जांच के बाद अमेरिका की सेना, वायुसेना और नौसेना ने ऑस्प्रे एयरक्राफ्ट की सैंकड़ों विमानों वाली फ्लीट की उड़ान पर प्रतिबंध लगा दिया है। दरअसल जापान के तट पर हुए हादसे की जांच में पता चला है कि विमान में तकनीकी खराबी के चलते यह हादसा हुआ और इसमें क्रू सदस्यों की कोई गलती नहीं थी। बता दें कि हाल के समय में ऑस्प्रे विमान कई हादसों के शिकार हो चुके हैं, जिसके बाद इन विमानों में सेफ्टी को लेकर सवाल खड़े हुए हैं। हादसों के बाद जापान ने भी अपने 14 ऑस्प्रे विमानों की फ्लीट की उड़ान पर प्रतिबंध लगा दिया है। बता दें कि ऑस्प्रे विमानों के क्रैश होने की जांच अभी भी चल रही है लेकिन तब तक अमेरिकी सेना ने एहतियातन इन विमानों की उड़ानों पर रोक लगा दी है। अमेरिकी वायुसेना ने कहा है कि ऑस्प्रे विमानों की उड़ान पर रोक कब तक लागू रहेगी, इसकी जानकारी नहीं है लेकिन हादसों की जांच पूरी होने और विमानों में संभावित तकनीकी खामी को दूर करने के बाद ही विमानों के फिर से संचालन का फैसला किया जाएगा। ऑस्प्रे एयरक्राफ्ट एक हेलीकॉप्टर की तरह उड़ान भरने और लैंड करने में सक्षम है लेकिन इसकी खास बात ये है कि यह एक विमान की तरह उड़ान के दौरान ही इसके प्रोपेलर और क्रूज तेजी से रोटेट करने में सक्षम है। अमेरिकी एयरफोर्स के स्पेशल ऑपरेशन कमांड के पास 51 ऑस्प्रे एयरक्राफ्ट हैं। वहीं यूएस मरीन कॉर्प्स के पास 400 से ज्यादा और यूएस नेवी ऐसे 27 विमानों का संचालन करती है।

ईरान ने फारस की खाड़ी में तेल टैंकर जब्त किए: इनमें 45 लाख लीटर ऑयल था; कहा-तस्करी रोकने के लिए उठाया कदम

तेहरान ।

ईरान की सेना इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स आईआरजीसी ने ईरान और यूएई के बीच फारस की खाड़ी में 2 तेल के टैंकर जब्त किए हैं। इनमें करीब 45 लाख लीटर फ्यूल मौजूद था। ईरानी मीडिया के मुताबिक, इसपर 34 विदेश क्रू मेंबर्स सवार थे। ईरान का दावा है कि टैंकरों में फ्यूल की तस्करी हो रही थी। दोनों जहाजों को अबु मूसा आईलैंड के साउथ में पकड़ा गया। इस आईलैंड पर ईरान का कंट्रोल है, लेकिन यूएई इस पर अपना दावा करता है। वो इसे शारजाह के एमिर का क्षेत्र बताता है। क जहाज पर मौजूद फिफ्थ नेवल रीजन के कमांडर अली ओजमाई ने बताया कि एक जहाज पर करीब 30 लाख लीटर फ्यूल था, जबकि दूसरे जहाज पर करीब 25 लाख लीटर फ्यूल था। हालांकि, ये जहाज कौन से देश के हैं, इसका खुलासा नहीं हुआ है।

2 सालों में 20 जहाज जब्त कर चुका है ईरान

ईरान इससे पहले भी कई बार फारस की खाड़ी में विदेशी जहाजों को तस्करी के आरोप में जब्त कर चुका है। अमेरिका ने पहले एक रिपोर्ट में बताया था कि ईरान पिछले दो सालों के अंदर इलाके में 20 से ज्यादा जहाजों के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई कर चुका है। इससे पहले अगस्त में अमेरिका ने होर्मुज के दर्रे से गुजरने वाले कमर्शियल जहाजों में नौसेना के हथियारबंद सैनिक तैनात करने की घोषणा की थी। ये वो इलाका है जहां से दुनिया में सप्लाई किए जाने वाले कुल तेल का 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान से जहाजों की रक्षा करने के लिए ये फैसला किया गया था। वहीं जुलाई में ईरान से बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने गल्फ में लड़ाकू विमान भी तैनात किए थे। एक अधिकारी ने पहचान उजागर न करने की शर्त पर कहा था कि अमेरिका का-10 अटैक एयरक्राफ्ट पहले से ही इलाके की निगरानी कर रहा है। अब एफ-16 लड़ाकू विमान भी तैनात किए गए हैं। अमेरिका और ईरान के बीच

ओमान की खाड़ी में 2019 से जहाजों को जब्त करने को लेकर विवाद चल रहा है। दरअसल, 2018 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से न्यूक्लियर डील खत्म कर ली थी। इसके बाद दोनों देश अलग-अलग जगहों पर एक-दूसरे के खिलाफ खड़े नजर आते हैं। गल्फ में होर्मुज पास भी उनमें से एक है। दरअसल, अमेरिका ने जुलाई में ईरान पर ओमान की खाड़ी में एक कॉमर्शियल जहाज पर कब्जा करने के आरोप लगाए थे। यूएस नेवी ने दावा किया था कि उसने ईरान को 2 कॉमर्शियल तेल के टैंकर रिचमंड वोयेजर को जब्त करने से रोका। रॉयटर्स के मुताबिक, अमेरिकी नेवी ने बताया कि बाहमास के झंडे वाले 2 टैंकर गल्फ ऑफ ओमान से गुजर रहे थे। तभी ईरान की नेवी वेसल ने उस पर हमला कर दिया।

कंगाली के चलते भारी पड़ रहा पुराने दहशतगर्दों का खर्च, अब नए आतंकियों पर दांव लगाने की कोशिश

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान में बैठे भारत के टॉप मोस्ट वॉन्टेड आतंकियों और उनके सहयोगियों के लुढ़कने (खात्मा होना) का सिलसिला खत्म नहीं हो पा रहा है। कई आतंकी अब छिपने लगे हैं। केंद्रीय एजेंसियों के सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान में कई आतंकी संगठन, वैश्विक हैं। उन्हें यूएनओ की वैश्विक आतंकियों की सूची में शामिल किया गया है। गत वर्ष अक्तूबर में फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की ग्रे सूची से पाकिस्तान, बाहर आ गया था। दुनिया को दिखाने के लिए पाकिस्तान ने कुछ टॉप आतंकियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की बात कही। सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान में लगातार मारे जा रहे आतंकियों के पीछे की कहानी कुछ और ही है। मौजूदा वक्त में पाकिस्तान, आर्थिक संकट से गुजर रहा है। ऐसे में वह अब उन आतंकी संगठनों का खर्च वहन नहीं कर सकता, जिनका वह दशकों से इस्तेमाल करता आ रहा था। ग्रे सूची से बाहर रहने और पुराने आतंकियों पर हो रहे खर्च से बचने के लिए अब वहां पर आतंकियों का खात्मा किया जा रहा है। दूसरी तरफ, कम खर्च पर युवा दहशतगर्दों की भर्ती की जा रही है। खास बात है कि पाकिस्तान में मौजूद टॉप दहशतगर्द, अभी तक महफूज हैं।

पर्दे के पीछे का सच, दुनिया जानती है

सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान में इस साल जैश-ए-मोहम्मद डी कंपनी, लश्कर ए तैयबा, हिजबुल मुजाहिदीन, लश्कर-ए-जब्बर और लश्कर-आई-जांगवी सहित कई आतंकी संगठनों से जुड़े कई दहशतगर्द मारे जा चुके हैं। मुंबई हमले के मास्टरमाइंड और लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर जकी-उर-रहमान लखवी को दो वर्ष पहले पाकिस्तान की एक अदालत ने टेरर फंडिंग केस में 15 साल कैद की सजा सुनाई थी। भारत के विदेश मंत्रालय ने इसे हास्यास्पद बताया था। पाकिस्तान, एफएटीएफ की बैठक के भय से इस तरह के कदम उठाता रहता है। पर्दे के पीछे का सच, दुनिया जानती है। लश्कर ए तैयबा के

प्रमुख और वैश्विक आतंकी हाफिज सईद को भी पाकिस्तान की अदालत से 31 साल की सजा सुनाई थी। कई बार ऐसे प्रमाण सामने आते रहे हैं, जिनसे इन दोनों आतंकियों के जेल में होने पर संदेह होता है। अब इन्हें अतिरिक्त सुरक्षा मुहैया कराई गई है।

पाकिस्तान में शीर्ष आतंकी अभी तक हैं महफूज

हिजबुल मुजाहिदीन का प्रमुख सैयद सलाहुद्दीन को अमेरिका ने ग्लोबल टेररिस्ट सूची में डाल रखा है। कुछ समय से सलाहुद्दीन भी भूमिगत हो चुका है। इसे पाकिस्तान में बुलेटप्रूफ वाहन और सिक्योरिटी पर्सन दिए गए हैं। 1993 के मुंबई बम धमाकों का आरोपी, वैश्विक आतंकी दाऊद इब्राहिम को भी कराची में हाई सिक्योरिटी प्रदान की गई है।

भारत सरकार ने कराची में इसकी मौजूदगी के कई सबूत पाकिस्तान को सौंपे, मगर वहां की सरकार ने इन्हें मानने से इनकार कर दिया। जैश-ए-मुहम्मद का संचालक मसूद अजहर को भी पाकिस्तान में सुरक्षा दी गई है। पाकिस्तान में मौजूद हाफिज सईद के रिश्तेदार और वैश्विक आतंकी अब्दुल रहमान मक्की और जफर इकबाल को भी सुरक्षा घेरे में रखा जा रहा है।

अपनी जमीं पर आतंकियों के खात्मे के पीछे का राज

सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान में मौजूद आतंकी संगठनों के शीर्ष पर बैठे लोगों पर हमला नहीं हो रहा है। अगर उनमें से कथित तौर पर कोई जेल में भी है, तो उसे हाई सिक्योरिटी मुहैया कराई गई है। आतंकियों के खात्मे के पीछे पाकिस्तानी आईएसआई का हाथ है। वजह, इन आतंकियों पर भारी भरकम राशि खर्च होती है। मौजूदा समय में पाकिस्तान की आर्थिक हालत किसी से छिपी नहीं है। आतंकियों का खात्मा कर, पाकिस्तान एक तीर से कई निशाने साध रहा है। वह दुनिया को यह बताना चाहता है कि उसने अपनी जमीं पर आतंकियों का खात्मा कर दिया है। ऐसे में वह अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से आर्थिक सहायता लेने का प्रयास कर सकता है। दूसरा, लंबे समय तक ग्रे सूची से बाहर रह सकता है।

पंजाब में जल्द खुलेंगे सौ नए आम आदमी क्लीनिक : भगवंत मान

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के कामकाज की प्रगति का जायजा लिया

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा है कि राज्य सरकार पंजाब निवासियों को मानक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए जल्दी ही एक सौ और आम आदमी क्लीनिक शुरू करेगी। गुरुवार को स्वास्थ्य एवं परिवार भलाई विभाग के कामकाज का जायजा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य में प्राइमरी स्वास्थ्य देखभाल की कायाकल्प करने के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अब तक 664 आम आदमी क्लीनिक लोगों को समर्पित कर चुका है, जहां 84 जरूरू दवाएं और 40 से अधिक टेस्टों की सुविधा मुफ्त मुहैया करवाई जा रही है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि आगामी दिनों में एक सौ और क्लीनिक शुरू कर लोगों को मानक स्वास्थ्य सेवाएं दी जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी क्लीनिक राज्य में स्वास्थ्य देखभाल ढांचे को मजबूत करने में वरदान साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन क्लीनिकों का अब तक 80 लाख से अधिक लोगों ने लाभ लिया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन क्लीनिकों ने स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांतिकारी तबदीली लाई है जिससे आम आदमी को बहुत ज्यादा हुआ है। एक अन्य मुद्दे पर चर्चा करते हुये मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को राज्य में नये बन रहे मेडीकल कालेजों को चालू करने के लिए प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 सालों बाद राज्य में सिर्फ तीन मेडीकल कालेज खुले हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि अब आगामी एक साल में राज्य में पांच और मैडीकल कालेज खोले जाएंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब को देश में मेडीकल शिक्षा का केंद्र बनाने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कहा कि लोगों को हर तरह के साथ मानक स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करवाना यकीनी बनाया जाये। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र राज्य सरकार का प्रमुख क्षेत्र है और इस नेक कार्य के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि सरकार राज्य के सर्वांगीण विकास और लोगों की कल्याण के लिए वचनबद्ध है।

आतंकी मामलों से जुड़ीं पुलवामा व कुलगाम में तीन संपत्तियां कुर्क

पुलवामा (हिंस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को आतंकवाद से संबंधित मामले की जांच के तहत जम्मू-कश्मीर के पुलवामा और कुलगाम जिलों में तीन आवासीय संपत्तियों को कुर्क कर लिया है। अधिकारियों ने बताया कि एनआईए के अधिकारियों ने जिले के अवंतीपोरा इलाके के चुर्सू में दो संपत्तियों की कुर्की के नोटिस चिपकाए गए। नोटिस में ग्राम चुर्सू, अवंतीपोरा, जिला पुलवामा में सर्वेक्षण संख्या 722,723 और 724 के तहत एक दो मंजिला एक आवासीय घर और एक मंजिला आवासीय घर, जिसका स्वामित्व संयुक्त रूप से खुर्शीद अहमद भट पुत्र गुलाम मोहम्मद भट निवासी भटपोरा, चुर्सू, अवंतीपोरा जिला पुलवामा और उसके पांच भाइयों के पास है।

वकील नेशनल लोक अदालत का करेंगे बहिष्कार

सिरसा (हिंस)। रोड़ी व बड़ागुढ़ा थाने से संबंधित गांवों के केस डबवाली जिला पुलिस के अधीन किए जाने के विरोध में सिरसा कोर्ट में गुरुवार को भी वकीलों की हड़ताल जारी रही। साथ ही बार एसोसिएशन सिरसा ने ऐलान किया है कि 9 दिसंबर को होने वाली नेशनल लोक अदालत का बहिष्कार किया जाएगा। सिरसा कोर्ट में वकीलों की हड़ताल चार दिन से चल रही है। हड़ताल के कारण किसी भी कोर्ट में केसों की सुनवाई नहीं हो रही है। सिरसा बार एसोसिएशन के समर्थन में आज रानियां व ऐलनाबाद कोर्ट में भी वकीलों ने नो वर्कडे रखा। यानि,वहां की कोर्ट में भी कोई काम नहीं हुआ। इस मामले में गत दिवस सिरसा बार एसोसिएशन का एक प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश के गृहमंत्री अनिल विज तथा हाईकोर्ट के जज से मिला था और अपनी बात रखी थी। वहां से उन्हें इस मामले में सकारात्मक आश्वासन मिला है,मगर हड़ताल आज भी जारी है। अब वकीलों ने ऐलान किया है कि नेशनल लोक अदालत का सिरसा की बार एसोसिएशन बहिष्कार करेगी। वकीलों का कहना है कि सिरसा के रोड़ी व बड़ागुढ़ा थाना को डबवाली कोर्ट से जोड़ना बहुत ही गलत निर्णय है। इससे दोनों थानों के 71 गांव के हजारों ग्रामीण व सिरसा कोर्ट के 1700 वकील प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों व व कीलों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। क्योंकि दोनों थाना क्षेत्र के गांव डबवाली से 50 से 60 किलोमीटर दूर हैं, जबकि सिरसा 15 से 20 किलोमीटर दूरी पर हैं। बार प्रधान ने बताया कि दोनों थाना क्षेत्र पंजाब सीमा से सेट हैं, यहां पर मादक पदार्थ तस्करी के मामले ज्यादा होते हैं। इन मामलों के लिए सिरसा में ही स्पेशल कोर्ट स्थापित है। जिले भर के मादक पदार्थ अधिनियम के मामले सिरसा कोर्ट में ही चलते हैं। इसके अलावा दोनों थाना क्षेत्र के ग्रामीणों के सभी सरकारी काम-काज सिरसा तहसील व उपायुक्त कार्यालय में होते हैं। ऐसे में कोर्ट केस को सिरसा से 60 किलोमीटर डब-वाली ट्रांसफर करना बिल्कुल भी सही नहीं है।

हनी ट्रेप केस : हनी ट्रेप और झूठे केस फंसाने वाले दो गिरफ्तार

जोधपुर (हिंस)। शहर की माता का थान पुलिस ने हनी ट्रेप केस एवं झूठे मुकदमें में फंसाने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रकरण एससीएसटी एक्ट में दर्ज हो रखा है। आरोपी महिला हाथ नहीं लगी है। पुलिस पकड़े गए अभियुक्तों से अब पड़ताल में जुटी है। माता का थान पुलिस थाने में जून 23 में तिंवर के एक युवक की तरफ से रिपोर्ट दी गई थी। इसमें बताया कि उसके भाई के पास में 20 जून को मालियों का बेरा भदवासिया निवासी चमनलाल पुत्र फरसाराम को फोन आया कि उसकी सिटी बस की बुकिंग ले रखी है और उसे लेकर जाना है। इस पर उसका भाई 20 जून को अपनी बाइक लेकर रामसागर चौराहा पहुंचा था। जहां पर अपनी बाइक को अपनी बहन के घर पर रखा था। जिस पर वह बाद में आरोपी के बताए ठिकाने पर गया तो वहां पहले से चमनलाल और एक अन्य युवक खड़ा था। आरोपी चमनलाल उसके भाई को अपनी बाइक पर बिठाकर घर ले गया और फिर एक कमरें में बंद कर पहले शराब पिलाई फिर मारपीट की। वहां एक महिला और अन्य व्यक्ति भी थे। महिला द्वारा जोरजबरदस्ती की गई और वीडियो बनाया गया। उसके भाई को जाति शब्दों से अपमानित करते हुए मोबाइल से 15 सौ रुपए खाते में ट्रांसफर कर दिया और जेब से 35 हजार रुपए निकाल लिए। आरोपियों ने उसके भाई को धमकाते हुए कहा कि पांच लाख का बंदोबस्त कर नहीं तो रेप के झूठे केस में फंसा देंगे।

गरीबों को मुफ्त राशन साबित हो रहा जुमला : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़ (हिंस)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हरियाणा कांग्रेस कमेटी की पूर्व प्रदेशाध्यक्ष कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार द्वारा गरीब लोगों को मुफ्त राशन देने की घोषणा हरियाणा में जुमला ही साबित हो गई। भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार भी लोगों को गरीबी रेखा के अंदर ज्यादा लोगों को लाने के लिए दायरा तो बढ़ाने लगी, लेकिन इनके लिए सुविधाओं में इजाफा करवाना ही भूल गई। प्रदेश व केंद्र सरकार में आपसी समन्वय न होने के कारण आज प्रदेश के 42 लाख लोगों को राशन तक नहीं मिल पा रहा है। जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा में भाजपा की डबल इंजन सरकार के दोनों ही इंजन फेल हो चुके हैं। प्रदेश के लोगों की बात केंद्र तक पहुंचाने में गठबंधन सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। भाजपा की अगुवाई वाली सरकार प्रदेश में होने के बावजूद केंद्र सरकार हरियाणा की तरफ किसी तरह का ध्यान नहीं दे रही है। यही कारण है कि राशन डिपो पर पहुंचने वाले राशन की मात्रा प्रदेश में मौजूद गरीब परिवारों के अनुसार नहीं भेजी जा रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रदेश की 60 प्रतिशत से अधिक आबादी गरीबी रेखा के दायरे में आ चुकी है। ये 42 लाख परिवारों के करीब 1 करोड़ 68 लाख लोग बनते हैं। ऐसे में बीपीएल की श्रेणी में आए लोग राशन लेने के लिए डिपो पर पहुंचते हैं तो उन्हें राशन नहीं मिल पाता। इसके बाद डिपो संचालकों के साथ उनके झगड़े होते हैं। जबकि, डिपो संचालक साफ कहते हैं कि तीन महीने से उन्हें कम राशन मिल रहा है। कुमारी सैलजा ने कहा कि गरीब परिवारों को केंद्र की घोषणा के अनुरूप न तो परिवार के प्रति सदस्य को 5 किलोग्राम मुफ्त गेहूं मिल रहा है और न ही रियायती दरों पर चीनी मिल पा रही है। वहीं, रियायती दामों पर सरसों का तेल न मिलने से इनकी परेशानी और अधिक बढ़ चुकी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार सिर्फ इवेंट मैनेजमेंट की सरकार है, जो गरीबों के लिए चलाई जा रही स्कीमों का ढिंढोरा तो जोर-शोर से पीटती है, लेकिन उन्हें धरातल पर नहीं उतार पा रही।

खालसा कालेज के एनसीसी कैडेटों ने मनाया सशस्त्र सेना झंडा दिवस

यमुनानगर (हिंस)। 14 हरियाणा बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल जरनैल सिंह और प्रशासनिक अधिकारी कर्नल संदीप शर्मा के मार्गदर्शन में गुरुनानक खालसा कालेज के एनसीसी कैडेट्स ने गुरुवार को सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स ने समाज के विभिन्न भागों मे जाकर सहायता राशि के रूप में 72,185 रुपए की धनराशि एकत्रित की। कॉलेज प्राचार्य डॉ. हरिन्दर सिंह कंग ने बताया कि भारत सरकार ने साल 1949 से सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाने का निर्णय लिया था। जिसमें शहीद हुए सैनिकों के आश्रितों के कल्याण के लिए सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि सशस्त्र सेना झंडा दिवस द्वारा इकट्ठा की गई राशि युद्ध वीरांगनाओं, सैनिकों की विधवाओं, भूतपूर्व सैनिक, युद्ध में अपंग हुए सैनिकों व उनके परिवार के कल्याण पर खर्च की जाती है। मौके पर कॉलेज के एनसीसी अधिकारी डॉ. जोशप्रीत सिंह और रविता सैनी ने बताया कि 7 दिसंबर 1949 से शुरू हुआ यह सफर आज भी जारी है। आजादी के तुरंत बाद सरकार को लगने लगा कि सैनिकों के परिवार वालों की भी जरूरतों का ख्याल रखने की आवश्यकता है और इसलिए उसने 7 दिसंबर को झंडा दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि इसके पीछ सोच थी कि जनता में छोटे-छोटे झंडे बांट कर दान अर्जित किया जाएगा। जिसका फायदा शहीद सैनिकों के आश्रितों को होगा। शुरूआत में इसे झंडा दिवस के रूप में मनाया जाता था। लेकिन 1993 से इसे सशस्त्र सेना झंडा दिवस का रूप दे दिया गया।

निर्दलीय विधायक आक्या ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा से की भेंट, समर्थन पत्र सौंपा

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से शिष्टाचार भेंट कर पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत और राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ में सरकार बनने पर शुभकामनाएं दी। भाजपा के राष्ट्रीय कार्यालय में जेपी नड्डा से मुलाकात के दौरान विधायक आक्या ने कहा कि वे सदैव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रहित की नीतियों और भाजपा की विचारधारा के समर्थक रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को दिए समर्थन पत्र में आक्या ने कहा कि वे अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत से ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जैसे राष्ट्रवादी संगठन से जुड़े रहे है। इसी विचारधारा के अनुरूप वे पीएम मोदी की नीतियों का समर्थन करते हुए राजस्थान की बनने वाली भाजपा सरकार को अपना पूर्ण समर्थन देंगे। दिल्ली प्रवास के दौरान विधायक आक्या ने भाजपा राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष से भी शिष्टाचार मुलाकात कर भाजपा की नीतियों के साथ चलने की बात कही। विधायक आक्या ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में देश पीएम मोदी को पुन: प्रधानमंत्री देखना चाहता है और जनता की भावनाओं के साथ हमारी कार्यकर्ता टीम भी धरातल पर इसी संकल्प को साथ लेकर चलेगी। गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव में मौजूदा विधायक चंद्रभान सिंह आक्या का भाजपा ने टिकट काट दिया था और विद्याधरनगर से विधायक नरपत सिंह राजवी को दिया था। इस पर चंद्रभानसिंह आक्या ने निर्दलीय चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की। आक्या ने कांग्रेस के दिग्गज नेता सुरेंद्रसिंह जाड़ावत को हराया तो वहीं भाजपा के दिग्गज नरपतसिंह राजवी की जमानत जब्त हुई। परिणाम आने के बाद विधायक आक्या भाजपा नेताओं के वरिष्ठ नेताओं के संपर्क में है और मुलाकातों का दौर जारी है। वे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष के अलावा वरिष्ठ नेता ओम माथुर से भी भेंट कर चुके हैं।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया अधिकारियों को लगाया बैज

जोधपुर (हिंस)। सशस्त्र सेना झंडा दिवस गुरुवार को गौरवमयी ढंग से मनाया गया। इस दौरान कई अधिकारियों को सशस्त्र सेना झंडा दिवस का बैज लगाया गया। सभी ने सेना के सहयोगार्थ अर्थदान किया। वहीं वीरांगनाओं व पूर्व सैनिकों का सम्मान भी किया गया। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल दिलीप सिंह खंगारोत ने बताया कि जिला सैनिक कल्याण अधिकारी जोधपुर एवं जिला क्षेत्र के अधीन समस्त राजकीय कार्यालय व विभागों में पदस्थापित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में आज जिला कलक्टर कार्यालय में मनाया गया। सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर जिला सैनिक कल्याण कार्यालय की ओर से जिला कलक्टर हिमांशु गुप्ता सहित कई अधिकारियों के सशस्त्र सेना झंडा दिवस का बैज लगाया गया। इस अवसर पर वीरांगनाओं व पूर्व सैनिकों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात जिला सैनिक कल्याण कार्यालय परिसर में झण्डा दिवस का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक तथा उनकी वीरांगनाओं ने भाग लिया तथा उनके द्वारा दानराशि दी गई। दान में प्राप्त राशि युद्ध वीरांगनाओं, पूर्व सैनिकों, विधवाओं और बच्चों के कल्याण में खर्च की जाती है। इस अवसर पर कार्यालय के कार्मिकों द्वारा स्टीकर्स के जरिए पूर्व सैनिकों एवं आश्रितों के कल्याण के लिए आर्थिक सहायता राशि एकत्रित की गई। कार्यालय द्वारा शहर में विभिन्न स्थानों पर काउंटर लगाकर लोगों में जागरूकता, प्रसार एवं आर्थिक सहयोग की अपील की गई।

पंचायत चुनावों की जानकारी देने में राज्य चुनाव आयुक्त नाकाम, 50 हजार जुर्माना

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद पंचायत चुनावों को लेकर ठोस जवाब न देने पर पंजाब के राज्य चुनाव आयुक्त पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। हाई कोर्ट ने उन्हें एक सप्ताह की मोहलत देते हुए स्पष्ट कर दिया कि यदि चुनाव कार्यक्रम की जानकारी नहीं दी गई तो राज्य चुनाव आयुक्त जेल जाने को तैयार रहें। मई माह में हाई कोर्ट ने पंजाब सरकार को आदेश दिया था कि वह पंजाब में सरपंच, पंचायत समिति सदस्य तथा जिला परिषद के खाली पड़े पदों को चुनाव बारे 20 दिन के भीतर अधिसूचना जारी करें। पंजाब में पंचायत के खाली पदों के चुनाव कराने को लेकर हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। पिछले दिनों इस याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने कोर्ट के आदेशों को हल्के और गैर-जिम्मेदाराना तरीके से लेने के लिए पंजाब सरकार की आलोचना की थी, तब पंजाब के मुख्य सचिव ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट को बताया था कि उप चुनावों के बारे में अधिसूचना जारी की जाएगी। कोर्ट को बताया गया था कि अब तक सरपंचों के 431 रिक्त पदों, पंचों के 2914, पंचायत समिति सदस्य के 81 तथा जिला परिषद सदस्यों के 10 पदों की सूचना दिनांक 27 मार्च के पत्र द्वारा राज्य निर्वाचन आयोग को भेजी जा चुकी है। इनके चुनाव 30 दिसंबर, 2018 को आयोजित हुए थे और 18 सितंबर और 29 दिसंबर को इनकी अवधि समाप्त हो गई थी। जसविंदर कौर और एक अन्य याचिकाकर्ता ने इस मामले में हाई कोर्ट में अवमानना याचिका दायर की थी। कोर्ट को बताया गया कि जनवरी माह में सरकार की तरफ से कोर्ट में आश्वासन दिया गया था कि तीन सप्ताह के भीतर चुनाव की घोषणा कर दी जाएगी, जिसके बाद कोर्ट ने उस याचिका का 13 जनवरी को निपटारा कर दिया था। याचिकाकर्ताओं के वकील ने कोर्ट को बताया कि लगभग कई महीने व्यतीत हो गए थे, लेकिन आज तक चुनाव की घोषणा नहीं की गई। हाई कोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई के दौरान पंजाब के चुनाव आयुक्त को सात दिसंबर तक पंचायत चुनाव का पूरा शेड्यूल पेश करने का आदेश दिया था। इसके साथ ही यह भी स्पष्ट कर दिया था कि यदि इसे पेश करने में वे नाकाम रहे तो उन्हें खुद कोर्ट में पेश होकर जानकारी देनी होगी।

सात दिवसीय फेस्टिवल जयरंगम का 10 से आगाज

जयपुर (हिंस)। रंगमंच के रंग में रंगने और कला एवं संस्कृति के विभिन्न पहलुओं से रूबरू करवाने वाले जयपुर रंग महोत्सव जयरंगम-2023 का 10 दिसंबर से आगाज होने जा रहा है। श्री एम डॉट बैंड थिएटर फैमिली सोसाइटी द्वारा कला एवं संस्कृति विभाग, राजस्थान और जवाहर कला केंद्र, जयपुर के सहयोग से आयोजित महोत्सव 16 दिसंबर तक चलेगा। प्रसिद्ध रंगकर्मी हबीब तनवीर को समर्पित महोत्सव का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। 7 दिन में होंगे 16 नाटक, म्यूजिकल कॉन्सर्ट, महफिल ए जयरंगम, रंग संवाद, मास्टर क्लास का आयोजन होगा। सुकृति गैलरी में सात दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। इसमें हबीब तनवीर के रंगकर्म साधना के पलों को तस्वीरों के जरिए दर्शाया जाएगा। साथ ही प्रदर्शित होंगे उनके प्रोप्स, कॉस्ट्यूम्स जिन्हें विभिन्न संग्रहालयों से लाया गया है। कृष्णायन में प्रतिदिन दो बजे रंग संवाद होगा। इसमें विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञ विचार रखेंगे। रंगकर्म के क्षेत्र में युवाओं की रचनात्मकता के बीज को अंकुरित करने के लिए जयरंगम में विशेष स्पॉटलाइट सेगमेंट रखा गया है। इसमें प्रतिदिन कृष्णायन में दोपहर 12 बजे युवा निर्देशकों के नाटकों का मंचन किया जाएगा।

क्रिसमस पर्व : धर्मावलंबी जोर-शोर से तैयारियां में जुटे

जयपुर (हिंस)। राजधानी में प्रभु यीशु का जन्मोत्सव क्रिसमस 25 दिसंबर को बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा। जिसकी तैयारियों बाजारों में जोर -शोर से दिखाई देने लगी है। चर्च और मसीह धर्मावलंबियों के घरों में रंग-रोगन और सजावट की जा रही है। दुकान-मॉल और डिपार्टमेंट स्टोर पर क्रिसमस से जुड़े, सॉफ्ट टॉयज, की -चेन और अन्य सामान सजने लगे है। कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट धर्मावलम्बी जोर-शोर से क्रिसमस की तैयारियां में जुटे है। मसीह समाज के राम मसीह ने बताया कि क्रिसमस के लिए 10 दिसंबर से विभिन्न कार्यक्रमों की शुरुआत की जाएगी। 10 दिसंबर को वाइट गिफ्ट संडे मनाया जाएगा। 17 दिसंबर को क्रिसमस रैली का आयोजन किया जाएगा। 21 से 24 दिसंबर तक चर्चों और मसीही समाज के घरों में कैरल्स सिंगिंग का आयोजन होगा। 24 दिसंबर को मिड नाइट सर्विस और 25 दिसंबर को क्रिसमस मनाया जाएगा। इसी तरह 26 से 31 दिसंबर तक कलीसियाई खेलकूद, डिनर पाल का जलसा, फैंसी ड्रेस, लेखन, चित्रकला, अंताक्षरी और क्रिसमस संगीत प्रतियोगिता के कार्यक्रम होंगे। 31 दिसंबर को क्रिसमस मेला, मिड नाइट सर्विस और एक जनवरी को चर्च में नए साल की प्रार्थना होगी। क्रिसमस में महज कुछ दिन बचे हैं। इसके चलते कलरिंगर,फूलों के पौधे तैयार करने का काम चल रहा है। दिसंबर के दूसरे पखवाड़े में चर्च और घरों में रंग-बिरंगी लाइट,फरिंयां, बैलून, क्रिसमस ट्री सजाने का काम चलेगा। प्रमुख बाजारों में दुकानों और डिपार्टमेंटल स्टोर में क्रिसमस से जुड़ी सामग्री पहुंच रही है। क्रिसमस ट्री, प्रभु यीशू के क्रॉस, मालाएं, ब्रेसलेट, की चेन, कॉर्ड, सॉफ्ट टॉय, विशेष कप, टॉफियां, वॉलेट, केक, फरिंयां और अन्य सामान मंगवाए जा रहे हैं। क्रिसमस आगमन का संदेश देने के लिए युवक-युवतियां केरोल सिंगिग में जुटे हैं। वह शहर के अलग-अलग इलाकों में जाकर वाद्य यंत्रों के साथ कैरल्स सिंगिंग कर रहे हैं।

देश के करोड़ों लोग 23 दिसंबर को एक साथ करेंगे गीता पाठ

एक मिनट-एक साथ गीता पाठ पढ़कर सद्भावना, प्रेम और शांति का संदेश दें, एक बनें नेक बनें : स्वामी ज्ञानानन्द

कैथल (हिंस)। गुरुवार को स्वामी ज्ञाननंद जी महाराज ने कैथल के निमंत्रण पैलेस में आयोजित बैठक में सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को गीता का पाठ करने का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम वैश्विक स्तर पर होगा। 23 दिसंबर को सुबह 11 बजे प्रत्येक व्यक्ति श्रीमद् भागवत गीता के प्रथम, मध्य और अंतिम श्लोक का एक साथ उच्चारण करेंगे। बैठक में प्रमुखतया कैथल हलका के विधायक लीलाराम, भाजपा नेता सुरेश गर्ग नौच एवं अन्य समाजसेवी लोगों ने स्वामी ज्ञानानन्द का आशीर्वाद लिया। स्वामी ज्ञानानंद ने श्री कृष्ण कृपा सेवा समिति, जियो गीता परिवार एवं कैथल शहर की सभी धार्मिक संस्थाओं के अध्यक्षों से आह्वान किया कि आने वाली गीता जयंती पर सभी को एक मिनट एक साथ गीता पाठ की इस मुहिम का हिस्सा बनना है। 23 दिसंबर को हर कोई एक मिनट एक साथ गीता पाठ पढ़कर सद्भावना, प्रेम और शांति का संदेश दें। गीता हिंदुओं की आस्था का ग्रंथ जरूर है, लेकिन यह हिंदू ग्रंथ नहीं है। गीता तो संपूर्ण मानव कल्याण का ग्रंथ है। इसलिए हर बार की तरह इस बार भी सभी जाति, धर्म, समुदाय व क्षेत्रों के लोग एक साथ मिल गीता पाठ करें। उन्होंने कहा कि 23 दिसंबर को पहली बार जम्मू में भी गीता जयंती महोत्सव मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज से 5,160 वर्ष पूर्व 23 दिसंबर के दिन सुबह 10:30 से 11:30 के बीच ही भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन के गीता का संदेश दिया था। इसलिए इस बार गीता पाठ का समय सुबह 11 बजे रखा गया है। 23 दिसंबर को गीता जयंती है। जिले के प्रत्येक स्कूल, मंदिर, दुकान और घर में सुबह 11 बजे एक मिनट तक गीता का पाठ होना चाहिए। उन्होंने कहा कि गीता हमारे जीवन का असली सार है। मंच का संचालन समाजसेवी महेन्द्र खन्ना ने किया। इस अवसर पर शिव शंकर पाहवा, इन्द्रजीत सरदाना, सुधीर मैहत्ता, राजकुमार मुखीजा, कृष्ण नारंग, सुभाष कथूरिया, प्रदर्शन परुथी, राजेंद्र कुकरेजा, अशोक भारती, सुरेंद्र गर्ग, संजय गर्ग, डॉ. प्रदीप शर्मा, नरेश मित्तल, प्रीतिपाल कालरा, सतीश सोनी, गोपाल सैनी, महेश धमीजा, सुभाष नारंग, डॉ. आर.डी. चावला सहित अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद थे।

रैपिडो ने की कैब बाजार में उतरने की घोषणा, कंपनी कराएगी अब कार से भी सफर

नई दिल्ली ।
रैपिडो कंपनी ने कैब बाजार में उतरने की घोषणा की! कंपनी ने सॉफ्टवेयर एज अ सर्विस (सास) पर चलने वाला अपना प्लेटफॉर्म रैपिडो कैब्स पेश किया। रैपिडो कैब्स प्लेटफॉर्म हर फेरे पर कमीशन नहीं लेगा बल्कि उसके ड्राइवर सबस्क्रिप्शन मॉडल पर काम करेंगे। उबर और ओला जैसी इस बाजार की स्थापित कंपनियां ड्राइवरों से हर फेरे पर तयशुदा कमीशन लेती हैं। मगर रैपिडो प्लेटफॉर्म पर जब ड्राइवर की कमाई 10,000 रुपये महीने से ज्यादा हो जाएगी तब उसे 500 रुपये का सबस्क्रिप्शन शुल्क देना होगा। रैपिडो के सह-संस्थापक पवन गुंटूपल्ली ने कहा, 'सास पर चलने वाला हमारा अनूठा प्लेटफॉर्म ड्राइवरों के लिए कमीशन वाली पुरानी व्यवस्था में क्रांति ला देगा। इसमें ड्राइवरों को न्यूनतम सॉफ्टवेयर उपयोग शुल्क ही देना होगा, जो उद्योग में बड़ा बदलाव होगा।' रैपिडो ने अपने बेड़े में 1 लाख से अधिक कार जोड़ ली हैं, जिनमें से करीब 50 फीसदी कार दिल्ली-एनसीआर में हैं। रैपिडो फिलहाल देश के 100 शहरों में अपनी सेवाएं दे रही है, लेकिन उसकी कैब सेवा शुरू में केवल बेंगलूरु, हैदराबाद और दिल्ली-एनसीआर में ही मिलेगी। कंपनी ने अगले चरण में अपने कारोबार का विस्तार छोटे एवं मझोले शहरों तक करने की योजना बनाई है। कंपनी अपने साथ करीब 5,00,000 ड्राइवर पार्टनर होने और हर महीने 5.5 करोड़ फेरे उपलब्ध कराने का दावा करती है। इसके अलावा वह न्यूनतम किराये की गारंटी के साथ ग्राहक जोड़ने की भी कोशिश कर रही है। सवारी की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कंपनी ने अपने ऐप पर एसओएस, लोकेशन साझा करने और आपातकालीन बटन जैसी सुविधाएं दी हैं। अगर ड्राइवर निर्धारित मार्ग से भटक जाता है, रुक जाता है अथवा सवारी को बुकिंग वाली जगह के बजाय कहीं और उतारता है तो उसकी सूचना भेजने के लिए ऐप को भी बेहतर बनाया गया है। कंपनी भविष्य में चेहरा पहचानने की सुविधा भी तैयार कर रही है। रैपिडो अपने ड्राइवर पार्टनर को कैप्टन कहती है। उसके कैप्टनों को सवारी के प्रति संवेदनशील बनाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम से भी गुजरना होगा। कंपनी अपने बेड़े में इलेक्ट्रिक वाहन भी शामिल करने लगी है। डेटा प्लेटफॉर्म ट्रैक्सन के अनुसार रैपिडो ने अब तक करीब 2,600 करोड़ रुपये जुटाए हैं ।

न्यूज ब्रीफ

ओडिशा और झारखंड में आयकर विभाग की छापेमारी; मिला इतना कैश, गिनने वाली मशीन ही हो गई खराब

नई दिल्ली । आयकर विभाग ने ओडिशा और झारखंड में बौध डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड में छापेमारी की और कंपनी से जुड़े परिसरों से भारी मात्रा में नोट बरामद किए। अधिकारियों के अनुसार ओडिशा के बोलांगीर और संबलपुर तथा झारखंड के रांची, लोहरदगा में तलाशी जारी है। आयकर विभाग के सूत्रों के अनुसार कल तक 50 करोड़ रुपये तक के नोटों की गिनती पूरी हो चुकी है, लेकिन नोटों की संख्या इतनी अधिक है कि मशीनों ने काम करना बंद कर दिया है। शराब बनाने वाली कंपनी बौध डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड के कई डिवीजनों पर गुरुवार को दूसरे दिन भी आयकर विभाग की छापेमारी जारी है। आयकर विभाग के अधिकारियों ने पश्चिमी ओडिशा में सबसे बड़ी देशी शराब निर्माता और बेचने वाली कंपनियों में से एक बलदेव साहू एंड ग्रुप ऑफ कंपनीज के बोलांगीर कार्यालय में छापेमारी के दौरान 150 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी जब्त की। बलदेव साहू एंड ग्रुप ऑफ कंपनीज बौध डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड (बीडीपीएल) की साझेदारी फर्म है, जिस पर कल भी छापा मारा गया था। ओडिशा में मुख्यालय वाला, बीडीपीएल समूह पूरे राज्य में काम करता है। इसके अन्य व्यावसायिक प्रभागों में बलदेव साहू इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड (फ्लाई ऐश ब्रिक्स), क्वालिटी बॉटलर्स प्राइवेट लिमिटेड (आईएमएफएल बॉटलिंग) और किशोर प्रसाद बिजय प्रसाद बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड (आईएमएफएल ब्रांडों की बिक्री और विपणन) आदि शामिल है।

वीवो के खिलाफ ईडी ने आरोप पत्र दाखिल किया, मुखौटा कंपनियों के जरिए एक लाख करोड़ रुपये चीन भेजने का आरोप

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा है कि उसने चीनी फोन निर्माता वीवो के खिलाफ अपनी मनी लॉन्ड्रिंग जांच में आरोप पत्र दायर किया है। एजेंसी ने आरोप पत्र में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की आपराधिक धाराओं के तहत आरोप लगाए हैं। ईडी ने कहा है कि वीवो ने 2014 से 2021 के बीच भारत के बाहर एक लाख करोड़ रुपये भेजने के लिए शेल यानी मुखौटा कंपनियों का इस्तेमाल किया। अक्टूबर में ईडी ने लावा इंटरनेशनल कंपनी के एमडी हरि ओम राय, चीनी नागरिक गुआंगवेन उर्फ एंड्रयू कुआंग और चार्टर्ड अकाउंटेंट नितिन गर्ग और राजन मलिक को इस मामले में गिरफ्तार किया था। 2022 में अपनी जांच शुरू करने वाले ईडी ने पिछले साल जुलाई में वीवो-इंडिया और उससे जुड़े व्यक्तियों पर छापा मारा था, जिसमें चीनी नागरिकों और कई भारतीय कंपनियों से जुड़े एक बड़े मनी लॉन्ड्रिंग रैकेट का भंडाफोड़ करने का दावा किया गया था।

सोना और चांदी के भाव में नरमी,सोने के वायदा भाव 62,300 और चांदी का 74,500 रुपए

नई दिल्ली । सोने और चांदी के वायदा भाव में गुरुवार को नरमी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव अब गिरकर 62,300 रुपये और चांदी के वायदा भाव 74,500 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। सोना रिकॉर्ड स्तर से करीब 1,800 रुपये फिसल चुका है। चांदी के वायदा भाव इस सप्ताह करीब 4,000 रुपये गिर चुके हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रेक्ट 26 रुपये की गिरावट के साथ 62,414 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 77 रुपये की गिरावट के साथ 62,363 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोमवार को सोने के वायदा भाव ने 64,063 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छुआ था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 81 रुपये की गिरावट के साथ 74,750 रुपये पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 280 रुपये की गिरावट के साथ 74,551 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोमवार को चांदी के वायदा भाव 78,549 रुपये के भाव पर दिन के उच्च स्तर पर पहुंच गए थे।

टाटा पावर का मार्केट कैप 1 लाख करोड़ के पार

इतने मार्केट कैप वाली टाटा ग्रुप की छठी कंपनी बनी, शेयर ने नया हाई भी बनाया

मुंबई ।
टाटा पावर लिमिटेड 1 लाख करोड़ रुपए के मार्केट कैप को पार करने वाली टाटा ग्रुप की छठी कंपनी बन गई है। गुरुवार को कारोबार के दौरान टाटा पावर का शेयर 9 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी के साथ 322 रुपए के रिकॉर्ड हाई के पार कारोबार कर रहा है। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप भी बढ़कर 1.03 लाख करोड़ रुपए के पार हो गया है।

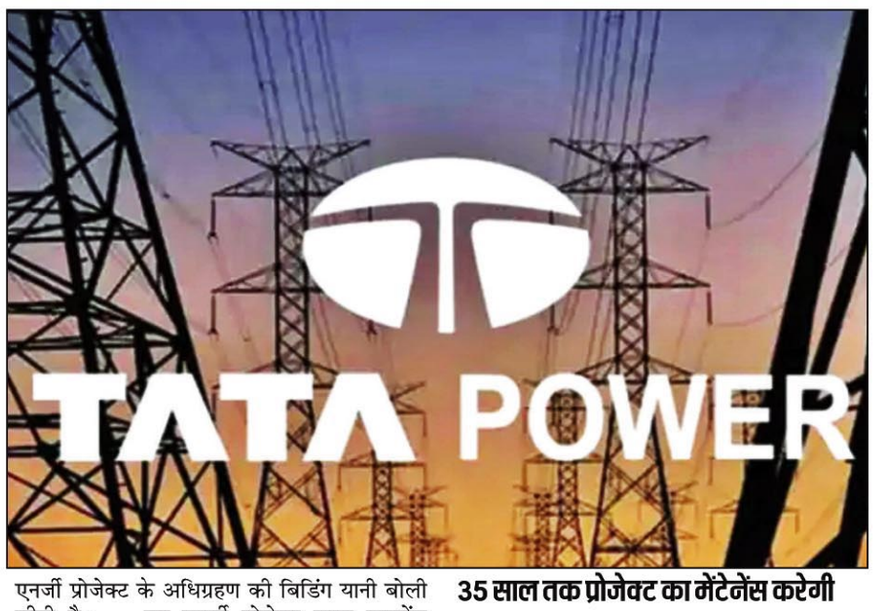

टाटा पावर ने इस साल अब तक 52.54 प्रतिशत का रिटर्न दिया

पिछले छह महीनों में टाटा पावर का स्टॉक 47 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ा है। वहीं पिछले एक महीने में यह करीब 29.36 प्रतिशत बढ़ा है। टाटा पावर ने 2023 में 52.54 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वहीं पिछले 12 महीने यानी 1 साल में कंपनी का शेयर 43.08 प्रतिशत चढ़ा है। इससे पहले शुक्रवार को ट्रेंट लिमिटेड 1-लाख करोड़ रुपए के मार्केट कैप वाली टाटा ग्रुप की 5वीं कंपनी बनी थी। टाटा पावर और ट्रेंट के अलावा टाटा ग्रुप की 1 लाख करोड़ के मार्केट कैप वाली अन्य कंपनियों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज , टाइटन, टाटा मोटर्स और टाटा स्टील है।

मार्केट कैप के मामले में टॉप पर रिलायंस इंडस्ट्रीज

मार्केट कैप के हिसाब से भारत की टॉप कंपनियों में सबसे ऊपर रिलायंस इंडस्ट्रीज है। इसका मार्केट कैप 16.59 लाख करोड़ रुपए है। दूसरे नंबर पर 13.27 लाख करोड़ रुपए के साथ टीसीएस , तीसरे नंबर पर 12.38 लाख करोड़ रुपए के साथ 7.00 लाख करोड़ रुपए के साथ चौथे और इंफोसिस 6.08 लाख करोड़ रुपए के साथ 5वें नंबर पर है।

टाटा-पावर ने बीकानेर ट्रांसमिशन रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट का किया अधिग्रहण

5 दिन पहले टाटा पावर लिमिटेड ने बीकानेर ट्रांसमिशन रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट का अधिग्रहण किया। कंपनी ने बताया था कि उसने करीब 1,544 करोड़ रुपए में बीकानेर-नीमराना ट्रांसमिशन रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट के अधिग्रहण की बिडिंग यानी बोली जीती है। यह एनर्जी प्रोजेक्ट पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन की सब्सिडियरी कंपनी पीएफसी कंसल्टिंग लिमिटेड द्वारा स्थापित एक स्पेशल परपज व्हीकल है। एसपीवी को स्पेशल परपज एंटिटी भी कहा जाता है। यह पेरेंट कंपनी द्वारा अपने फाइनेंशियल रिस्क को अलग करने के लिए बनाई गई सब्सिडियरी कंपनी होती है।

टाटा पावर ने इस प्रोजेक्ट को लेकर क्या कहा

टाटा पावर ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा था कि प्रोजेक्ट में बीकानेर पूलिंग स्टेशन से नीमराना सबस्टेशन तक 340 किलोमीटर के ट्रांसमिशन कॉरिडोर की स्थापना शामिल है। बिल्ड-ऑन-ऑपरेट-ट्रांसफर आधार पर शुरू किया जाने वाला यह ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट है। इसके तहत राजस्थान के बीकानेर कॉम्प्लेक्सेस से 7.7 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी का प्रोडक्शन किया जाएगा।

35 साल तक प्रोजेक्ट का मेंटेनेंस करेगी टाटा पावर

टाटा पावर 35 साल तक ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट का मेंटेनेंस करेगी। एसपीवी ट्रांसफर डेट से 24 महीने के भीतर प्रोजेक्ट के शुरू होने की उम्मीद है। कंपनी ने यह भी कहा था कि सफल शुरुआत पर यह प्रोजेक्ट 2022 में मिनिस्ट्री ऑफ पावर के रोडमैप में एक अहम कंपोनेंट के रूप में काम करेगा। इस रोडमैप का टारगेट 2030 तक 500 गीगावाट से ज्यादा रिन्यूएबल एनर्जी कैपिसिटी को नेशनल ग्रिड में इंटीग्रेट करना है। हाल ही में कंपनी की सब्सिडियरी कंपनी टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड को 200 मेगावाट का फर्म एंड डिस्पैचेबल रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट डेवलप करने का काम सौंपा गया था। प्लांट को हाइब्रिड कॉन्फिगरेशन के साथ सावधानी से डिजाइन किया गया है, जिसमें सोलर, विंड और बैटरी स्टोरेज कंपोनेंट शामिल हैं।

जीएसटी पंजीकरण प्रक्रिया होगी सख्त,

राष्ट्रीय सम्मेलन में बोले सीबीआईसी बोर्ड के विशेष सचिव शशांक प्रिय

नई दिल्ली ।
केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) जीएसटी पंजीकरण प्रक्रिया को सख्त करने पर विचार कर रहा। फर्जी पंजीकरण को रोकने, जीएसटी भरने की प्रक्रिया को आसान करने और करदाताओं के बीच ई-चालान को लोकप्रिय बनाने की दिशा में भी तेजी से काम शुरू किया है।

एसोचैम की ओर से आयोजित जीएसटी पर राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे सीबीआईसी के विशेष सचिव और सदस्य शशांक प्रिय ने ये बातें कहीं।

उन्होंने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। नई दिल्ली के एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में शशांक प्रिय ने कहा कि जीएसटी पंजीकरण और इसके अनुपालन में सुधार के लिए विभाग तेजी से काम कर रहा। इसका अंदाजा ऐसे लगाया जा सकता है कि सीबीआईसी ने 1.66 लाख करोड़ रुपये का औसत मासिक जीएसटी संग्रह किया है। ये एक अच्छा संकेत है, अभी इससे भी आगे बढ़ा जा सकता है। इसमें सुधार के पूरे अवसर हैं। उन्होंने कहा, ई-चालान को अधिक लोकप्रिय बनाने और करदाताओं को भी ऑनलाइन मोड में जाकर कर भुगतान करने के लिए प्रेरित करने पर काम हो रहा। अभी ये प्रक्रिया धीमी है। लेकिन ई-चालान के लिए बिजनेस टू कस्टमर सेगमेंट के विस्तार के बाद बिजनेस टू बिजनेस सेगमेंट में प्रवेश किया जाएगा। वर्तमान में ई-चालान सीमा पांच करोड़ रुपये निर्धारित है। उम्मीद है जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण चार से पांच महीने में चालू हो जाएगा। शशांक प्रिय ने कहा कि अबतक जीएसटी भरने के लिए विभिन्न कंपनियों को करीब 33 हजार नोटिस भेजे गए हैं। इसके लिए विभाग एक स्वचालित जांच मॉडल विकसित कर रहा है। दिसंबर के आखिर तक राज्य और केंद्र इकाइयों के जीएसटी अधिकारियों के बीच राष्ट्रीय समन्वय समिति की एक बैठक भी होने की उम्मीद है। एसोचैम के राष्ट्रीय अप्रत्यक्ष कर परिषद के अध्यक्ष प्रतीक जैन ने कहा, पिछले कुछ महीनों में जीएसटी संग्रह अच्छा रहा है। वित्त वर्ष 2024 में जीएसटी संग्रह लक्ष्य को पार करने की संभावना है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि जीएसटी ने सभी राज्यों में एक कानून और समान कर दरों के साथ संरचनात्मक सरलता ला दी है। उद्योग जगत का मानना है कि सरकार को अब व्यापार करने में आसानी के एजेंडे पर जोर देने की जरूरत है। एसोचैम के सह अध्यक्ष रितेश कनोडिया ने कहा कि अभी जीएसटी को लेकर कुछ चुनौतियां हैं, लेकिन सरकार इसे सरल बनाने के लिए सकारात्मक पहल कर रही है।

दो से तीन साल में आ जाएगी योजना, बी2सी कारोबार के लिए जरूरी होगा ई-चालान

नई दिल्ली ।
सरकार दो से तीन वर्षों में बी2सी कारोबार के लिएई-चालान जारी करना अनिवार्य कर सकती है। अभी सालाना पांच करोड़ रुपये और उससे ज्यादा कारोबार वाली बी2बी कंपनियों के लिएई-चालान जरूरी है।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर व सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के जीएसटी सदस्य शशांक प्रिया ने कहा, बी2सी (व्यवसाय से ग्राहक) लेनदेन को ई-चालान के तहत लाने पर काम चल रहा है। इसके लिए जीएसटी प्रणालियों की क्षमता बढ़ाने की जरूरत है। यह देखना होगा कि वे कौन से क्षेत्र हैं जिन्हें हम पहले शुरू कर सकते हैं। इस पर काम प्रगति पर है। 5-10 करोड़ रुपये के कारोबार वाले व्यवसाय पूरी तरह से ई-चालान जारी नहीं कर रहे हैं। इन पर हम अंकुश लगा रहे हैं।

कम कर भुगतान पर 33,000 नोटिस जारी

प्रिया ने कहा, 2017-18 और 2018-19 में दाखिल रिटर्न में विसंगतियों एवं करों के कम भुगतान के लिए लगभग 33,000 जीएसटी नोटिस भेजे गए हैं। पंजीकृत व्यवसायों में से करीब 25-28 फीसदी फर्जी पाए गए हैं। पंजीकरण सख्त किया जाएगा। जीएसटी अपीलीय

न्यायाधिकरण 4-5 महीनों में स्थापित होगा। वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक के बोर्ड ने 6 रुपये प्रति शेयर के भाव से चालू वित्त वर्ष के दूसरे अंतरिम लाभांश की घोषणा की है। इस पर कुल 2,535 करोड़ रुपये खर्च होंगे। पहले चरण में जुलाई में सात रुपये प्रति शेयर लाभांश दिया गया था। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि. (बीईएल) को 15 सितंबर, 2023 के बाद से कुल 3,915 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले हैं।इसमें भारतीय थलसेना से मिला 580 करोड़ रुपये का ऑर्डर भी शामिल हैं।कंपनी को 2023-24 में अब तक कुल 18,298 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले हैं। अदाणी समूह ऊर्जा क्षेत्र में 2030 तक 75 अरब डॉलर का निवेश करेगा।

2025 तक इथेनॉल के उत्पादन में आत्मनिर्भर होगा भारत, कई बंद पड़ी चीन मिल शुरु हुई और लाभ में आई

नई दिल्ली ।
मोदी सरकार ने लोकसभा को बताया कि देश में इस साल इथेनॉल का उत्पादन बढ़कर 12 प्रतिशत हो गया है और भारत 2025 तक इथेनॉल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होगा। उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूछे गए प्रश्न के उत्तर में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सोच के कारण इस साल इथेनॉल का उत्पादन बढ़कर 12 प्रतिशत हो गया है और इस कारण कई बंद पड़ी चीनी मिलें शुरू हुई हैं और लाभ में आ गई हैं। उन्होंने कहा, इससे नई नौकरियों का सृजन हो रहा है और गन्ना किसानों को भी प्रोत्साहन मिल रहा है। सहकारिता क्षेत्र में भी जो चीनी मिलें बंद थीं, वे भी शुरू हो गई हैं। गोयल ने कहा कि चीनी मिलों में अब चीनी के उत्पादन के साथ इथेनॉल का संयंत्र लगने से देश की सभी चीनी मिलें लाभ में हैं और एक तरह से 'सर्कुलर' अर्थव्यवस्था देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि पहले देश में गन्ना किसानों को तकलीफें झेलनी पड़ती थीं, वे भुगतान के लिए भटकते थे और मिलों के चक्कर लगाते थे। उन्होंने कहा कि कई बार सालों तक चीनी मिल द्वारा भुगतान नहीं किया जाता था, जबकि पूरे देश में पिछले चीनी सीजन का लगभग 98-99 प्रतिशत गन्ना किसानों का भुगतान हो चुका है। उन्होंने बताया कि देश में केवल दो, तीन मिल रह गई हैं, जो भुगतान नहीं हुआ हैं। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री साध्वी निरंजना ज्योति ने एक अन्य पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा कि 2014 में देश में इथेनॉल का उत्पादन केवल 1.5 प्रतिशत था, न सरकार की प्रतिबद्धता है कि 2025 तक भारत इथेनॉल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन जाएगा और निस्संदेह इसमें चीनी मिलों का बड़ा योगदान रहा है।

जॉर्जिया मेलोनी के इटली ने चीन को दिया झटका

जिनपिंग के महत्वाकांक्षी बीआरआई परियोजना से हुआ बाहर

नई दिल्ली ।
इटली ने चीन के महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) से बाहर निकलने की पुष्टि कर दी है। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के प्रशासन ने बीजिंग को सूचित कर दिया है कि बीआरआई से बाहर हो रहा है। इटली 2019 में चीन की सबसे महत्वाकांक्षी व्यापार और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में से एक बीआरआई पर हस्ताक्षर करने वाला एकमात्र प्रमुख पश्चिमी राष्ट्र था। उस समय अमेरिका और अन्य देशों ने इटली के कदम की कड़ी आलोचना की थी। 2013 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की ओर से शुरू किए गए, बीआरआई का उद्देश्य एशिया और यूरोप में अनुमानित 1 ट्रिलियन डॉलर का निवेश था। इस परियोजना के तहत नई और उन्नत रेलवे लाइनों और बंदरगाहों का निर्माण कर चीन को यूरोप और एशिया के अन्य हिस्सों से जोड़ना है। लेकिन बीआरआई की शुरुआत से ही अमेरिका कर्ज के जाल में फंसने वाली कूटनीति के उदाहरण के तौर पर आलोचना करता रहा है. वाशिंगटन का कहना है कि चीन की योजनाओं में

ऐसी बड़ी परियोजनाएं शामिल हैं जिन्हें देश वित्त पोषित करने में असमर्थ हैं, जिससे बीजिंग को अपने उद्देश्यों के लिए लाभ मिल रहा है। बीआरआई पर हस्ताक्षर करने वालों में इटली यूरोपीय संघ के 18 सदस्यों में से सबसे बड़ा था। इटली की बीआरआई सदस्यता अगले साल मार्च में स्वचालित रूप से नवीनीकृत होने वाली थी। इससे पहले ही इटली ने इससे बाहर निकलने की आधिकारिक तौर पर पुष्टि कर दी है। इसस पहले मेलोनी ने बीआरआई में शामिल होने के पूर्व सरकार के फैसले को एक गंभीर गलती करार दिया था और संकेत दिया था कि वह इस फैसले को वापस लेने के बारे में सोच रही हैं। लेकिन उनकी सरकार ने इस बात पर जोर दिया कि वह इस कदम के बावजूद चीन के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने की कोशिश कर रही है। 2019 में शी द्वारा इटली में किए गए 20 बिलियन यूरो के निवेश के वादे का केवल एक हिस्सा ही ही पूरा हो पाया है। इटली से चीन को निर्यात पिछले साल 16.4 अरब यूरो रहा, जबकि 2019 में यह 13 अरब यूरो था। इसके विपरीत, इटली को चीनी निर्यात इसी अवधि में 31.7 बिलियन यूरो से बढ़कर 57.5 बिलियन यूरो हो गया। चीन यूरोजोन की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं और यूरोपीय संघ के सदस्यों फ्रांस और जर्मनी के साथ कहीं अधिक व्यापार करता है। हालांकि, ये बीआरआई के सदस्य नहीं है। पिछले साल सत्ता में आने के बाद से मेलोनी ने अपने पूर्ववर्तियों की तुलना में अधिक पश्चिमी और नाटो समर्थक विदेश नीति पर जोर दिया है। मेलोनी का यह कदम यूरोपीय संघ आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और शी के बीच होने वाली शिखर वार्ता से पहले आया है।

इजराइल-हमास संघर्ष के बीच स्टारबक्स को बड़ा झटका, बहिष्कार के कारण 11 अरब डॉलर का नुकसान

नई दिल्ली । वैश्विक राजनीतिक तनाव सिएटल स्थित स्टारबक्स कॉर्पोरेशन पर हावी हो रहा है, इसका नतीजा है कि कंपनी ने अपने मार्केट वैल्यू में लगभग 11 बिलियन डॉलर खो दिए हैं। इससे कंपनी के कुल मूल्य में 9.4 प्रतिशत की गिरावट आ गई है। 14 नवंबर को रेड कप डे के प्रचार के बाद से 19 दिनों में स्टारबक्स के शेयरों में 8.96 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो लगभग 11 बिलियन अमरीकी डालर के नुकसान के बराबर है। वाशिंगटन के सिएटल स्थित स्टारबक्स इन दिनों भूराजनीतिक तनावों से प्रभावित हुआ है। स्टारबक्स वर्कर्स यूनाइटेड जो इसके कई बरिस्ता का प्रतिनिधित्व करता है के एक ट्वीट के बाद कंपनी को बहिष्कार का सामना करना पड़ा है। ट्वीट में फिलिस्तीनियों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की गई थी। एक उद्योग विश्लेषक ने कहा कि गाजा पट्टी में इजराइल की कार्रवाई के बाद शुरू हुआ बहिष्कार कंपनी के भविष्य के लिए एक चुनौतीपूर्ण स्थिति है। स्टारबक्स के शेयरों में लगातार 12 कारोबारी सेशन में गिरावट आई, जो 1992 में कंपनी के सार्वजनिक होने के बाद से अब तक का सबसे लंबा रिकॉर्ड है। कंपनी के स्टॉक वर्तमान में लगभग 95.80 डॉलर प्रति शेयर पर है, जो 115 डॉलर के वार्षिक उच्च स्तर से काफी नीचे है। हालांकि कंपनी ने ताजा विवाद के बीच खुद की ओर से कुछ भी गलत करने से इनकार किया है। लेकिन विभाजनकारी वैश्विक मुद्दों के बीच अपनी ब्रांड प्रतिष्ठा को बनाए रखने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। विश्लेषकों के साथ हाल ही में बातचीत में स्टारबक्स के सीईओ लक्ष्मण नरसिम्हन ने कहा कि वह कंपनी के विविध चैनलों और व्यापक आर्थिक चुनौतियों और बदलते उपभोक्ता व्यवहार के बावजूद ग्राहकों को जोड़ने की क्षमता के बारे में आशावादी बने हुए हैं।

किरदार के लिए छह महीने बाल और दाढ़ी बढ़ाई परमवीर ने

-स्ट्रीमिंग शो चमक में मुख्य भूमिका निभा रहे है परमवीर

मुंबई (ईएमएस)। स्ट्रीमिंग शो चमक में मुख्य भूमिका निभा रहे एक्टर परमवीर सिंह चीमा ने इस किरदार के लिए छह महीने तक अपने बाल और दाढ़ी बढ़ाई। चमक में परमवरी एक युवा महत्वाकांक्षी रैपर काला की भूमिका में है, जिसका जीवन कनाडा से पंजाब लौटने पर एक अप्रत्याशित मोड़ लेता है। अपनी तैयारियों के बारे में बात करते हुए, परमवीर ने कहाः चमक में काला के अपने चित्रण के माध्यम से मैंने कई चीजों का पहली बार अनुभव किया।

मैंने पूरी तरह से बदलाव किया, छह महीने तक अपने बाल और दाढ़ी बढ़ाई ताकि मैं उनके रूप को पूरी तरह से प्रतिबिंबित कर सकूं। इसके अलावा, मैंने काला के टैन लुक के लिए मेकअप को सही करने में कई घंटे लगाए, जो मेरे मूल रंग से अलग है। एक्टर ने आगे कहा, मैं अपनी आंखों पर सुरमा लगाना पसंद नहीं करता, लेकिन काला की यात्रा को चित्रित करने में यह महत्वपूर्ण था, जिसे दर्शक सीरीज में देखेंगे। और भी गहराई में जाने के लिए मैंने म्यूजिक सीखा और प्रामाणिक होने के लिए कड़ी एक्शन ट्रेनिंग ली। परमवीर ने कनाडा में रहने वाले अपने दोस्तों तक पहुंच कर काला के साथ गहरे स्तर पर जुड़ने के अपने प्रयासों का खुलासा किया। अभिनेता ने कहा, उनके जीवन जीने के तरीके और भारत लौटने पर उनके सामने आने वाली चुनौतियों को समझना जरूरी था। काला के साथ गहरा संबंध स्थापित करने के लिए मुझे कनाडा में पंजाबी संस्कृति के बारे में भी जानकारी मिली।रोहित जुगराज द्वारा निर्मित, लिखित और निर्देशित, श्रृंखला गीतांजलि मेहेलवा चौहान, रोहित जुगराज चौहान और सुमीत नंदलाल दुबे द्वारा निर्मित है।

मैंने हीरो को आदर्श माना : आयुष्मान खुराना

-बिग बी, राजेश खन्ना, शाहरुख खान का हूं फैन

मुंबई (ईएमएस)। एक्टर आयुष्मान खुराना ने कहा कि मुझे याद है कि मैं हर बार सिनेमाघरों में जाने को लेकर बेहद उत्साहित रहता था। मुझे वह दुनिया बहुत पसंद आई जिसमें फिल्में मुझे ले गईं। मैंने हीरो को आदर्श माना। हम हमेशा टीवी पर फिल्में भी देखते थे। सिनेमा हमेशा से हमारे दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। एक्टर ने कहा कि वह अमिताभ बच्चन, राजेश खन्ना, शाहरुख खान, अनिल कपूर, सलमान खान और आमिर खान जैसे दिग्गज हीरों के काम से आकर्षित होकर बड़े हुए। आयुष्मान ने कहा कि वह बड़े पर्दे पर हीरो बनने के अपने बचपन के सपने को जी रहे हैं। मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानता हूं कि मैंने अपने लिए एक जगह बनाई है।उन्होंने कहा, इंडस्ट्री ने मेरा शानदार स्वागत किया है और दर्शकों ने मुझे बहुत प्यार दिया है। मैं तहे दिल से इसका सम्मान करता हूं। एक्टर आभारी हैं कि उनके माता-पिता ने उन्हें हिंदी फिल्म के हीरो बनने के सपने को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, फिल्मों के प्रति प्यार ने ही मुझे कॉलेज में थिएटर करने के लिए प्रेरित किया। इसने मुझे मुंबई खींच लिया, जहां मैंने नाम कमाने की कोशिश की, सालों तक संघर्ष किया, जब मेरी फिल्में चलीं तो खुशी से रोया। मेरे दिल-दिमाग में फिल्मों के प्रति प्यार पर्याप्त नहीं होता तो मैं शहर या इंडस्ट्री में टिक नहीं पाता।आयुष्मान ने आगे कहा, जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं, तो मैं खुद को आभारी महसूस करता हूं कि मैं सिनेमा में बड़ा हुआ हूं और कैसे मेरे माता-पिता ने मुझे अपने सपने को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

द रेलवे मेन ने भारत को गौरवान्वित किया होगा : अभिनेता केके मेनन

- 1984 की भोपाल गैस त्रासदी पर आधारित है सीरिज

मुंबई (ईएमएस)। 1984 की भोपाल गैस त्रासदी पर आधारित सीरिज के अभिनेता केके मेनन की इच्छा है कि उनकी सीरिज द रेलवे मेन ऑस्कर में जाए। उनका मानना है कि इस सीरिज ने भारत को ग्लोबल स्टेज पर गौरवान्वित किया होगा। केके ने कहा, काश द रेलवे मेन ऑस्कर में भारत की एंट्री के तौर पर क्वालिफाइड हो सके। यह सीरिज दुनिया को दिखाती है कि एक देश के रूप में हमने उस भयावह रात में क्या झेला था और निस्वार्थ भारतीयों की भावना को भी दिखाती है, जिन्होंने अनगिनत लोगों को मरने से बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी। 4-पार्ट वाली यह मिनी सीरिज 1984 की भोपाल गैस त्रासदी के दौरान सेट की गई है, जिसने देश को हिलाकर रख दिया था। इस-ाका निर्देशन नवोदित निर्देशक शिव रवैल ने किया है। के के मेनन ने कहा, यह सीरीज वास्तव में हर ग्लोबल स्टेज पर भारत का प्रतिनिधित्व करने और दुनिया भर के लोगों को दुर्गम खतरे में हमारे एकजुटता को परिभाषित करने की हकदार है। उन्होंने कहा, यह मेरी फिल्मोग्राफी में अब तक का सबसे बेहतरीन प्रोजेक्ट्स में से एक है जिसका मैं हिस्सा रहा हूं। मैं उस प्रतिक्रिया से रोमांचित हूं जो सीरीज को विश्व स्तर पर पहले ही मिल चुकी है। यह सभी के प्यार की हकदार है। यह अमर मानवीय भावना को हमारी श्रद्धांजलि है और यह भोपाल के उन सभी गुमनाम नायकों को भी श्रद्धांजलि है जिनके बलिदान ने उन हजारों लोगों को बचाया जो इस बात से अनजान थे कि हवा में मूक हत्यारे से कैसे लड़ना है। द रेलवे मेन एक ऐसा शो है जिस पर हर भारतीय को गर्व होना चाहिए। के के मेनन का मानना है कि द रेलवे मेन उनके करियर के अब तक का सबसे बेहतरीन कामों में एक है।

पुष्कर में म्हारो बालम थानेदार की शूटिंग जारी

अजमेर, (हि.स.)। तीर्थ नगरी पुष्कर में दिया बाती के प्रोडक्शन शशि प्रोडक्शन के द्वारा पवित्र सरोवर के कोटा घाट पर म्हारो बालम थानेदार धारावाहिक की शूटिंग दूसरे दिन भी जारी रही। इस दौरान इस धारावाहिक में बुलबुल का किरदार निभाने वाली श्रुति चौधरी ने कहा इस धारावाहिक में काफी मेहनत की है। यह लोगों को काफी पसंद आएगा। पुष्कर जैसे धार्मिक स्थान पर इसकी शूटिंग होना काफी गर्व की बात है। यह हमारा सौभाग्य है। पुष्कर का माहौल काफी शांतप्रिय है, यहां का लोगों का प्यार भरपूर मिल रहा है। उम्मीद करते हैं कि यह धारावाहिक सभी को काफी पसंद आएगा। धारावाहिक में कई कुरीतियों को लेकर और शिक्षा को लेकर इस धारावाहिक का निर्माण किया गया है। इसकी शूटिंग पुष्कर में दो दिनों से चल रही है। उन्होंने बताया कि दिया बाती की भी शूटिंग यहां पर हुई थी। वह काफी हिट हुआ था, इसमें भी पुष्कर वालों का काफी प्यार मिला। उम्मीद करते हैं, इस धारावाहिक में भी पुष्कर के लोगों का काफी प्यार मिलेगा और मिल भी रहा है। उन्होंने सब पुष्करवासियों का दिल से आभार व्यक्त किया और अपील की इस धारावाहिक को सब अधिक से अधिक देखें। श्रुति चौधरी ने पूर्व में भी कई धारावाहिकों में काम किया। श्रुति चौधरी ने बताया इस धारावाहिक में बुलबुल का किरदार निभाने में जितनी मेहनत की है, उतनी किसी में नहीं किया। यह मेरे लिए सीरियल काफी अहम होगा। पुष्कर राज और ब्रह्मा जी से यही प्रार्थना करती है कि यह भी दिया बाती की तरह काफी लोगों को पसंद आए और हिट हो। इस धारावाहिक में पुष्कर के प्रसिद्ध मालपुए का प्रचार किया गया। इसमें बुलबुल को थाली में मालपुए खाते हुए दृश्य को दर्शाया गया है।

बिग बॉस हाउस में अंकिता लोखंडे ने खोला सुशांत को लेकर एक राज

टीवी का रियलिटी शो 'बिग बॉस-17' इस समय सुर्खियों में है। इस शो के प्रत्येक प्रतियोगी ने अपने खेल के लिए एक अलग दर्शक वर्ग बनाया है। एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे ने अपने पति विक्की जैन के साथ "बिग बॉस-17" में हिस्सा लिया। इस शो में वह अक्सर अपने दिवंगत पूर्व बॉयफ्रेंड सुशांत सिंह राजपूत के बारे में बात करती नजर आती हैं। इसी बीच अंकिता ने खुलासा किया है कि सु-शांत उनके साथ कैसा व्यवहार करते थे। बिग बॉस के घर में अभिषेक कुमार और ईशा मालविया से बात करते हुए अंकिता ने सुशांत के साथ एक याद शेयर की, अंकिता ने कहा कि जब सुशांत की पहली फिल्म 'काई पो छे' रिलीज हुई थी। मैं उस वक्त बहुत रोई, मुझे उस पर बहुत गर्व था। इस फिल्म के लिए सुशांत ने काफी मेहनत की थी। सुशांत की फिल्म एमएस धोनी दो साल के लिए रुक गई थी। इन दो सालों में उन्होंने बहुत मेहनत की। हम पूरी रात पार्टी करते थे, मैं सो जाती थी, लेकिन वह सुबह 6 बजे से क्रिकेट खेलने चला जाता था। उन्होंने दो साल तक खूब क्रिकेट खेला।

वह बहुत मेहनती थे।" इस बीच, अंकिता ने यह भी बताया कि सुशांत ने उनके साथ कैसा व्यवहार किया था। अंकिता ने कहा, "हम सात साल तक साथ थे, लेकिन इन 7 सालों में उन्होंने कभी भी मेरे साथ गलत व्यवहार नहीं किया। हमारे बीच बहस तो होती थी, लेकिन हमारे बीच कभी कोई बड़ी लड़ाई नहीं हु-ई।" कुछ दिन पहले अंकिता ने बिग बॉस के घर में सुशांत से अपने ब्रेकअप पर कमेंट किया था। अंकिता ने बताया था कि उनका और सुशांत का ब्रेकअप क्यों हुआ। उन्होंने कहा कि, 'सुशांत रातों-रात बदल गए। एक ओर तो उसे सफलता मिल रही थी, दूसरी ओर लोग उसके कान भर रहे थे। मैं सुशांत की आंखों में वह प्यार नहीं देख सकी।"

सिनेमा के भविष्य को डरावनी दिशा की ओर ले जाएगी एनिमल

- गीतकार और लेखक स्वानंद किरकिरे ने कहा

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म एनिमल को बॉक्स ऑफिस पर कमाई करना जारी रखा है। फिल्म को आलोचकों से मिली-जुली समीक्षा मिलने और विषयगत घरेलू दुर्व्यवहार, यौन शोषण, अत्यधिक विषाक्त मर्दानगी, अत्यधिक हिंसा और रक्तरंजित दृश्यों को दिखाने के लिए आलोचना झेलने के बावजूद यह दर्शकों की पसंद बनने में कामयाबा रही है। अब, गीतकार और लेखक स्वानंद किरकिरे ने फिल्म में महिलाओं के साथ किए गए व्यवहार पर अपनी परेशानी व्यक्त करने के लिए एक्स का सहारा लिया है और साझा किया है कि कैसे एनिमल भारतीय सिनेमा के भविष्य को और अधिक खतरनाक और डरावनी दिशा की ओर ले जा रही है। ट्वीट्स की एक श्रृंखला में, स्वानंद ने फिल्म पर अपनी निराशा व्यक्त की। उन्होंने अपने पोस्ट की शुरूआत कई पुरानी फिल्मों का नाम लेकर की, जिन्होंने महिलाओं के मुद्दों को उजागर किया और उन्हें दूसरे लिंग को बेहतर ढंग से समझने में मदद की। उन्होंने हिंदी में लिखा, महबूब खान की झ औरत, गुरुदत्त की झ साहेब बीवी और गुलाम, षिकेश मुखर्जी की अनुपमा, श्याम बेनेगल की अंकुर और भूमिका, केतन मेहता की मिर्च मसाला, सुधीर मिश्रा की मैं जिंदा हूं, गौरी शिंदे की इंग्लिश विंग्लिश, बहल की क्वीन, सुजीत सरकार की पीकू आदि, हिंदुस्तानी सिनेमा की कई ऐसी फिल्में हैं जिन्होंने मुझे सिखाया कि स्त्री, उस-के अधिकार उसकी स्वायत्तता की इज्जत कैसे की जानी चाहिये और सब कुछ समझ बूझ कर भी सदियों पुरानी इस सोच में अब भी कितनी कमियाँ हैं।

पता नहीं सफल हुआ या नहीं पर लगातार अपने आप को सुधारने की कोशिश आज भी कर रहा हूँ। सब सिनेमा की बदौलत। पर आज एनिमल फि ल्म देख कर मुझे सचमुच आज की पीढ़ी की स्त्रियों पर दया आयी! आप के लिये फिर एक नया पुरुष तैयार किया गया है जो ज्यादा डरावना है, वो आपकी इतनी भी इज्जत नहीं करता और जो आप को झुकाने, दबाने और उस पर गर्व करने को अपना पुरुषार्थ समझता। आज की पीढ़ी की लड़कियों तुम उस सिनेमा हॉल में बैठ रश्मिका के पिटने पर जब तालियाँ पीट रही थी तो मैंने मन ही मन समता के हर विचार को श्रद्धांजलि दे दी। मैं घर आ गया हूँ। हताश, निराश और दुर्बल! रणवीर के उस संवाद जिसमें वो अल्फा मेल को डिफाइन करता है और कहता है जो मर्द अल्फा नहीं बन पाते वो सारे स्त्री का भोग पाने के लिए कवि बन जाते हैं और चाँद तारे तोड़ कर लाने के वादे करने लगते हैं। मैं कवि हूँ! कविता करता हूँ जीने के लिए! मेरी कोई जगह है? एक फिल्म बहुत पैसे कमा रही है और भारतीय सिनेमा का गौरवशाली इतिहास शर्मिंदा हो रहा है! उन्होंने भारतीय सिनेमा के भविष्य के बारे में अपनी चिंता व्यक्त करते हुए निष्कर्ष निकाला। उन्होंने लिखा, मेरी समझ से यह फिल्म भारतीय सिनेमा के भविष्य को एक नई, डरावनी और खतरनाक दिशा में नए सिरे से तय करेगी। एनिमल का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा द्वारा किया गया है, जो अर्जुन रेड्डी और इसके हिंदी रूपांतरण कबीर सिंह के निर्देशन के लिए जाने जाते हैं। कबीर सिंह की विषाक्त मर्दानगी का महिमामंडन करने के लिए आलोचना की गई थी।

डॉन 3 में डॉन की भूमिका निभाने के लिए तैयार रणवीर

अपकमिंग फिल्म डॉन 3 में एक्टर रणवीर सिंह डॉन की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। एक्टर रणवीर सिंह, जिन्हें हाल ही में रेड सी फिल्म फेस्टिवल में सम्मानित किया गया था, को फरहान अख्तर द्वारा निर्देशित डॉन फ्रेंचाइजी में बॉलीवुड मेगास्टार शाहरुख खान द्वारा निभाई गई भूमिका के लिए ऑनलाइन आलोचना का सामना करना पड़ा, यह भूमिका मूल रूप से 1978 की फिल्म में दिग्गज मेगास्टार अमिताभ बच्चन द्वारा निभाई गई थी। उन्होंने उल्लेख किया कि जब उन्होंने सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित पात्रों में से एक, जेम्स बॉन्ड की भूमिका में कदम रखा तो डेनियल क्रेग को जो आलोचना मिली, उसके साथ उन्होंने समानताएं खींचीं। रणवीर ने बैटन को आगे बढ़ाने के लिए मिली आलोचना को संबोधित करते हुए कहा, मैं डॉन को अपना बनाने और उसे अपनी स्पिन, अपनी व्याख्या देने की उम्मीद कर रहा हूं। यह हिंदी सिनेमा की सबसे पसंदीदा और सम्मानित फ्रेंचाइजी में से एक की कमान सौंपे जाने का दिन है। इसका महत्व मुझ पर हावी नहीं हुआ है।

अपनी पहली फिल्म के प्रीमियर पर श्रीदेवी की ड्रेस पहनकर पहुंचीं खुशी कपूर

बॉलीवुड की हवाहवाई यानी दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर की पहली बॉलीवुड फिल्म जल्द ही पर्दे पर आने वाली है। फिल्म 'द आर्चीज' में खुशी कपूर अहम भूमिका में नजर आएंगी। खुशी कपूर की इस नई फिल्म का प्रीमियर हाल ही में रखा गया था। फिल्म 'द आर्चीज' के प्रीमियर में अभिनेत्री खुशी कपूर अपनी मां श्री-देवी का 10 साल पुराना गाउन पहनकर शामिल हुईं। खुशी को इस आउटफिट में देखकर सभी को श्री-देवी की याद आ गई। इस खास मौके से खुशी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

अभिनेता अपने परिवार के साथ फिल्म 'द आर्चीज' के प्रीमियर में शामिल हुए। हालांकि इस बार खुशी कपूर अपनी मां की याद में उनकी ड्रेस पहने नजर आईं। खुशी कपूर इस सिल्वर गाउन में बहुत खूबसूरत लग रही थीं और उन्होंने आत्मविश्वास से पपराजी के लिए पोज दिया। खुशी के लिए ये बेहद खास पल था। इस अहम पल में खुशी को अपनी मां को मिस कर रही थीं। अपनी पहली फिल्म के इस पल के लिए खुशी अपनी मां की ड्रेस पहनने के अलावा श्रीदेवी की ज्वैलरी भी पहनी थीं। इस बार उनका लुक बेहद खूबसूरत था। खुशी की पहनी गई यह ड्रेस श्रीदेवी ने आईआईएफए अवॉर्ड्स 2013 में पहनी थी। फिल्म 'द आर्चीज' के प्रीमियर में खुशी कपूर अपनी बहन और बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर और पिता बोनी कपूर के साथ शामिल हुईं। पैपराजी ने इस इवेंट का एक खास वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है इस वीडियो पर फैंस खूब रिएक्शन दे रहे हैं। कुछ नेटिजन्स ने कहा, "खुशी को इस बार अपनी मां की याद जरूर आएगी।" तो कुछ ने कहा है, "अगर इस बार श्रीदेवी वहां होती तो बहुत खुश होतीं।" जोया अख्तर की "द आर्चीज" में कई स्टार किड्स नजर आएंगे। इस फिल्म से बड़े स्टारकिड्स मनोरंजन जगत में डेब्यू करेंगे। दर्शकों के बीच शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान, श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर, अमिताभ बच्चन के पोते अगस्त्य नंदा समेत कई नए चेहरे नजर आएंगे।

सूडोकु नवताल- 6635

मध्यम

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6634 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्दजाल - 7382

मु	हु	मे	रि	ह	आ	ल	म	आ	रा	म	
ग	खु	क	दू	म	जी	ने	शि	या	ड़	द	
ले	पी	जा	क	दि	ग	बा	द	ह	प	र	
आ	ग	ए	रा	ल	दे	व	दा	स	लि	इं	
ज	आ	रा	ल	दे	ब्लै	ला	कि	यो	प	डि	
म	इ	वा	मो	चु	प	क	शी	ह	गी	या	
न	अ	ल	रा	के	मा	जो	न	व	प	क्ति	
क	रि	ल	र	स	र	प्या	सा	ल	वि	रे	
र	या	बा	बे	न	न	ज	जी	व	जू	ड्डी	
र	ग	ल	नो	म	व	शि	का	री	क्त	ल	
बां	दो	बी	घा	ज	मी	न	स	सु	रा	ल	

शब्दजाल में दस बेहतरीन फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

मदर इंडिया,दो बीघा जमीन, आवारा, प्यासा, वक्त, आलमआरा,मुगले आजम, देवदास, हम दिल दे चुके सनम, ब्लैक,

शब्दजाल - 7381 का हल

गं	रा	ब	द्री	ना	थ	य	ऋ	ज	पे	यी	
द	गा	ल	प्रे	व	जी	म	षि	ह	कां	गं	
वि	स	की	वे	को	ह	रा	के	ल	ख	गो	
के	स	स	क	ष्णो	वा	ज	ष	ह	श	त्री	
दा	आ	र	ग	स	दे	ना	तू	रि	झ	प	
र	ल	ला	र	दि	म	वी	ती	द्वा	घ	रिं	
ना	व	का	शी	प	बा	ज	र	र	ना	थ	
थ	वा	ई	द	ब	ई	डू	ए	श	सि	मी	
ड	ल	अ	म	र	ना	थ	ग	शी	क	र	
गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द	वि	
वा	रा	ण	सी	क्षी	डि	त	ब	प	म	र	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6335

7		5	2			
	38		32	1	27	
4	3			6		2
	29	2	45		33	
1	3			5		4
	24	1	36	4	30	
6		4	7		5	3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6334 का हल

7	4	5	2	3	6	1
5	38	3	32	1	27	7
4	3	7	5	6	1	2
3	29	2	45	7	33	6
1	3	6	7	5	2	4
2	24	1	36	4	30	5
6	1	4	7	2	5	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

चोट से उबरने के बाद हार्दिक पांड्या अब सीधे आईपीएल में लेंगे एंट्री

नई दिल्ली ।

हार्दिक पांड्या अपनी चोट से उबरने के बाद अब सीधे आईपीएल में ही एंट्री करेंगे। हालांकि टी20 विश्व कप 2024 भले ही छह महीने दूर है लेकिन बीसीसीआई ने अभी से संभावित कप्तान हार्दिक पांड्या की फिटनेस पर काम शुरू कर दिया है। क्रिकेट विश्व कप 2023 में जब हार्दिक को चोट लगी तो दक्षिण अफ्रीका दौरे पर बीसीसीआई ने रोहित शर्मा से सफेद गेंद फॉर्मेट की कप्तानी संभालने को कहा था। लेकिन बात न बनने पर बीसीसीआई ने टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए अभी से हार्दिक पांड्या पर फोक्स करना शुरू कर दिया है। बता दें कि हार्दिक पहले से चोटों से परेशान रहे हैं, ऐसे में बीसीसीआई विशेष रूप से ऑलराऊंडर के लिए 18-सप्ताह का उच्च-प्रदर्शन कार्यक्रम पर काम कर रही है। एनसीए द्वारा तैयार किए गए कार्यक्रम में हार्दिक कार्डियो, शक्ति प्रशिक्षण, कार्यात्मक प्रशिक्षण और महत्वपूर्ण रूप से पर्याप्त आराम जैसे विभिन्न पहलुओं पर ध्यान देंगे। बीसीसीआई ने आगामी दो टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए यह रणनीति बनाई है। 2024 में विंडीज और अमरीका में जबकि 2026 में भारतीय धरती पर विश्व कप होना तय है। गौरतलब है कि बीसीसीआई और एनसीए द्वारा अपनाया गया यह कार्यक्रम नया नहीं है। इससे पहले जसप्रीत बुमराह, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल जैसे खिलाड़ी इस परीक्षा से गुजर चुके हैं। सूत्र बताते हैं कि हार्दिक पंड्या की वर्तमान चोट उनकी पिछली पीठ की चोट से संबंधित नहीं है, जिसके लिए 2019 में उन्होंने सर्जरी करवाई थी। हार्दिक ने अपनी वापसी के बाद से शानदार फिटनेस बनाए रखी थी और आई.पी.एल. में गुजरात टाइटन्स का नेतृत्व किया और अपनी टीम को खिताब भी दिलवाया। आई.पी.एल. 2023 में वह अपनी टीम को फाइनल तक भी लेकर गए। इसके अलावा श्रीलंका, न्यूजीलैंड और वेस्ट इंडीज के खिलाफ टी20ई सीरीज में भी उन्होंने टीम को लीड किया।

हालांकि पहले संभावना थी कि हार्दिक दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज से वापसी होगी। या फिर श्रीलंका या अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली सीरीज में लौट आएंगे। लेकिन ऐसा होता न देख बीसीसीआई अब उनकी मुकम्मल फिटनेस पर काम कर रही है। यहां गौरतलब है कि टीम इंडिया ने जून 2022 से अब तक 55 टी20 मुकाबले खेले हैं, जिनमें से 38 में हार्दिक ने हिस्सा लिया। वनडे के 50 में से 23 मैच में वह खेले। आंकड़े बताते हैं कि हार्दिक टीम इंडिया के प्रमुख खिलाड़ियों में से एक है।

न्यूज ब्रीफ

टेस्ट क्रिकेट में स्तरीय ऑलराउंडर की कमी से खेल प्रभावित : जैक कैलिस

नई दिल्ली । दिग्गज हरफनमौलाओं की सूची में शामिल जैक कैलिस ने कहा है कि टेस्ट क्रिकेट में स्तरीय ऑलराउंडर की कमी देखी जा रही है, इससे खेल भी प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि सभी प्रारूपों में काफी अधिक क्रिकेट के कारण आधुनिक क्रिकेट, विशेषकर टेस्ट क्रिकेट में स्तरीय ऑलराउंडर की कमी हो गई है। सर गारफील्ड सोबर्स (8032 रन और 235 विकेट) को सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर माना जाता है जबकि इसमें कोई संदेह नहीं कि कैलिस (25 हजार से अधिक रन और 235 विकेट) आधुनिक युग के महान ऑलराउंडर में से एक हैं। क्रिकेट जगत ने 1980 के दशक में इमरान खान, रिचर्ड हैडली, इयान बॉथम और कपिल देव के रूप में चार महान ऑलराउंडर देखे जबकि नई सदी में कैलिस और एंड्रयू फ्लिंटॉफ का जलवा देखने को मिला। लेकिन टी20 क्रिकेट के आने और दुनिया भर में नए नियमों के साथ कई लीग के शुरू होने से हरफनमौलाओं के विकास पर असर पड़ा। जैक कैलिस ने एक साक्षात्कार में कहा कि इसका उत्तर देना कठिन है। उन्होंने कहा कि हरफनमौला खिलाड़ी आपको हर दिन नहीं मिलते। क्रिकेट के इतिहास में बहुत सारे ऑलराउंडर नहीं हैं। बहुत सी चीजें, क्रिकेट की मात्रा भी निश्चित रूप से एक भूमिका निभाती है। दक्षिण अफ्रीका का यह पूर्व कप्तान लीजेंड्स लीग क्रिकेट में खेलने के लिए भारत में है। कैलिस ने इंडियन प्रीमियर लीग का नाम नहीं लिया लेकिन कोलकाता नाइट राइडर्स का यह पूर्व कोच 'इंपैक्ट प्लेयर नियम का समर्थक नहीं है जहां टीम अपनी बल्लेबाजी या गेंदबाजी पारी के दौरान अपनी जरूरत के अनुसार एक खिलाड़ी को बदल सकती है।

मैक्सवेल की साथी प्लेयर्स को सलाह, जब तक चल पा रहे तब तक खेलें

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के स्टार हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल ने कहा है कि जब तक वह चल पा रहे हैं,

क्रिकेट लीग आईपीएल में खेलते रहेंगे। उन्होंने दूसरे प्लेयर्स को भी यही सलाह दी है। 35 वर्ष के मैक्सवेल हाल ही में ऑस्ट्रेलिया की विश्व कप जीत के नायकों में से एक रहे हैं। वह अगले साल इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के लिए खेलेंगे। मैक्सवेल ने कहा कि आईपीएल शायद आखिरी टूर्नामेंट होगा जो मैं खेलता रहूंगा। जब तक मैं चल सकता हूं, आईपीएल खेलता रहूंगा। उन्होंने कहा कि मेरे पूरे करियर में आईपीएल का काफी योगदान रहा है। जिन लोगों से मैं मिला हूं या जिन कोचों के मार्गदर्शन में खेला है। जिन अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ खेला हूं। इससे मुझे बहुत फायदा मिला है। उन्होंने कहा कि आपको एबी डिविलियर्स और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों के साथ दो महीने खेलने का मौका मिल रहा है। दूसरे मैच देखते समय उनसे बात कर पा रहे हैं। इससे ज्यादा सीखने का मौका क्या हो सकता है। मैक्सवेल का मानना है कि अगले साल अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों को आईपीएल खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभी उम्मीद है कि कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आईपीएल खेलेंगे। यहां वेस्टइंडीज के समान हालात होंगे और गेंद स्पिन लेगी।

करियर बर्बाद होने के बाद फिर से आईपीएल की उम्मीद जगा रहे खलील अहमद

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने पाकिस्तानी टीम को बेहद मजबूत बताया है। नए कप्तान

शान मसूद की अगुवाई में पाकिस्तान की क्रिकेट टीम तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए पहुंच गई है। सीरीज का पहला टेस्ट 14 दिसंबर से पर्थ में खेला जाना है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के तेज और उछाल भरे विकेट पर ऑस्ट्रेलिया के पेस बॉलर, पाकिस्तान के बैटरों की कठिन परीक्षा ले सकते हैं लेकिन इस्लामाबाद में जन्मे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा की राय में शान मसूद की मौजूदा टीम बेहद मजबूत है। उन्होंने इसे ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने वाली पाकिस्तान की सबसे मजबूत टीमों में से एक माना है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जिस पाकिस्तानी बैटर पर लोगों की सबसे ज्यादा निगाह होगी वह हैं पूर्व कप्तान बाबर आकि ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे में बाबर ने दो टेस्ट में 52.5 के औसत से 278 रन बनाए थे जिसमें एक शतक शामिल था। ख्वाजा ने बाबर को क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में एक बताते हुए कहा कि बाबर, उनकी ऑस्ट्रेलिया टीम के खिलाफ चुनौती पेश कर सकते हैं।

भारत ने साउथ अफ्रीका में 62 प्रतिशत टी-20 जीते

वहीं वर्ल्ड कप भी अपने नाम किया ; लेकिन टेस्ट सिर्फ 17 फीसदी ही जीत सके

नई दिल्ली ।

टीम इंडिया साउथ अफ्रीका दौरे के लिए रवाना हो चुकी है। 10 दिसंबर से शुरू हो रहे दौरे में टीम 3 टी-20, 3 वनडे और 2 टेस्ट की सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम का साउथ अफ्रीका के मैदानों पर टी-20 रिकॉर्ड शानदार रहा है। टीम ने वहां 62 फीसदी मुकाबले जीते हैं। यानी कि टीम अफ्रीकी पिचों पर हर दूसरा मुकाबला जीत रही है। इतना ही नहीं, भारतीय टीम ने एकमात्र टी-20 वर्ल्ड कप भी साउथ अफ्रीका में जीता है।

इस बार टी-20 सीरीज के मुकाबले 10, 12 और 14 दिसंबर को खेले जाएंगे। उसके बाद 17, 19 और 21 दिसंबर को वनडे मैच होंगे। फिर 26 दिसंबर से टेस्ट सीरीज शुरू होगी।

टेस्ट-वनडे में खराब, लेकिन टी-20 शानदार प्रदर्शन क्यों

अफ्रीकी सरजमीं पर भारत का टेस्ट और वनडे रिकॉर्ड खराब रहा है। टीम वहां अब तक कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीत सकी है, जबकि वनडे में 8 में से एक ही सीरीज जीत पाई है। वहीं, टीम ने वहां 4 में से 3 टी-20 सीरीज अपने नाम की हैं।

भारतीय टीम ने अपना पहला और आखिरी टी-20 वर्ल्ड कप भी साउथ अफ्रीका में ही जीता था। 2007 में भारतीय टीम ने जोहान्सबर्ग में खेले गए फाइनल में पाकिस्तान को 5 रन से हराया था।

मल्टी मैच सीरीज कम, एक-एक मैच की सीरीज ज्यादा भारत-साउथ अफ्रीका के बीच अफ्रीकी पिचों पर मल्टी मैच सीरीज कम हुई हैं। टीम ने वहां 4 टी-20 सीरीज खेली हैं, इनमें से सिर्फ एक में ही 3 मैच खेले गए हैं, जबकि शेष 3 सीरीज में एक-एक मैच खेला गया, जिसे जीतकर भारतीय टीम ने सीरीज अपने नाम कर ली।

टेस्ट-वनडे सीरीज जीतकर मेजबानों ने औसत टीम उतारी जब-जब भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका दौरा किया, लॉन्ग फॉर्मेट में हारी है, ऐसे में मेजबानों ने टी-20 में अपनी औसत दर्जे की टीम उतार दी, जिनमें युवाओं को मौका मिला। इसका फायदा टीम इंडिया को टी-20 में हुआ।

आईपीएल का फायदा मिला, 2009 का सीजन अफ्रीका में हुआ 2007 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारत में इंडियन प्रीमियर लीग की शुरुआत हुई। इससे हमारे खिलाड़ियों ने टी-20 फॉर्मेट के गेम में तेजी से ग्रोथ की। भारतीय टीम को 2009 के आईपीएल सीजन का फायदा भी मिला, क्योंकि उस सीजन के सभी मुकाबले साउथ अफ्रीका में खेला गया था। ऐसे में भारतीय खिलाड़ियों को टी-20 फॉर्मेट में वहां की पिचों को समझने का मौका मिला। तब भारतीय टीम की कमान एमएस धोनी के हाथों में थी।

अफ्रीका में 3 में से एक मैच जीत पाता है भारत

साउथ अफ्रीकी पिचों पर भारतीय टीम का ओवरऑल प्रदर्शन खराब रहा है। टीम ने साउथ अफ्रीका में अब तक 92 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं, इनमें से 34 में टीम को जीत मिली है, जबकि टीम इंडिया ने 45 मैच गंवाए हैं। 2 मुकाबले टाई, 7 ड्रॉ और 4 नो रिजल्ट रहे हैं। वहां भारतीय टीम की जीत-हार का रेसियो 0.755 है, यानी कि एक से भी कम।

अफ्रीका के खिलाफ 67 में से 19 मुकाबले गंवाए: अफ्रीकी मैदानों पर मेजबान टीम के खिलाफ टीम ने 67 में से 19 मैच ही जीते हैं। टीम का विन-लास रेसियो (0.487) आधे से भी कम रहा है। अफ्रीकी मैदानों पर 9 खिलाड़ियों ने भारतीय टीम की कप्तानी की है, इनमें से सौरव गांगुली और विराट कोहली सबसे सफल कप्तान रहे हैं।

मुझे फिक्सर..फिक्सर बोलते रहे.. गौतम पर श्रीसंत का चौकाने वाला खुलासा, बताया कैसे शुरू हुई लड़ाई

नई दिल्ली ।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट के एलिमेनेटर मैच में गौतम गंभीर और एस श्रीसंत के बीच हुई नोकझोंक अब विवाद का रूप लेती जा रही है. सूरत में इंडिया कैपिटल्स और गुजरात जायंट्स का आमना सामना हुआ और इस मैच में दोनों खिलाड़ी भिड़े थे. श्रीसंत ने मैच के बाद गौतम गंभीर को लेकर कहा था कि पूर्व सलामी बल्लेबाज ने उन्हें अभद्र बात थी. वहीं अब श्रीसंत ने इस मामले पर और खुलासा किया है और कहा है कि गौतम गंभीर ने उन्हें लगातार फिक्सर कहा. बता दें, श्रीसंत को साल 2013 में आईपीएल स्पॉट फिक्सिंग के आरोप में आजीवन प्रतिबंध लगा दिया गया था. हालांकि, बाद में उनके बैन को सात साल कर दिया गया. श्रीसंत अभी लीजेंड्स लीग क्रिकेट में खेल रहे हैं। लीजेंड्स लीग क्रिकेट के एलिमेनेटर मैच में मुकाबले का दूसरा ओवर फेंकने आए श्रीसंत की पहली गेंद पर गौतम गंभीर ने एक छक्का जड़ा और उसकी अगली गेंद पर चौका जड़ा. लेकिन इसके बाद गौतम गंभीर और श्रीसंत के बीच कहासुनी हुई. श्रीसंत ने अपने बॉलिंग मार्क पर वापस जाते समय गंभीर को कथित तौर पर घूरकर देखा था. पावरप्ले के बाद दोनों के बीच तीखी नोकझोंक हुई. श्रीसंत ने इस मामले में एक ताजा वीडियो जारी किया है और अपनी बात रखी है. नए वीडियो में गंभीर पर आरोप लगाते हुए कहा श्रीसंत ने कहा कि गंभीर ने उन्हें फिक्सर कहा था। श्रीसंत ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा,मैंने उनके लिए एक भी बुरे शब्द का इस्तेमाल नहीं किया है या एक भी अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल नहीं किया है. मैंने केवल इतना कहा, आप क्या कह रहे हैं आप क्या कह रहे हैं वास्तव में, मैं व्यंग्यात्मक तरीके से हंसता रहा क्योंकि वह मुझे फिक्सर, फिक्सर, तुम एक फिक्सर हो, एफ ऑफ फिक्सर कहते रहे. यह वह भाषा है जिसका उपयोग किया गया था. जब वे उसे नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे थे, तो वह मुझे फिक्सर कहता रहा। बात अगर मैच की करें तो इंडिया कैपिटल्स ने गुजरात जायंट्स को 12 रनों से हरा दिया. इंडिया कैपिटल्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया. कप्तान गौतम गंभीर ने इंडिया कैपिटल्स के लिए 51 रनों की पारी खेली. गंभीर ने सिर्फ 30 गेंदों में 51 रन बनाए और इंडिया कैपिटल्स ने 7 विकेट के नुकसान पर 20 ओवरों में 223 रन बनाए. इसके जवाब में गुजरात जायंट्स के लिए क्रिस गेल ने ताबड़तोड़ 84 रनों की पारी खेली. हालांकि, वो टीम को जीत नहीं दिला पाए और उनकी टीम 12 रनों से मैच हार गई।

शुबमन गिल ने राशिद खान से की मुलाकात, सोशल मीडिया पर डाली तस्वीर

नई दिल्ली ।

भारत के बल्लेबाज शुबमन गिल ने अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान से ब्रिटेन में मुलाकात की। इस दौरान वह अपने गुजरात टाइटंस (जीटी) टीम के साथी को देखकर बहुत रोमांचित हुए। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक दिल छू लेने वाली पोस्ट भी साझा की है। इस राशिद खान ने गिल के साथ एक तस्वीर खिंचवाई जिन्होंने हाल ही में हार्दिक पांड्या की मुंबई इंडियंस में आश्चर्यजनक वापसी के बाद आईपीएल 2024 के लिए गुजरात टाइटन्स का नया कप्तान बनाया था। राशिद ने सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, कप्तान साहब द्वारा रोकने के लिए धन्यवाद। राशिद की पोस्ट पर माइकल वॉन और टाइटन्स दोनों की ओर से उत्साहजनक प्रतिक्रियाएं आईं और दोनों दिग्गज खिलाड़ियों की मुलाकात को देखकर खुश हुए। अपनी प्रतिक्रिया में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने कहा कि मुझे यह पसंद है। दूसरी ओर टाइटन्स ने लिखा, नजर ना लगे।

बता दें कि राशिद की 24 नवंबर को यूनाइटेड किंगडम में पीठ के निचले हिस्से की एक छोटी सी सर्जरी हुई। वह भी पीठ की चोट के कारण आगामी बिग बैश लीग सीजन 13 से हट गए हैं जिसके लिए एक छोटी सी सर्जरी की आवश्यकता है। उन्होंने अफगानिस्तान की क्रिकेट टीम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और 2023 वनडे विश्व कप में उनकी सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इंग्लैंड और पाकिस्तान जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ मैचों में उनका प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा।

मैट शॉर्ट को एडिलेड स्ट्राइकर्स का कप्तान नियुक्त किया गया

एडिलेड।

ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेटर मैट शॉर्ट को बीबीएल713 के लिए एडिलेड स्ट्राइकर्स का कप्तान नियुक्त किया गया है और वह पुरुष टीम के छठे कप्तान बन गए हैं।

पिछले सीज़न में ट्रैविस हेड के स्टैंड-इन के रूप में काम करने के बाद, शॉर्ट ने स्थायी रूप से यह भूमिका संभाली। उन्होंने 2022-23 प्रतियोगिता को 458 रन और 11 विकेट के साथ समाप्त करने के बाद टी20 और वनडे क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण किया।

हालांकि शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी स्थान के लिए हेड, डेविड वार्नर, मिशेल मार्श और स्टीवन स्मिथ के बीच प्रतिस्पर्धा है, लेकिन वह अगले साल टी20 विश्व कप टीम में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

स्ट्राइकर्स के मुख्य कोच जेसन गिलेस्पी ने कहा, एडिलेड स्ट्राइकर्स की कप्तानी के लिए मैट एक बेहतरीन विकल्प थे और हम उन्हें अपने छठे कप्तान के रूप में घोषित करते हुए रोमांचित हैं। जब उन्होंने पिछले साल कदम बढ़ाया तो हम उनके नेतृत्व से बहुत प्रभावित हुए और हम उन्हें इस भूमिका में आगे बढ़ते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं।

2018/19 सीज़न में स्ट्राइकर्स में शामिल होने के बाद से, ऑलराउंडर एडिलेड टीम का एक महत्वपूर्ण सदस्य बन गया है, जिसे पिछले साल बीबीएल712 में उनके प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट सीज़न द्वारा उजागर किया गया था।

वह अपने 458 रन और 11 विकेट के दम पर यह पुरस्कार जीतने वाले पहले स्ट्राइकर बन गए। उस सीज़न में, अपने नेतृत्व से प्रभावित

करते हुए, वह कई मैचों के लिए कप्तान बने रहे।

शॉर्ट ने कहा, एडिलेड और स्ट्राइकर्स अब पांच साल से मेरा ग्रीष्मकालीन घर रहा है, मुझे शहर और क्लब बहुत पसंद है इसलिए स्ट्राइकर्स का कप्तान बनाया जाना एक वास्तविक सम्मान है।

मैंने वास्तव में पिछले सीज़न में मिली कप्तानी के थोड़े से स्वाद का आनंद लिया था और कहा, मैं बीबीएल713 में अपना पूरा ध्यान इस पर लगाने के लिए उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि इस सीज़न में हमारे पास वास्तव में एक शानदार सूची है और मैं यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता कि हम एक साथ क्या कर सकते हैं, जो से हमारे घरेलू प्रशंसकों के सामने शुरू होगा।

एडिलेड का बीबीएल713 सीज़न ब्रिस्बेन हीट के खिलाफ घरेलू मैदान पर शुरू होगा।

स्तूपा स्पोर्ट्स एनालिटिक्स और अल्टीमेट टेबल टेनिस ने डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर गोवा के लिए सहयोग की घोषणा की

नई दिल्ली।

स्तूपा स्पोर्ट्स एनालिटिक्स और अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) ने आगामी डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर के लिए एक रणनीतिक सहयोग की घोषणा की, जो 23 से 28 जनवरी, 2024 तक गोवा में होने वाला है। स्टार कंटेंडर को पहली बार भारत में अग्रणी घरेलू वैश्विक स्पोर्ट्स एनालिटिक्स फर्म स्तूपा स्पोर्ट्स एनालिटिक्स द्वारा लाया गया था. अंतर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस कैलेंडर में सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में से एक के रूप में, डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर गोवा इस साल की शुरुआत में हुआ था ।

और इसमें दुनिया के कुछ सबसे बड़े सितारों ने हिस्सा लिया था, जिसमें विश्व नंबर 1 फैन जेंडॉन्ग, जापान के विलक्षण टोमोकाजू हरिमोटो शामिल थे. वर्ल्ड नंबर 4 वांग यिडी और वर्ल्ड नंबर 5 हिना हयाता भी उद्घाटन संस्करण का हिस्सा थे।

जहां तक यूटीटी का सवाल है, इसका लक्ष्य लगातार एक विश्व स्तरीय लीग स्थापित करना और एक गतिशील मंच प्रदान करना है जो भारत और विश्व स्तर पर खिलाड़ियों और प्रशंसकों को एकजुट करता है. खेल के प्रति उत्साह पैदा करने की दृष्टि से, यूटीटी ने टेबल टेनिस के आसपास एक जीवंत समुदाय को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

यूटीटी की सह-प्रवर्तक वीता दानी ने कहा, यह सहयोग टेबल टेनिस में अंतरराष्ट्रीय सौहार्द को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों और प्रशंसकों के

उत्साही समुदाय को भारत में पहले की तरह एकजुट होने के लिए प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है. डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर गोवा प्रतिभा, कौशल और प्रतिस्पर्धा का वैश्विक प्रदर्शन बनने के लिए तैयार है।

स्तूपा स्पोर्ट्स एनालिटिक्स के साथ साझेदारी यूटीटी की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर को नई ऊंचाइयों तक ले जाने और भारत में खेल की सफलता के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने का वादा करती है. यह सहयोगात्मक प्रयास भौगोलिक सीमाओं को पार करने के लिए तैयार है, जो टेबल टेनिस उत्कृष्टता के एक सप्ताह के उत्सव के लिए दुनिया भर के खिलाड़ियों को एक साथ लाएगा।

स्तूपा स्पोर्ट्स एनालिटिक्स की सीईओ और सह-संस्थापक मेघा गंभीर ने कहा, डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर गोवा का पहला संस्करण एक बड़ी सफलता थी. टेबल टेनिस अभी भी भारत में शुरुआती चरण में है और इस तरह के टूर्नामेंट न केवल व्यावसायिक रूप से खेल की क्षमता दिखाते हैं बल्कि इसके समग्र विकास को भी प्रोत्साहित करते हैं.

यह उच्च स्तरीय टूर्नामेंट 6 स्टार कंटेंडर श्रृंखला आयोजनों का हिस्सा है जहां केवल शीर्ष 30 खिलाड़ी ही भाग लेने के पात्र हैं, विश्व रैंकिंग में शीर्ष 20 में से 6 खिलाड़ी अनिवार्य हैं. टूर्नामेंट में 250,000 डॉलर का विशाल पुरस्कार पूल है और यह खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक जीतने और डब्ल्यूटीटी कप फाइनल और डब्ल्यूटीटी चैंपियंस सीरीज़ के लिए अर्हता प्राप्त करने की अनुमति देता है. टूर्नामेंट की सह-मेजबानी टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीटीएफआई) के मार्गदर्शन में स्तूपा स्पोर्ट्स एनालिटिक्स और अल्टीमेट टेबल टेनिस द्वारा की जाएगी।

टीटीएफआई के महासचिव कमलेश मेहता ने कहा, विश्व स्तरीय खिलाड़ियों के खिलाफ खेलना या उन्हें करीब से देखना हमेशा युवा पीढ़ी को प्रेरित करता है. यह टूर्नामेंट हमारे भारतीय खिलाड़ियों के लिए एक बेहतरीन अवसर है. टीटीएफआई में हम दूसरे संस्करण को सफल बनाने के लिए स्तूपा स्पोर्ट्स एनालिटिक्स और अल्टीमेट टेबल टेनिस को पूरा समर्थन देते हैं।

चीन के लियांग जिंगकुन और यिडी ने टूर्नामेंट के उद्घाटन संस्करण में क्रमशः पुरुष और महिला एकल खिताब जीते थे।

डैकोरेशन टिप्स

पार्टी के लिए करें इनोवेटिव डैकोरेशन

आप भी अपनी शादी की पार्टी की डैकोरेशन को यादगार बनाना चाहते हैं, लेकिन आप का बजट इतना नहीं है और न ही आप के यहां पर्याप्त जगह है तो निराश न हों. कुछ इनोवेटिव आइडियाज और ऐक्सपर्ट्स की मदद से आप पार्टी डैकोरेशन को शानदार बना सकती हैं.

एक ही शहर में एक ही कंपनी में काम करने वाले अनिकेत और अंकिता एकदूसरे को इस कदर भाए कि दोनों ने वैवाहिक बंधन में बंधने का फैसला कर लिया. चूंकि दोनों की नौकरी भी नईनई थी और वे अपने पेरैंट्स पर भी आर्थिक बोझ नहीं डालना चाहते थे, इसलिए दोनों ने शादी के आयोजन पर बहुत अधिक खर्च करने के बजाय पहले कोर्ट मैरिज की और बाद में घर पर ही एक पार्टी के आयोजन का निर्णय लिया.

इस पार्टी में वे अपने पेरैंट्स, नजदीकी रिश्तेदारों व खास दोस्तों को शामिल करना चाहते थे लेकिन अनिकेत और अंकिता के सामने सब से बड़ी समस्या यह थी कि छोटी जगह में घर पर ही कम बजट में पार्टी की डैकोरेशन बेहतर ढंग से कैसे करें.

वैडिंग प्लानर नीता सोनी का. नीता सोनी ने बताया कि घर में पार्टी की डैकोरेशन से पहले कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए.

- पार्टी छत पर करना चाहते हैं या घर के अंदर
- पार्टी में आने वाले मेहमानों की संख्या कितनी है
- पार्टी दिन में करना चाहते हैं या रात में
- पार्टी डैकोरेशन का बजट कितना है
- बजट तय करने के बाद यह निर्धारित कर लें कि किन चीजों पर कम और किन पर अधिक खर्च करना है. मसलन, फूलों पर अधिक और लाइट्स पर कम, अपहोलस्ट्री पर अधिक और डैकोरेटिव आइटम्स पर कम खर्च करेंगे.
- पार्टी की तैयारी के लिए आप दोस्तों व रिश्तेदारों की मदद लेंगे या प्रोफैशनल मदद लेंगे. यह आप के बजट पर निर्भर करेगा. अगर बजट कम है तो दोस्तों, रिश्तेदारों की मदद लें और बजट थोड़ा अधिक है तो आसपास के लोकल डैकोरेटर की भी मदद ले सकते हैं.

डैकोरेशन के शानदार आइडियाज

- कलरफुल दुपट्टों, नैट व सिल्क की साड़ियों से घर की दीवारों और खिड़कियों को इंद्रधनुषी लुक दें.
- परंपरागत तरीके से घर की डैकोरेशन करना चाहते हैं तो गेंदे, गुलाब व रजनीगंधा के फूलों से घर को सजाएं. अगर आधुनिक तरीके से सजावट करना चाहते हैं तो एक्जोटिक और्किड, लिली व कारनेशन के फूलों का चयन करें.
- फ्रैश फ्लावर न मिलें तो ड्राइफ्लावर और ट्विस्टेड स्ट्रिक्स को भी लें. कांच या मिट्टी के वास में सजा कर डैकोरेशन को डिफरैंट लुक दें.
- फूलों के बुके को रिबन व नैट फैब्रिक से बांध कर साइड टेबल और डाइनिंग टेबल पर रख कर भी आप घर की शोभा बढ़ा सकते हैं.
- फूलों की लड़ियां बना कर प्रवेश द्वार पर बंदनवार की तरह लगा सकते हैं.
- कमरे में अगर जगह कम हो और आप कुरसियों के खर्च को बचाना चाहते हैं, तो कमरे में लोअर सीटिंग अरेंजमैंट करें. लोअर सीटिंग को और आकर्षक बनाने के लिए टाई ऐंड डाई, बीड्स, जरदोजी वर्क, सिल्क, वैल्वेट या टिश्यू वाले कुशन व मसनद का प्रयोग करें.
- पार्टी के स्थान पर इनडोर बोनसाई प्लांट्स रखें. यह आप की डैकोरेशन को इकोफ्रैंडली लुक देगा.
- पार्टी सजावट में सैंटेड कैंडल्स व फ्लोटिंग कैंडल्स को भी स्थान दें. यह पार्टी के माहौल को कूल व फ्रैश इफैक्ट देगा.
- मिट्टी के बड़े से वास पर ब्रौंज, सिल्वर, गोल्डन व कौपर कलर कर के आर्टिफिशियल फ्लावर स्ट्रिक्स लगाएं. यह आप की डैकोरेशन को कलात्मक रूप देगा.

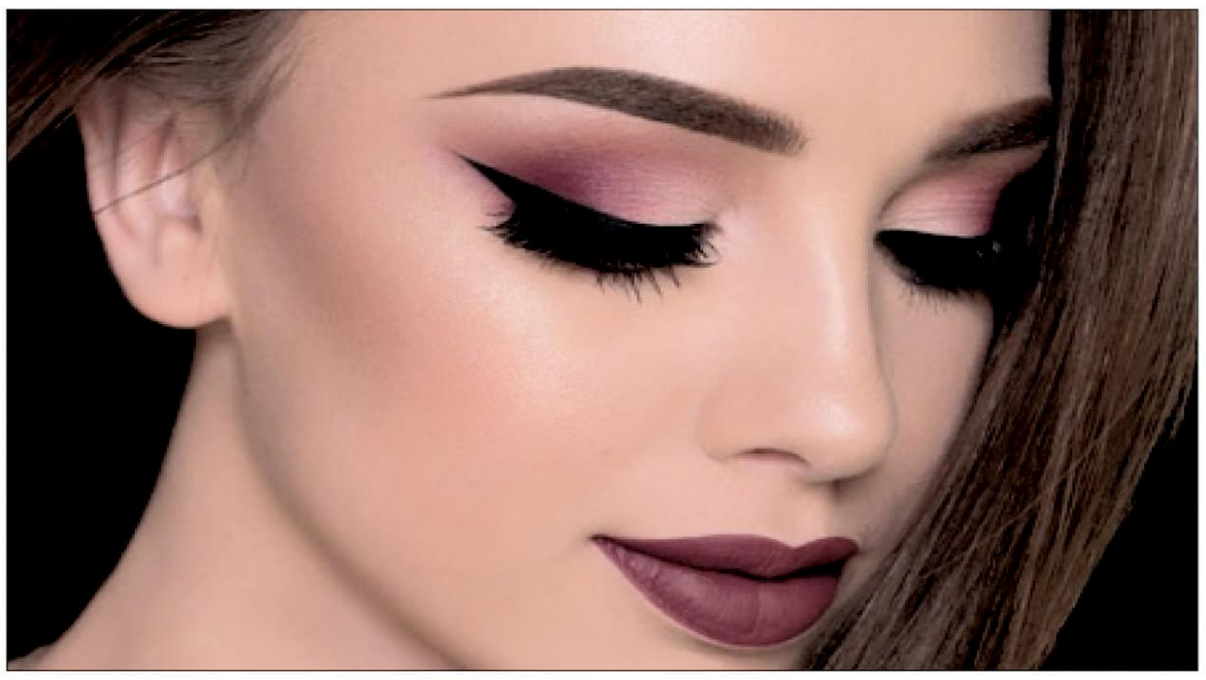

सर्दियों में इस तरह करें मेकअप

मौसम के साथ साथ त्वचा की आवश्यकताएं भी बदल जाती है. सर्दियों के मौसम में हमारें त्वचा को खास देखभाल की जरूरत होती है, क्योंकि इस मौसम में हमारी त्वचा रूखी और बेजान हो जाती है. खुश्की त्वचा पर मेकअप कर पाना थोड़ा मुश्किल होता है. सर्दियों के कुछ महीने अपने मेकअप के साथ कुछ नया करने के महीने होते हैं. जो मेकअप गर्मियों में आपके चेहरे पर अच्छे नहीं लगते, हो सकता है वही ठण्ड में आपको एक नया लुक दें. यहां कुछ आसान से नुस्खे दिए जा रहे हैं जो कंपकंपाती ठंड में भी आपको खूबसूरत और रूप की मालिका बनाये रखेंगी.

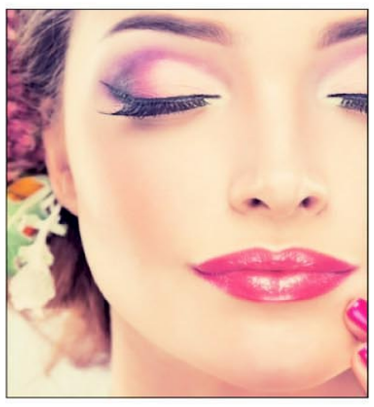

चेहरें का मेकअप

सर्दियों में साबुन से चेहरा न धोएं. इससे चेहरे पर रूखापन बड़ जाएगा. दिन में दो बार क्लीजिंग मिल्क से त्वचा की सफाई करे, इसके बाद किसी अच्छे माइस्चराइजिंग साबुन या फेस वाश से चेहरे को धोएं, चेहरे का मेकअप करते समय ये ध्यान रखें कि बाहर चाहे कितनी भी ठण्ड हो, सिर्फ उसी फाउंडेशन या माइस्चराइसर का प्रयोग करें जिसमें spf की अधिक मात्रा हो.

आंखो का मेकअप

अगर आप अपने चेहरे के किसी भाग को अलग से आकर्षक लुक देने की सोच रही हैं तो आंखों की और ध्यान दें.

मस्कारा

सर्दियों के मौसम में नीले और जामुनी जैसे अलग रंग आपकी आंखो पर काफी खिलेंगे. इस तरह के डार्क रंगो का इस्तेमाल कर अपनी आंखों को मस्करा लगाएं. इस तरह का प्रयोग करके आप अपनी आखों को और भी खूबसूरत रूप दें सकेंगी.

आई लाइनर

मेकअप गुरु हमेशा ठण्ड में आंखों के सजावट पर ध्यान देने की सलाह देते हैं. पलकों के ऊपर चारकोल लाइनर या चाकलेट ब्राउन आई पेंसिल का प्रयोग करने से आपकी आँखें भीड़ से अलग दिखेंगी. ठण्ड के मौसम में काले रंग को छोड़कर चाकलेट ब्राउन, जंगल ग्रीन या नेवी ब्लू को अपना आई लाइनर चुनें. इस लुक को और आकर्षक बनाने के लिए बिलकुल हल्के रंग के लिपस्टिक का प्रयोग करें.

आई शैडो

ठण्ड के मौसम में आमतौर पर चमकीले कलर का आई शैडो प्रयोग करना अच्छा रहता है ये आपकी खुबसुरती को और बढ़ाता है. भूरे रंग का आई शैडो एक अलग तरह के आकर्षक लुक को बनाए रखने में मदद करता है. इसके आलावा हल्के काले आई लाइनर के साथ अगर सुनहरे और सफेद रंग के मिश्रण वाला आई लाइनर प्रयोग किया जाए तो यह आपकी आंखो पर और भी ज्यादा शानदार दिखाई पड़ेगा.

खूबसूरत होठों के टिप्स

सर्दियों में जिस रंग के साथ आप सबसे ज्यादा प्रयोग कर सकते हैं वो है लाल. आपकी स्किन टोन जो भी हो,लाल हर तरह के चेहरे पर अच्छा लगता है. होंठों पर लिपस्टिक लगाने के पहले कोई क्रीम या लिपलास लगा लें जिससे होंठों की नमी बरकरार रहे. अब आप 5 मिनट बाद अपने पसंद की लिपस्टिक लगाये और इसके बाद सही प्रकार के लिप लाइनर का इस्तेमाल करें.

पक्षियों के साथ लें छुट्टियों का मजा

प्रकृति प्रेमी ज्यादातर अपना समय प्रकृति के बीच में बिताना पसंद करते हैं और यही वजह है कि ऐसे लोगों की वजह से दुनिया की कुछ जगह पर्यटन स्थल बन गई हैं. आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पक्षियों को तथा अनेकों प्रकार के जीवों को आप देख सकती हैं और वहां जाकर रोमांच का भी भरपूर मजा ले सकती हैं.

भरतपुर पक्षी अभयारण्य: पक्षी प्रेमियों के लिए राजस्थान भरतपुर में बना केवलादेव घाना राष्ट्रीय उद्यान भी एक बेहतर स्थान साबित हो सकता है. सर्दियों के मौसम में अक्टूबर से फरवरी तक घूमने का एक अलग ही मजा है, क्योंकि इन महीनों में यहां दुर्लभ और लुप्तप्राय पक्षी बड़ी संख्या में आते हैं. पक्षी प्रेमी यहां क्रेन, पेलिकन, गुई, बतख, ईगल्स, वाग्टेल्स और वौर्बलर्स जैसे पक्षियों को आसानी से देख सकते हैं. इस सीजन में स्थानीय पक्षियों के अलावा बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी भी होते हैं, जिनमें ज्यादातर पक्षी मध्य एशिया के होते हैं.

सुल्तानपुर पक्षी अभयारण्य: हरियाणा में स्थित सुल्तानपुर पक्षी अभयारण्य पक्षी प्रेमियों के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है. यहां पर पक्षी देखने के लिए सर्दी का समय काफी अच्छा माना जाता है. इसलिए पक्षी प्रेमी यहां पर अक्टूबर से लेकर फरवरी के महीने में घूम सकते हैं. यहां उत्तरी पिंटेल, ग्रेटर फ्लेमिंगो, एशियाई कोयल, पीला वाग्टेल, रोज़ी पेलिकन, यूरेशियन विजेन, कौमन टील और साइबेरियन क्रेन जैसी पक्षी बहुत प्यारे लगते हैं. सर्दियों में बड़ी संख्या में वदिशी पर्यटक भी घूमने आते हैं और कैमरों में पक्षियों को कैद करते हैं.

चिल्का झील पक्षी अभयारण्य: ओडिशा का चिल्का झील भी पक्षी प्रेमियों के लिए एक शानदार स्थान है. सर्दियों में घूमने का एक अलग ही मजा है. पिअर-आकार में बनी चिल्का झील घूमने का अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक का है. यहां पर समुद्री ईगल्स, ग्रेलेग गुइज और बैंगनी मूरिन जैसी अनोखी प्रजातियों के पक्षियों का जमावड़ा रहता है. इस झील में कई छोटे द्वीप हैं, जिनमें रंग-बिरंगे पंखों वाले पक्षियों को उड़ते हुए कैमरे में कैद करना काफी अच्छा लगता है।

जानकारी

आयरन की कमी को न करें नजरअंदाज

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कामकाजी महिलाएं हों या गृहिणियां हमेशा अपने स्वास्थ्य को इग्नोर करती हैं. वे दिन भर इतनी व्यस्त रहती हैं कि उन्हें खुद पर ध्यान देने का मौका ही नहीं मिलता. कई बार उन्हें थकान महसूस होती है, मगर ज्यादा काम का बहाना बना कर वे उसे नजरअंदाज कर देती हैं. जबकि अकसर थकान का आभास होना शरीर में आयरन की कमी होने का संकेत होता है.

यदि ज्यादा समय तक इस स्थिति को नजरअंदाज किया जाए तो धीरे धीरे शरीर में खून की कमी होने लगती है और महिलाएं ऐनीमिया से ग्रस्त हो जाती हैं. उन के हीमोग्लोबिन का स्तर नीचे चला जाता है. ऐसे में छोटी से छोटी बीमारी से भी उन्हें बचाना मुश्किल हो जाता है. शरीर को चुस्त दुरुस्त रखने में आयरन की खास भूमिका है. असल में हीमोग्लोबिन के सबसे जरूरी घटक के रूप में आयरन पूरे शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है. शरीर के हर सेल को एनर्जी पाने के लिए ऑक्सीजन की जरुरत होती है और सेल्स की यह जरुरत पूरी करने में आयरन मदद करता है. आयरन के बिना शरीर थका और सुस्त सा रहता है। आयरन महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह हीमोग्लोबिन बनाने के लिए जरूरी है. आहार से पर्याप्त आयरन न मिलने से ऐनीमिया हो सकता है. इसे आयरन की कमी वाला ऐनीमिया कहा जाता है. इसलिये शरीर में आयरन की कमी का पूर्वानुमान व निदान आवश्यक होता है.

अगर महिलाएं अपनी जीवनशैली में ये बदलाव करें तो यकीन मानिए उनके शरीर में आयरन की कमी कभी नहीं होगी।

- यदि आप शाकाहारी हैं, तो अपने भोजन में मसूर की दाल, फलियां, चना, सेम, छोला और पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक और फूलगोभी का प्रयोग करें. इन सभी में आयरन की पर्याप्त मात्रा होती है.
- यदि आप मांसाहारी हैं, तो ऑयस्टर, बीफ लीवर, चिकन और लीन बीफ जैसे कई विकल्प आपके लिए हैं. ये सभी आपके भोजन में आयरन की कमी को पूरा करते हैं.
- अगर आपको रोज सुबह कौलेज या औफिस के लिए निकलना हो और आपके पास नाश्ता बनाने का समय न हो, तो अपनी सुबह की दिनचर्या में रोटी और ब्रेड को शामिल करें. इन दोनों में आयरन की अतिरिक्त मात्रा होती है जो आपके लिए फायदेमंद है.
- क्या आपको मीठा पसंद है? अगर हां तो डार्क चौकलेट आपके लिए ही है. ये न केवल आपकी भूख मिटाएगी बल्कि आपके शरीर में आयरन की कमी को भी पूरा करेगी.
- आयरन से भरपूर खाद्य पदार्थों के अतिरिक्त आपको विटामिन सी की भी आवश्यकता होती है. इसके लिए आप ब्रोकोली और स्ट्रॉबेरी का सेवन करना चाहिए और साथ में संतरे का जूस भी हो तो मजा आ जाएगा.
- अगर आपको चाय या कॉफी पसंद है तो ध्यान रखें की कभी भी इन्हें अपने भोजन के साथ न लें. खाने के साथ या उसके बाद चाय या कॉफी पीने से इसमें मौजूद टैनिन खाने में पाए जाने वाले आयरन के अब्जॉर्बशन को कम करता है.
- अपनी जीवनशैली में इन सभी परिवर्तनों के अलावा आप डॉक्टर की सिफारिश पर अपनी दिनचर्या में लिवोजिन जैसा बेहतरीन आयरन सप्लीमेंट भी जोड़ सकते हैं. यह आसानी से उपलब्ध है और आपकी आयरन की कमी से लड़ने में सहायता करेगा.

बच्चों में डालें पढ़ने की आदत

आजकल सभी मातापिता यह शिकायत करते हैं कि बच्चे स्मार्टफोन, टैबलेट, टीवी या फिर मोबाइल पर गेम्स खेलने में लगे रहते हैं. मंजीत कहते हैं, ''एक हमारा जमाना था जब हम पढ़ते हुए कभी नहीं थकते थे.'' साथ में बैठी उन की पत्नी फौरन बोल उठीं, ''मुझे तो मीकू, चीकू बहुत पसंद थे.'' बालपुस्तकों की कमी आज भी नहीं, किंतु आज की पीढ़ी पढ़ने का खास शौक नहीं रखती है. कहीं इस के जिम्मेदार हम ही तो नहीं? पहले इतनी तकनीक हर हाथ में उपलब्ध नहीं होती थी कि बच्चे किताबों के अलावा मन लगा पाते. आजकल गैजेट्स हर छोटेबड़े हाथ को आसानी से प्राप्त हैं.

अपने नन्हे को पढ़ कर सुनाएं

अपने नन्हेमुन्ने का अपने जीवन में स्वागत करने के कुछ वर्षों बाद ही आप उसे कहानी पढ़ कर सुनाने की प्रक्रिया आरंभ कर दें. इस से न केवल आप का अपने बच्चे से बंधन मजबूत होगा बल्कि स्वाभाविक तौर पर उसे पुस्तकों से प्यार होने लगेगा. उम्र के छोटे पड़ाव से ही किताबों के साथ से बच्चों में पढ़ने की अच्छी आदत विकसित होती है. प्रयास करें कि प्रतिदिन कम से कम 20 मिनट आप अपने बच्चों के साथ मिल कर बैठें और पढ़ें. पुस्तकों में कोई रोक न रखें, जो आप के बच्चे को पसंद आए, उसे वह पढ़ने दें.

पढ़ने के साथ समझना भी जरूरी

बच्चा तेजी के साथ किताब पढ़ पाए, यह हमारा लक्ष्य नहीं है, बल्कि जो कुछ वह पढ़ रहा है, उसे समझ भी सके. इस के लिए आप को बीचबीच में कहानी से संबंधित प्रश्न करना चाहिए. इस से बच्चा न केवल पढ़ता जाएगा, बल्कि उसे समझने की कोशिश भी करेगा. आप ऐसे प्रश्न पूछें, जैसे अब आगे क्या होना चाहिए, क्या फलां चरित्र ठीक कर रहा है, यदि तुम इस की जगह होते तो क्या करते. ऐसे प्रश्नों से आप का बच्चा कहानी में पूरी तरह भागीदार बन सकेगा तथा उस की अपनी कल्पनाशक्ति भी विकसित होगी.

बच्चे के रोलमॉडल बनें

यदि आप का बच्चा बचपन से पढ़ने का शौकीन है तब भी घर में किसी रोलमौडल की अनुपस्थिति उसे इधरउधर भटकने पर मजबूर कर सकती है. आप स्वयं अपने बच्चे के रोलमौडल बनें और उस की उपस्थिति में अवश्य पढ़े. चाहे आप को स्वयं पढ़ना बहुत अधिक पसंद न भी हो तब भी आप को प्रयास करना होगा कि बच्चे के सामने आप पढ़ते नजर आएं. क्या पढ़ते हैं, यह आप की इच्छा है, लेकिन आप के पढ़ने से आप का बच्चा यह सीखेगा कि पढ़ना उम्र का मुहताज नहीं होता और हर उम्र में इंसान सीखता रह सकता है.

आसपास देख कर सिखाइए

छोटे बच्चे बिना पढ़े ही क्रीम की बोतल के नाम, शैंपू के नाम, उन के पसंदीदा रैस्तरां, जैसे डोमिनोज का नाम आदि जान जाते हैं. कैसे? चिह्नों द्वारा. मीनल बताती हैं कि उन की डेढ़ वर्षीय बिटिया ढेर सारे चिह्न (कंपनियों के लोगो) पहचानती है और उन की कंपनियों के नाम बता देती है तो जब उन के दूसरा बच्चा होने का समय निकट आया, उन्होंने नवजात शिशु की कौट के ऊपर उस के नाम के अक्षर टांग दिए. इस का असर यह हुआ कि न केवल उन की बड़ी बिटिया नाम की स्पैलिंग सीख गई, बल्कि छोटी भी बहुत जल्दी वर्णमाला सीख गई. तकनीकी भाषा में इसे 'एनवायरनमैंटल प्रिंट' कहते हैं अर्थात चिह्नों की सहायता से बच्चे, बिना पढ़े ही, भिन्न रैस्तरां, सौंदर्य प्रसाधन, ट्रैफिक सिग्नल, कपड़े, पुस्तकें आदि पहचानने लगते हैं और उन में भेद कर सकते हैं. नन्हे बच्चों की उत्सुक प्रवृत्ति का लाभ उठाते हुए आप उन्हें न केवल किसी चीज का शाब्दिक अर्थ बल्कि सामाजिक महत्त्व तथा उपयोग भी बता सकते हैं. अपने आसपास की चीजें देख वे प्रश्न करेंगे और आप उत्तर के द्वारा उन्हें कई चीजें सिखा सकते हैं.

भिन्न प्रकार की पुस्तकों को बनाएं मित्र

जब आप का बच्चा पढ़ने लगे, तब आप उसे भिन्न प्रकार की पुस्तकें पढ़ने को दें, जैसे अक्षर ज्ञान वाली पुस्तकें, बाल कहानियां, कविताओं की पुस्तकें आदि. साथ ही, वह एक प्रकार की कहानियों को दूसरी से अलग करने में अपने दिमाग में विचारों को बनाना व संभालना सीखेगा.

खेलखेल में

कई खेलों द्वारा आप अपने छोटे बच्चे को पढ़ने की ओर आकर्षित कर सकती हैं. दिल्ली की प्रेरणा सिंह कहती हैं, ''हर शुक्रवार वे अपनी सोसाइटी में 5 से 7 साल के बच्चों के लिए 'फन फ्राइडे' मनाती हैं. यहां वे बच्चों की टोली को अलगअलग टीम में विभाजित कर खेलों द्वारा पढ़ने की ओर उन का रुझान पैदा करती हैं. इस के लिए वे कई खेलों का सहारा लेती हैं. वे कहती हैं, ''केवल स्कूली पढ़ाई ही जीवन में काम नहीं आती. जो कुछ हम अपने वातावरण से सीखते हैं, वही हमारा व्यक्तित्व बनता है और जिंदगी में हमारे काम आता है.''

डिजिटल बनाम प्रिंट

वर्ष 2013 से 2015 तक नाओमि बैरोन द्वारा किए गए शोध में 5 देशों-भारत, जापान, अमेरिका, जरमनी व स्लोवेनिया के 429 विश्वविद्यालयों के छात्रों से जब डिजिटल बनाम कागज की किताबों की तुलना करने को कहा गया तो छात्रों की प्रतिक्रिया थी कि उन्हें कागज की खुशबू भाती है. उन्हें कागज को छूने, देखने, पकड़ने से आभास होता है कि वे पढ़ रहे हैं. प्रिंट उन्हें बेहतर समझ में आता है और अधिक याद रहता है.

सोशल मीडिया का असर

सोशल मीडिया पर ज्ञान तो बहुत है पर सही या गलत, इस का कोई प्रमाण नहीं है. जिस के जो दिल में आता है, वह उस का औडियो या वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर अपलोड कर देता है।

रेसिपी

मैगी पकौड़ा

सामग्री

300 मिली पानी, 2 पैकेट मैगी, 2 पैकेट मैगी मसाला, 70 ग्राम पत्तागोभी, 70 ग्राम प्याज, 70 ग्राम शिमला मिर्च, 25 ग्राम धनिया, 1 टीस्पून नमक , 2 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, 45 ग्राम सूजी, 35 ग्राम बेसन, 2 टेबलस्पून पानी

विधि

एक पैन में पानी डालकर उबालें. अब इसमें मैगी और मैगी मसाला डालकर अच्छे से मिक्स करें और पकाएं. बाद में बाउल में निकाल लें. अब इसमें पत्तागोभी, प्याज, शिमला मिर्च, धनिया, नमक, लाल मिर्च पाउडर, सूजी, बेसन और पानी डालकर अच्छे से मिक्स कर लें. थोड़ा-सा मिक्सचर लेकर छोटी-छोटी बाल्स बना लें और साइड रख दें. अब एक पैन में तेल गर्म कर इन्हें अच्छे से फाई करें. इन्हें तब तक फाई करें जब तक इनका रंग हल्का गोल्डन ब्राउन न हो जाएं. मैगी पकौड़े तैयार हैं. इन्हें गर्मा-गर्म सर्व करें.

स्पाइसी पनीर काठी रोल्स

सामग्री

1 कप प्याज बारीक कटा हुआ, 1 कप बींस बारीक कटी हुई, 1 कप गाजर बारीक कटी हुई, 1 कप बंदगोभी बारीक कटी हुई, 1 छोटा चम्मच अदरक कसा हुआ, 1 छोटा चम्मच लहसुन कसा हुआ, 250 ग्राम पनीर के टुकड़े, 1 कप टोमैटो कैचप, नमक , काली मिर्च स्वादानुसार

सामग्री रोटी के लिए: 500 ग्राम मैदा, 1/2 छोटा चम्मच नमक , 1/2 छोटा चम्मच अजवाइन, 1/2 कप पिघला मक्खन , पानी मैदा गूंधने के लिए

विधि

रोटी की सामग्री गूंध कर लोइयां बना लें और बड़े आकार की चपातियां बना कर एक तरफ रख लें. अब कड़ाही में तेल गरम कर, अदरक, लहसुन, वैजिटेबल्स, नमक व कालीमिर्च मिला कर 5-7 मिनट पकाएं. इस के बाद पनीर व टोमैटो कैचप मिला कर भरावन के लिए सामग्री तैयार कर लें. रोल बनाने के लिए हरेक चपाती के बीच में भरावन रखें. फिर उन के ऊपर पुदीना चटनी और प्याज के टुकड़े रख कर रोल बना लें. परोसने से पहले, रोल्स को ओवन में गरम कर लें और गरम गरम प्याज और पुदीना चटनी के साथ परोसें.

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**